THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

आतंकी हमले में सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की मौत

श्रीनगर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सोमवार को आतंकियों की फायरिंग में सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की मौत हो गई। सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की जॉइंट ऑपरेशन टीम रामनगर के चील इलाके में रूटीन पेट्रोलिंग पर थी, उसी दौरान आतंकियों ने गोलीबारी की। सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की पहचान कुलदीप के रूप में हुई है। एनकाउंटर जारी है। इससे पहले डोडा में 14 अगस्त को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में आर्मी के 48 राष्ट्रीय राइफल के कैप्टन दीपक सिंह शहीद हो गए थे। वह डोडा में असार फॉरेस्ट एरिया में चल रहे एनकाउंटर में टीम को लीड कर रहे थे। 16 जुलाई को भी डोडा में मुठभेड़ के दौरान एक कैप्टन समेत 5 जवान शहीद हुए थे।

वर्ष-29 अंक : 149 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **भाद्रपद कृ.1 2081 मंगलवार, 20 अगस्त-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पीएम ने छात्राओं के साथ मनाया रक्षाबंधन

राखियों से भर गई प्रधानमंत्री की कलाई

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्कूल के बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। उन्होंने बच्चों से राखी भी बंधवाई और उनसे बात भी की। इस दौरान वे बहुत खुश नजर आए। राकी से पीए मोदी की कलाई भर गई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए देशवासियों को भी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी।

एक बच्ची ने पीएम मोदी को बहुत ही खास राखी बांधी। इस राखी में एक विशेष संदेश के साथ एक तस्वीर भी थी। दरअसल, इस राखी में पीएम मोदी की दिवंगत मां की तस्वीर थी और उसमें 'एक पेड़ मां के नाम' संदेश लिखा हुआ था। बता दें कि पीएम मोदी ने हाल ही में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया है, जिसमें उन्होंने हर व्यक्ति को एक पौधा लगाकर मां और धरती माता के प्रति सम्मान प्रकट करने की अपील की थी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, समस्त देशवासियों को भाई-बहन के असीम स्नेह के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन की ढेरों शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के रिश्तों में नई मिठास और जीवन में सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य लेकर आए। बता दें कि पिछले साल भी पीएम मोदी ने छोटे-छोटे बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया था।

रक्षाबंधन के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रक्षाबंधन की बधाई दी। उन्होंने कहा, समस्त देशवासियों को 'रक्षाबंधन' के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। भाई-बहन के अटूट प्रेम व स्नेह के इस पर्व पर सभी के सुख व समृद्धि की प्रार्थना करता हूं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाया। संविद गुरुकुलम गर्ल्स सैनिक स्कूल की छात्राओं ने राजनाथ सिंह को राखी बांधी। राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सैनिक संस्थान की उषा राणा ने भी मुलाकात की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षाबंधन के मौके पर विभिन्न राज्यों के छात्रों से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और जयंत चौधरी भी मौजूद रहें।

पीएम और सिस्टम में एक राय नहीं : पवार

मोदी वन नेशन-वन इलेक्शन की बात कहते हैं, चुनाव आयोग दूसरे रास्ते चलता है

पुणे, 19 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी-शरद गुट (एनसीपी-एससीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार 19 अगस्त को कहा कि प्रधानमंत्री और चुनाव आयोग दोनों अलग-अलग बातें करते हैं। पीएम ने स्वतंत्रता दिवस पर वन नेशन-वन इलेक्शन की बात कही थी।

अगले ही दिन को चुनाव आयोग ने दो राज्यों में अलग-अलग तारीखों में विधानसभा चुनावों का ऐलान कर दिया। प्रधानमंत्री एक बात कहते हैं, जबकि सिस्टम दूसरे रास्ते पर चलता है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि बार-बार होने वाले चुनाव देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। देश को वन नेशन, वन इलेक्शन के लिए आगे आना होगा। इसके बाद 16 अगस्त को चुनाव आयोग ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ऐलान किया। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर सिंगल फेज में 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी। दोनों राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे।

शरद पवार 19 अगस्त को पुणे में पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उनसे पूछा गया कि क्या महाराष्ट्र में राज्य सरकार की लाड़की बहन योजना के कारण दिसंबर में चुनाव हो सकते हैं और क्या राज्य में राष्ट्रपति शासन लगने की संभावना है। पवार ने कहा कि यह ऐसा सवाल है, जो चुनाव आयोग से पूछा जाना चाहिए।

एकनाथ शिंदे सरकार की तरफ से लाड़की बहन जैसी योजनाओं के लिए धन मुहैया कराए जाने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, कई योजनाएं लंबित हैं और स्कॉलरशिप के लिए पैसे नहीं है, लेकिन इसके बीच वित्तीय बोझ बढ़ाने वाली नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं।

महाराष्ट्र में राजनीतिक बयानबाजी की असल वजह आगामी विधानसभा चुनाव हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि दिवाली के बाद महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। पिछले महीने महाराष्ट्र में विधान परिषद (एमएलसी) के चुनाव हुए थे। एनडीए को जबरदस्त जीत मिली थी। गठबंधन ने 11 में से 9 सीटें जीतीं थीं। वहीं इंडिया ब्लॉक के तीन प्रत्याशी खड़े थे, जिनमें 2 ही जीत सके। कांग्रेस के 7 से 8 विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने की खबर थी।

डीआईजी के पहुंचने के बाद धरने से उठे 935 सिपाही

खराब नाश्ते के बाद बिगड़ी थी तबीयत, सल्फास मिलाने के आरोप

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) के 935 ट्रेनी सिपाहियों ने सुपोल में सोमवार को 6 घंटे तक चिलचिलाती धूप में धरना दिया। ट्रेनी सिपाहियों का आरोप है उन्हें जहर मिला खाना दिया जा रहा है। खाने की क्वालिटी भी खराब है। दरअसल, रविवार को नाश्ते में पूड़ी, जलेबी और काबुली चने की सब्जी खाने के बाद 265 ट्रेनी सिपाहियों की तबीयत बिगड़ गई थी।

इसके बाद ट्रेनी सिपाहियों को तुरंत वीरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इलाज के बाद रात 1 बजे सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया। आरोप है कि जिस खाने से तबीयत बिगड़ी उसमें सल्फास (गेहूं को कीड़ों से बचाने वाली जहरीली दवा) मिलाया गया था। किचन से सल्फास की पुड़िया भी मिली है। हालांकि, खाने में सल्फास मिलाने की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। सिपाही सुबह 8 बजे से धरने पर बैठे थे। दोपहर 2 बजे डीआईजी सफीकुल हक मौके पर पहुंचे। खाने की व्यवस्था को ठीक करने का भरोसा दिया, इसके बाद सभी अपने-अपने बैरक में लौट गए। डीआईजी ने कहा कि 'फूड पॉइजनिंग का मामला सही है। इसमें जांच के बाद एक्शन लिया जाएगा। जवान की खाने की थाली से पुड़िया मिली है। वो क्या है इसकी भी जांच करवाई जा रही है। इसे लेकर स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई जाएगी।' प्रदर्शन कर रहे सभी ट्रेनी सिपाही हैं। ट्रेनिंग पूरी होते ही डिपार्टमेंटल एग्जाम के बाद इन्हीं में से एसआई बनाए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार का हलफनामा

मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिला रहा तीन तलाक कानून

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। तीन तलाक कानून को लेकर दायर याचिका के जवाब में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। इसमें कहा गया है कि तीन तलाक कानून मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिला रहा है।

साथ ही विवाहित मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण करता है। खुद को सुन्नी विद्वानों का संघ बताने वाले केरल के जमीयतुल उलेमा ने मुस्लिम महिला अधिनियम 2019 को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को अमान्य करार कर दिया है तो इसे अपराध घोषित नहीं किया जाना चाहिए। इसे लेकर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने हलफनामा दायर किया है। सरकार ने कहा कि तीन तलाक की प्रथा मुस्लिम महिलाओं के लिए घातक और उनकी स्थिति को दयनीय बना देती है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से 2017 में इस प्रथा को अमान्य करार किए जाने को कुछ ही मुस्लिम समुदायों ने वैध माना है। इसके बाद भी तीन तलाक के मामले पूरी तरह नहीं रूके। सरकार ने कहा कि तीन तलाक की पीड़िताओं के पास पुलिस के पास जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है।

कानून में दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान न होने के चलते पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर पाती। इसलिए इस कानून में कड़े प्रावधानों की जरूरत है। सरकार ने तर्क दिया कि 2019 अधिनियम विवाहित मुस्लिम महिलाओं को न्याय और समानता के बड़े संवैधानिक लक्ष्यों को सुनिश्चित करने में मदद करता है। उनके गैर-भेदभाव और सशक्तीकरण के मौलिक अधिकारों को संरक्षित करने में मदद करता है। सरकार ने हलफनामे में यह भी कहा गया है कि अभी कानून में अपने विवेक से तीन तलाक लेने वाली विवाहित महिलाओं की रक्षा के लिए प्रावधान किए गए हैं। जबकि कानून में कड़ी कार्रवाई के प्रावधान निहित किए जाने चाहिए। हलफनामे में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट संसद द्वारा पारित कानूनों की बुद्धिमत्ता पर विचार नहीं कर सकता। चह इस बात पर चर्चा नहीं कर सकता कि कानून क्या होना चाहिए।

देश का मानसून ट्रैकर : ओडिशा में 48 घंटे में 15 मौतें

पुणे में एक दिन में 101एमएम बारिश; यूपी में 2 फ्लाइट डायवर्ट, 8 लेट

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा में पिछले 48 घंटे में बिजली गिरने से 15 लोगों की मौत हो चुकी है। रविवार को राज्य में अलग-अलग जगहों पर 6 लोगों की मौत हुई, जबकि 4 लोग घायल हो गए। मौसम विभाग ने 19-20 अगस्त को ओडिशा के 10 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पुणे में बारिश के बाद सड़कें, सबवे, अंडरपास और घरों में पानी भर गया। शहर में जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग गया। वडगांव शेरी इलाके में रविवार शाम को 101.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा-अगले 2 दिन पुणे में बारिश होगी। खराब मौसम की वजह से रविवार को लखनऊ आने वाले 2 विमानों को डायवर्ट किया गया और 8 फ्लाइट लेट हुई। दिल्ली से आ रही इंडिगो की फ्लाइट को वाराणसी और मस्कट से आ रहे विमान को दिल्ली डायवर्ट किया गया। उत्तर प्रदेश में 34 जिलों में आज बारिश का अलर्ट है।

एमपी-यूपी समेत 11 राज्यों में आज बारिश का अलर्ट

देशभर में बारिश का दौर जारी है। सोमवार (19 अगस्त) को मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश सहित 11 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल में 21 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना जताई है। रविवार (19 अगस्त) को महाराष्ट्र और तेलंगाना में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गुजरात, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज हुआ।

कर्नाटक के सीएम राज्यपाल के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे

> कुछ गलत नहीं किया, गवर्नर ने जमीन घोटाले में केस चलाने की मंजूरी दी थी

बेंगलुरू, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्यपाल थावरचंद गहलोत के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। सिद्धारमैया पर मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) की जमीन के मुआवजे के लिए फर्जी दस्तावेज लगाने का आरोप है। गवर्नर ने 17 अगस्त को उनके खिलाफ केस चलाने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्यपाल ने आदेश बिना सोचे-समझे और संवैधानिक नियमों के खिलाफ दिया है। साथ ही कहा कि मैंने 40 साल के राजनीतिक करियर में कुछ गलत नहीं किया। भाजपा को विरोध करने दो, मैं बेदाग हूं। मुझे न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। इससे पहले 26 जुलाई को राज्यपाल ने नोटिस जारी कर सीएम से 7 दिन में जवाब मांगा था। 1 अगस्त को कर्नाटक सरकार ने राज्यपाल को नोटिस वापस लेने की सलाह दी और उन पर संवैधानिक शक्तियों के दुरूपयोग का आरोप लगाया। मुडा घोटाले में सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी.जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने मुडा अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को फर्जी दस्तावेज लगाकर हासिल किया।

'मेरा सियासी करियर खुली किताब न्यायपालिका पर पूरा भरोसा'

बेंगलूरू, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि राजनीतिक संघर्षों के दौरान उनकी ऊर्जा बढ़ जाती है और उन पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत के आदेश से कोई असर नहीं पड़ा है। बता दें कि राज्यपाल ने मुडा में कथित गड़बड़ी के मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। हालांकि, सिद्धारमैया ने इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने के कुछ घंटों बाद सिद्धारमैया ने कहा, मेरी आत्मा पूरी तरह से साफ है। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के वकील अभिषेक मनु सिंघवी की उनकी याचिका की पैरवी करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। मुझे अदालत से राहत मिलने की पूरी उम्मीद है, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है।

महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा लड़ेंगी विधानसभा चुनाव

श्रीनगर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। इल्तिजा को अनंतनाग के बिजबेहरा निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया जाएगा।

बिजबेहरा मुफ्ती परिवार की गृह सीट और गढ़ है। 37 वर्षीय इल्तिजा का यह पहला चुनाव होगा। पता चला है कि महबूबा विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। पार्टी आज दक्षिण कश्मीर के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने वाली है, जहां 18 सितंबर को मतदान होना है।

अभी हाल ही में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने केंद्र शासित प्रदेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराए जाने की मांग की थी। उन्होंने एलजी प्रशासन पर भी पूर्वाग्रह से भरे होने का आरोप लगाया था। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा था कि हमारी चिंता यह है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराए जाएं। चुनाव की तारीख की घोषणा से ठीक पहले एलजी सरकार द्वारा लगभग 150-200 तबादले अचानक और मनमाने ढंग से किए गए।

इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि यहां एलजी प्रशासन का व्यवहार बहुत खराब है। वो पूर्वाग्रह से भरे हैं। वो भाजपा का पक्ष लेते हैं।

मलेशिया के सामने भारत उठाएगा जाकिर नाइक का मुद्दा?

प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और पीएम मोदी की मुलाकात से पहले उठे सवाल

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जाकिर नाइक को भारत लाने की कवायद तब से की जा रही है, जबसे वह 2017 में मलेशिया भाग गया था। खुद को धर्मगुरु, शांतिदूत बताने वाला जाकिर भारत का दुश्मन है। सबको पता है कि उसके शांति के संदेश अशांति और हिंसा ज्यादा फैलाते हैं। भारत के पास एक बार फिर ऐसा मौका आया है, जब वह जाकिर नाइक को भारत पत्यर्पण के लिए जोर लगा सकता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम इस समय भारत के दौरे पर हैं। वह पीएम मोदी से द्विपक्षीय वार्ता कर सकते हैं। ऐसे में मुमिकन है कि भारत की तरफ से जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण की पहल हो। दूसरी ओर भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की बेटी सुहासिनी हैदर ने दवा किया है कि विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे को उठाए जाने के सवाल को दरकिनार कर दिया।

सुहासिनी हैदर ने कौन सा दावा किया :

पेशे से द हिंदू में डिप्लोमैटिक अफेयर्स एडिटर सुहासिनी हैदर ने दावा किया है कि विदेश मंत्रालय ने जाकिर नाइक के मुद्दे वाले सवाल को दरकिनार कर दिया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर कैप्शन के साथ द हिंदू में छपी अपनी खबर का भी हवाला दिया। सुहासिनी हैदर ने लिखा कि मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम मंगलवार को पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए पहुंचे, जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण का मुद्दा अभी भी अनसुलझा है, विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे को उठाए जाने के सवाल को दरकिनार कर दिया। उन्होंने आगे लिखा कि 2019 में, पीएम मोदी ने तत्कालीन मलेशियाई प्रधानमंत्री महातिर के साथ श्री नाइक के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठाय था जब वे रूस में एक सम्मेलन के मौके पर मिले थे लेकिन महातिर ने बाद में भारत के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस के लिए सबूतों की कमी का भी हवाला दिया गया था।

मणिपुर जाएंगे आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी

लेंगे सुरक्षा हालात का जायजा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी मणिपुर जाकर वहां सिक्योरिटी सिचुएशन का जायजा लेंगे। सूत्रों के मुताबिक जनरल द्विवेदी 23 और 24 अगस्त को असम राइफल्स के सीनियर अधिकारियों से मीटिंग करेंगे। यह दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है जब गृह मंत्रालय के निर्देश पर मणिपुर से असम राइफल्स की दो बटालियन हटाई जा रही हैं और उन दो बटालियन की जगह पर सीआरपीएफ की बटालियन तैनात की जा रही हैं।

मणिपुर क्यों जा रहे आर्मी चीफ :

सूत्रों के मुताबिक जनरल द्विवेदी 23 अगस्त को शिलॉन्ग पहुंचेंगे और वहां अधिकारियों से बात करेंगे। अगले दिन वह मणिपुर जाएंगे। वहां वह आईजीएआर (इंस्पेक्टर जनरल असम राइफल्स) साउथ के साथ भी मीटिंग करेंगे। मणिपुर के जिस इलाके से असम राइफल्स की दो यूनिट हटाई जा रही हैं उसमें से एक यूनिट आईजीएआर साउथ और दूसरी यूनिट आईजीएआर ईस्ट की जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में आती है। मणिपुर में 3 मई 2023 को जातीय हिंसा भड़की जिसमें 220 से ज्यादा लोग मारे गए और 50 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए। वहां अब भी स्थिति सामान्य नहीं हुई है। जातीय हिंसा को रोकने के राजनीतिक समाधान निकालने की मांग भी हो रही है साथ ही कुकी समुदाय के लोग पहाड़ियों के लिए विधानसभा के साथ केंद्र शासित प्रदेश की मांग कर रहे हैं।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का आरोप

रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्र ने फंड में की कटौती

चेन्नई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को राज्य में रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्रीय निधि में कटौती पर निराशा व्यक्त की और कहा कि इस कदम से तमिलनाडु की प्रगति पर भारी असर पड़ेगा। नियमित रेल बजट 2024-2025 में दक्षिणी रेलवे के लिए निधि आवंटन में कमी के संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष मुद्दा उठाते हुए, उन्होंने तमिलनाडु में नई लाइनों, दोहरीकरण और ग्राहक सुविधा परियोजनाओं के लिए निर्धारित पर्याप्त निधियों के आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए मंत्री के हस्तक्षेप की मांग की।

सीएम एमके स्टालिन ने रेल मंत्री को लिखा पत्र :

सीएम एमके स्टालिन ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को संबोधित एक पत्र में कहा, मैं दोहराता हूं कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं में धन की कमी के कारण और देरी नहीं होनी चाहिए। मैं इस संबंध में आपके व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूं।

राज्य में परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर पड़ेगा प्रभाव :

इस मामले की ओर रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि निधि आवंटन में महत्वपूर्ण कमी का तमिलनाडु में परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर परिणामी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने पत्र में कहा, हम इस बात से निराश हैं कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए भारतीय रेलवे के नियमित बजट में कुछ लेखा शीर्षों के तहत दक्षिणी रेलवे के लिए धन का आवंटन उसी वर्ष के अंतरिम बजट में आवंटन की तुलना में बहुत कम है।

कटौती दोहरीकरण परियोजनाओं को कर देगी धीमा

नई लाइन परियोजनाओं के लिए 674.8 करोड़ रुपये की यह भारी कटौती और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए 285.64 करोड़ रुपये की इसी तरह की कटौती तमिलनाडु में चल रही कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी और साथ ही निश्चित रूप से राज्य में बहुत जरूरी दोहरीकरण परियोजनाओं को धीमा कर देगी। उन्होंने स्पष्ट करने के लिए ऐसी बारह दोहरीकरण परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया। साथ ही, सीएम एमके स्टालिन ने चेन्नई और उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए दक्षिणी रेलवे के साथ लंबित महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से किलाम्बक्कम बस टर्मिनस, ईएमयू सेवाओं और एमआरटीएस लाइनों से संबंधित रेलवे कार्यों को तेज करने की आवश्यकता है।

रेलमंत्री बोले-यूपीएससी लेटरल-एंट्री का कॉनसेप्ट यूपीए सरकार का

2005 का सुझाव हमने लागू किया

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। यूपीएससी में लेटरल एंट्री को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाए थे कि यूपीएससी के प्रमुख पदों पर आरएसएस से जुड़े लोगों की भर्ती की गई है। इसका जवाब देते हुए सोमवार सुबह केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- लैटरल एंट्री मामले पर कांग्रेस का पाखंड देश के सामने है। वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-यह यूपीए सरकार ही थी, जिसने लेटरल एंट्री का कॉन्सेप्ट लाया। दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग (एआरसी) 2005 में यूपीए सरकार में ही लाया गया था। इस आयोग की अध्यक्षता वीरप्पा मोइली ने की थी।

> NDA सरकार UPSC के माध्यम से ट्रांसपेरेंट और निष्पक्ष भर्तियां की जाएंगी। यह रिफॉर्म गवर्नेंस के मॉडल को मजबूत करेगा।
>
> **अश्विनी वैष्णव**
> केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री

यूपीए सरकार के कार्यकाल की एआरसी ने सुझाव दिया था कि जिन पदों पर स्पेशल नॉलेज की जरूरत है, वहां विशेषज्ञों की नियुक्ति होनी चाहिए। एनडीए सरकार ने एआरसी की इस सिफारिश को लागू करने के लिए ट्रांसपेरेंट तरीका अपनाया है। इसके बाद राहुल गांधी ने सोमवार को फिर से मामले को लेकर केंद्र सरकार पर भर्ती को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर लिखा- लैटरल एंट्री दलित, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला है। भाजपा का राम राज्य का यह विध्वंस कारी वर्जन संविधान को नष्ट करना और बहुजनों से आरक्षण छीनना चाहता है। यूपीएससी ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री के जरिए 45 जॉइंट सेक्रेटरी, डिप्टी सेक्रेटरी और डायरेक्टर लेवल की नौकरियां निकाली। ये अब तक की सबसे बड़ी लेटरल भर्ती है। लेटरल भर्ती में कैंडिडेट्स बिना यूपीएससी की परीक्षा दिए रिक्रूट किए जाते हैं। इसमें आरक्षण के नियमों का भी फायदा नहीं मिलता है।

45 पोस्ट के लिए निकाली वैकेंसी

दरअसल जॉइंट सेक्रेटरी, डिप्टी सेक्रेटरी की 10 पोस्ट होम, फाइनेंस और स्टील मिनिस्ट्री में निकाली गई हैं। कृषि एवं किसान कल्याण, नागरिक उड्डयन और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालयों में डायरेक्टर/डिप्टी सेक्रेटरी लेवल की 35 पोस्ट भरी जाएंगी। इससे पहले 2019 में भी इन पदों पर भर्तियां की गईं थीं।

सरकार के मंत्रालयों में ज्वाइंट सेक्रेटरी, डायरेक्टर्स और डिप्टी सेक्रेटरी की पोस्ट पर भर्ती लेटरल एंट्री से की जाती है। यूपीएससी में लेटरल एंट्री की शुरुआत साल 2018 में हुई थी। इसमें ज्वाइंट सेक्रेटरी लेवल की पोस्ट के लिए 6077 एप्लीकेशन आए। यूपीएससी की सिलेक्शन प्रोसेस के बाद 2019 में अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में 9 नियुक्ति हुई।

चंपई के झामुमो छोड़ने को लेकर भड़के संजय राउत

बीजेपी को झारखंड-महाराष्ट्र में हार का डर सता रहा

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत झारखंड के पूर्व सीएम चंपई के झामुमो छोड़ने को लेकर भड़के। उन्होंने कहा कि भाजपा ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव आगे बढ़वाए हैं। उनको हार का डर सता रहा है। भाजपा झारखंड में हेमंत सोरेन को सीएम पद से हटाना चाहती है। पार्टी को तोड़ना चाहती है। उनका उद्देश्य झारखंड में अस्थिरता लाना है। चंपई सोरेन ने बैठक के बाद जो कुछ भी कहा उससे सब साफ है। चुनाव इसलिए टाले गए हैं क्योंकि भाजपा को वक्त चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा की हार तो हो रही है, यह वो जानती है। इसलिए चुनाव से पहले वक्त लेकर ठेकेदारों, सरकारी संस्थानों में लूट करना चाहती है। चुनाव आयोग भी संविधान के खिलाफ और दबाव में काम कर रहा है। लेकिन भाजपा सफल नहीं हो पाएगी। वहीं चंपई सोरेन मामले को लेकर झारखंड के मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि यह जेएमएम का आंतरिक मामला है। हेमंत सोरेन अच्छे सीएम हैं और सरकार अच्छे से चला रहे हैं। वह राजनीति की बारीकियां समझते हैं यह उनका आंतरिक मामला है।

वहीं झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि चंपई सोरेन को लेकर सब अफवाहें और अटकलें हैं।

वह अपनी बेटी से मिलने के लिए निजी यात्रा पर दिल्ली आए थे। वह झामुमो और गठबंधन के समर्पित नेता हैं। गठबंधन ने हमेशा उनका सम्मान किया है। वह इस सम्मान और अपनी पार्टी को छोड़कर कहीं नहीं जाने वाले हैं। यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और आगे भी हम सरकार बनाएंगे।

खबरें जरा हटके

'वर्क फ्रॉम होम' मिला था, शख्स 'स्वर्ग' से करने लगा काम

चकरा गया ऑफिस वालों का माथा, लोग बोले-'सही है भाई'

दुनिया में ऐसे-ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो गजब का खुराफाती दिमाग रखते हैं. हम और आप जो सोच भी नहीं सकते, वो ये कर दिखाते हैं. ऐसे ही एक शख्स का वीडियो वायरल हो रहा है, जो अपना काम करने के लिए कुर्सी मेज लगाने के बजाय एक नदी में मानो समाधि लगाकर बैठा हुआ है. ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

कोरोना के दौरान कंपनियों ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी थी. आज भी कुछ कंपनियां ऐसा ही कर रही हैं. एक शख्स ने इस सुविधा का जितना ज़बरदस्त फायदा उठाया है, वो अंदाज़ वायरल हो गया. शायद ही किसी ने इस तरह घर से काम करने का लाभ उठाया होगा.

मस्त नदी में बैठकर किया वर्क फ्रॉम होम!

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बंदा किसी टूरिस्ट प्लेस पर है. जहां एक कैमरा नदी की ओर घूमता दिखाई दे रहा है. वहीं एक शख्स मजे से नदी के किनारे बैठकर लैपटॉप पर काम करते हुए दिखाई दे रहा है. वो नदी में ही बैठा हुआ है और अपना लैपटॉप एक बड़े से पत्थर पर रखा है. उसका ये रॉयल अंदाज़ देखकर लोगों ने उसे कहा है कि वो रिमोट वर्क का विजेता है.

शार्क से भरी लहरों में गिर गया शख्स, 20 घंटे से ज्यादा समय तक जूझता रहा

फिर भी बचने में हुआ कामयोब

कोई इंसान समुद्र की ठंडी लहरों में बहुत सारी शार्क के बीच रहते हुए कितने समय तक बच कर जिंदा रह सकता है? यह सवाल आपके लिए बहुत ही अजीब होगा, लेकिन जब आप इस सच्चे वाकिये को सुनेंगे, तो आपको इसका जवाब हैरान कर देगा. एक शख्स के साथ हुए यकीन ना कर पाने वाले अनुभव में एक अजीब हादसा हुआ, जब वे अनजाने में जहाज से गिर कर शार्क से भरे समुद्र की लहरों में पहुंच गया और वह किसी तरह से 20 से अधिक घंटों तक खुद को बचाने पाया. आखिर कर एक दूसरे जहाज से उसे बचा लिया गया. सोशल मीडिया पर लोग इस कहानी को खूब देख रहे हैं.

याद नहीं कैसे गिरे

जेम्स माइकल ग्रिम्स एक क्रूज शिप पर एयर गिटार प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे. अगले ही पल वह बर्फीले पानी में थे और उसे याद नहीं था कि वह वहां कैसे पहुंचे. 28 ,साल के ग्रिम्स का दावा है कि निश्चित रूप से वह नशे में नहीं थे. लेकिन चमत्कारिक रूप से मैक्सिको की खाड़ी की शार्क से भरी लहरों में 20 घंटे से अधिक समय तक जिंदा रहे, आखिरकार उन्हें समुद्र से नग्न अवस्था में और "मृत्यु से कुछ सेकंड पहले" निकाला गया.

12 घंटे बाद लापता होने की सूचना

जेम्स के परिवार ने सोचा कि वह अपने केबिन में सो रहे हैं, जेम्स इसके बजाय अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहे थे, शिकारियों को लात मार रहे थे और तैरते हुए बांस को चबा रहे थे. हैरानी की बात ये है कि न्यू ऑरलियन्स से मैक्सिको की यात्रा कर रहे कार्निवल वैलोर लाइनर के किनारे से गिरने के 12 घंटे बाद तक उसके लापता होने की सूचना भी नहीं दी गई. उन्होंने कहा कि उन्हें याद है कि गायब होने से पहले उन्होंने अपनी बहन से कहा था कि वे शौचालय जा रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें नाव से गिरने की कोई याद नहीं है. लेकिन वो नशे में नहीं थे. अलबामा के जेम्स ने 20 घंटे पानी में तैरते हुए बिताए, फिर उन्हें एक टैंकर जहाज दिखा।

दो गधों को लेकर गली-गली क्यों घूम रहे ये पूर्व आईएएस अधिकारी?

लोगों ने पूछी वजह... तो मिला गजब जवाब

हरियाणा के पूर्व आईएएस और फरीदाबाद के पूर्व डीसी प्रवीण कुमार को आखिर क्या जरूरत पड़ी कि वह दो गधे लेकर सड़कों-गलियों में घूमते दिखाई दे रहे हैं. फरीदाबाद की बड़खल विधानसभा में जब वह दो गधों के साथ दिखे तो लोग हैरान रह गए. पूछने पर अनोखी वजह पता चली. उनका मानना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने आचरण और विचारों पर नियंत्रण खोते जा रहे हैं. लोगों को इन गधों के माध्यम से वह एक खास संदेश देना चाहते हैं। आगे बताया कि लोग अपनी मानसिकता को ठीक करें. पूर्व अफसर ने बताया कि वह 2001 बैच के आईएएस अफसर हैं. हरियाणा कैडर में कई साल सेवाएं दे चुके हैं. अपने अनोखे अंदाज के कारण वह अक्सर लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहते थे. रिटायर होने के बाद भी उनके अंदाज में कोई कमी नहीं आई है. पूर्व आईएएस अधिकारी प्रवीण कुमार अब लोगों को जागरूक करने के लिए गधों का सहारा लेते दिख रहे हैं, जो हैरानी का कारण भी है। वह बड़खल विधानसभा में गली-गली गधों के साथ घूमते हैं और लोगों को मैसेज देते नजर आते हैं. वह कहते हैं कि लोग इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में जीने के वास्तविक तरीके को भूलते दिखाई दे रहे हैं. अपने निजी स्वार्थ के चलते एक दूसरे के शोषण पर उतारू हैं. देश ने आविष्कार के नाम पर भले ही चांद पर पहुंचने का काम किया हो, लेकिन लोगों के आचरण अब मलिन होते जा रहे हैं.

मराठा आरक्षण कार्यकर्ताओं ने शरद पवार की राकांपा के प्रदेशाध्यक्ष को घेरा

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण के कार्यकर्ताओं ने राकांपा-एसपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल से मुलाकात की। कार्यकर्ताओं ने उनसे आरक्षण को लेकर पार्टी का रुख पूछा। रविवार को बदनापुर में राकांपा-एसपी के शिवराज्य यात्रा के दौरान मराठा आरक्षण कार्यकर्ताओं ने जयंत पाटिल से मुलाकात की। इस दौरान पाटिल के साथ लोकसभा सांसद अमोल कोल्हे और विधायक राजेश टोपे भी मौजूद थे। कार्यकर्ता चाहते थे कि जयंत पाटिल आरक्षण के मुद्दे को लेकर पार्टी के रुख पर बयान दें। घनस्वांगी में भी राकांपा-एसपी नेता को इसी तरह के घटना को सामना करना पड़ा था। बता दें कि महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन का नेतृत्व मनोज जरांगे कर रहे हैं। भोकरदन में यात्रा के दौरान कई लोगों ने नारेबाजी भी की थी। उन्होंने पाटिल को बोलने का भी मौका नहीं दिया। पाटिल ने अपना संबोधन यह कहते हुए समाप्त किया कि टोपे उनसे अच्छा बोलते हैं और उन्हें (जयंत) इसमें कुछ भी कहने की आवश्यकता नहीं है। इसी के साथ उन्होंने भीड़ को अनुशासनहीनता के लिए चेतावनी भी दी।

बिल्डिंग से एसी गिरा युवक की मौत

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के करोल बाग इलाके में एक बिल्डिंग की दूसरी मंजिल से एयर कंडीशनर यूनिट गिरने से एक युवक की मौत हो गई। एक घायल है। घटना शनिवार (17 अगस्त) को शाम लगभग 7 बजे की है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर अब सामने आया है। वीडियो में दिखा कि एक लड़का बिल्डिंग के नीचे स्कूटी पर बैठा था। बगल में उसका एक दोस्त खड़ा था। दोनों बातचीत कर रहे थे। फिर दोनों ने एक दूसरे को गले लगाया। तभी अचानक स्कूटी सवार युवक के सिर पर एसी की आउटडोर यूनिट गिर गई।

मुख्य आरोपी मिहिर शाह ने हाईकोर्ट में दायर की याचिका, तत्काल रिहाई की मांग की

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई हिट एंड रन मामले में मुख्य आरोपी मिहिर शाह ने बंबई उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। जिसमें उसने दावा किया है कि उसे गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लिया गया। उसने तत्काल रिहाई की मांग की।

नौ जुलाई को हुई थी मिहिर की गिरफ्तारी

मिहिर ने मुंबई के वर्ली इलाके में कथित तौर पर अपनी बीएमडब्ल्यू कार एक दोपहिया वाहन से टकरा दी थी। जिसमें एक महिला कावेरी नखवा (45 वर्षीय) की मौत हो गई थी। जबकि उनके पति प्रदीप घायल हो गए थे। घटना के दौ दिन बाद नौ जुलाई को मिहिर को गिरफ्तार किया गया था।

मामले पर बुधवार को होगी सुनवाई

उच्च न्यायालय में पिछले हफ्ते दायर अपनी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में मिहिर ने कहा कि उसकी हिरासत अवैध है और उसे तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और मंजुषा देशपांडे की पीठ बुधवार को सुनवाई करेगी। मिहिर पर आरोप है कि उसने दुर्घटना के बाद तेज रफ्तार से बांद्रा-वर्ली समुद्री लिंक की ओर वाहन दौड़ाया, जबकि महिला कार के बोनट पर पड़ी रही। पुलिस के मुताबिक, मिहिर उस समय शराब के नशे में था और घटना स्थल से फरार हो गया था।

आरोपी के पिता को मिल चुकी जमानत

मिहिर शाह, उसके पिता राजेश शाह और उसके चालक राजऋषि बिदावत को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। जहां राजेश को जमानत मिल गई है। वहीं, मिहिर शाह और बिदावत अभी न्यायिक हिरासत में हैं।

वायनाड लैंडस्लाइड, राहत के पैसे ईएमआई में काट रहा बैंक

सरकार ने इमरजेंसी फंड के तौर पर 10 हजार रुपए दिए थे, सीएम बोले-लोन माफ करें

तिरुवनंतपुरम, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में 29 जुलाई को हुई लैंडस्लाइड की घटना के बाद राहत का काम अभी भी जारी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, केरल सरकार ने लैंडस्लाइड प्रभावित लोगों को फौरी राहत के तौर पर 10-10 हजार रुपए बैंक अकाउंट में डाले थे। लोगों का आरोप है कि केरल ग्रामीण बैंक उनके अकाउंट से लोन के ईएमआई काट रहा है। बैंक के इस एक्शन पर वायनाड में आपदा प्रभावित लोग नाराज हैं।

कलपेट्टा में लोगों और राजनीतिक दलों ने बैंक के सामने प्रदर्शन किया। इस पर बैंक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी लोगों को लिखित में कहा कि वे अब और लोन की ईएमआई नहीं काटेंगे। लोगों का कहना है कि हमारा घर, जमीन और सब कुछ आपदा में तबाह हो गया। अब हम बैंक की किश्त कहां से भरें। सरकार ने थोड़ी मदद की,

वो भी बैंक लोन की किश्त में कट रहा है। अब तो पेट पालना भी मुश्किल हो गया है। केरल के सीएम पी विजयन ने भी स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) की बैठक के दौरान ईएमआई काटे जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने बैंकों से कहा कि लोगों का सब कुछ बर्बाद हो चुका है। लोन बंद कर देने चाहिए। इससे बैंक पर बहुत बोझ नहीं पड़ेगा।

ग्रामीण बैंक को काटा गया पैसा वापस करने का निर्देश

लैंडस्लाइड प्रभावित लोगों के बैंक खातों से लोन की ईएमआई काटे जाने पर स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी के जनरल मैनेजर केएस प्रदीप ने कहा कि मैंने ग्रामीण बैंक के प्रमुख से इस विषय पर बात की। उन्होंने बताया कि लोन की ईएमआई काटने का ऑर्डर आपदा से पहले ही दे दिया था। अब वायनाड के डिप्टी कलेक्टर ने ग्रामीण बैंक को पैसे को वापस करने का निर्देश दिया है।

हादसे में 400 से ज्यादा लोगों की मौत, मोदी और राहुल पहुंचे थे

वायनाड में 29 जुलाई को हुई लैंडस्लाइड में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अब भी 138 से ज्यादा लोग लापता हैं। राहुल और प्रियंका गांधी 1 अगस्त को वायनाड पहुंचे थे। राहुल ने कहा था कि कांग्रेस यहां पीड़ितों के लिए 100 घर बनाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को यहां आए थे। पीड़ितों से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम पिनाराई विजयन और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पीएम ने कहा- ये त्रासदी सामान्य नहीं हैं। सैकड़ों परिवार के सपने उजड़ गए। प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। वायनाड, केरल के नॉर्थ-ईस्ट में है। यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका है।

सोनीपत में मुख्यमंत्री के ओएसडी के भाई पर जानलेवा हमला

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

सोनीपत, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सोनीपत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी वीरेंद्र चोटीवाला के भाई जयदेव पर अज्ञात बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने लूट के इरादे से जयदेव पर चाकुओं से दर्जनभर वार किए। इस घटना ने सोनीपत में खलबली मचा दी है। हालांकि, जयदेव की हालत अब सामान्य है और उसे अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। सोनीपत पुलिस के अनुसार, देर रात बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने बहालगढ़ खेवड़ा रोड पर करियाणा स्टोर चलाने वाले जयदेव पर हमला किया। बदमाशों ने जयदेव के बैग को लूटने के मकसद से ताबड़तोड़ चाकुओं के वार किए।

जयदेव ने बहादुरी दिखाते हुए अपना बैग छोड़ने से इंकार कर दिया और बदमाशों का सामना किया, जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता रविंद्र कुमार के अनुसार, जयदेव ने शिकायत दर्ज कराई है कि अज्ञात हमलावरों ने लूटपाट के उद्देश्य से उस पर चाकुओं से हमला किया। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। इस घटना ने सोनीपत में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'शेख हसीना की तरह कर्नाटक के गवर्नर को भी भागना पड़ेगा...'

कांग्रेस नेता इवान डिसूजा का विवादित बयान

बैंगलूरू, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ एमयूडीए मामले में जांच के आदेश के बाद कर्नाटक में कांग्रेस कार्यकर्ता, नेता और विधायक राज्यपाल थावरचंद गहलोत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. आलम ये है कि पार्टी के एक एमएलसी ने यहां तक चेतावनी दे दी कि अगर राज्यपाल अपना आदेश वापस नहीं लेते हैं तो उन्हें शेख हसीना की तरह, कर्नाटक से भागना पड़ेगा। कांग्रेस एमएलएसी इवान डिसूजा ने बांग्लादेश का हवाला दिया, जहां पीएम शेख हसीना को अपना पद और देश छोड़ना पड़ा. उन्होंने ऐलान किया कि वे अगली बार विरोध प्रदर्शन के लिए सीधे गवर्नर ऑफिस जाएंगे. ठीक वैसे ही जैसे बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी पीएम हाउस में प्रवेश कर गए और पीएम को अपना घर, पद और देश छोड़ना पड़ गया. दरअसल, राज्यपाल ने सीएम के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें जमीन की हेराफेरी का कुछ मामला है. कांग्रेस एमएलसी ने कहा, अगर राज्यपाल ने अपना आदेश वापस नहीं लिया या राष्ट्रपति ने उन्हें वापस लेने के लिए नहीं कहा, तो बांग्लादेश जैसा ही हश्र होगा जहां प्रधानमंत्री को देश छोड़कर भागना पड़ा, और यहां कर्नाटक में राज्यपाल को भागना पड़ेगा, और ये कि, अगला विरोध राज्यपाल कार्यालय चलो है। सिद्धारमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दिए गए जांच के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है. एक रिट याचिका में, उन्होंने जांच के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि यह निर्णय राजनीति से प्रेरित और अन्यायपूर्ण हैं. उन्होंने अपनी बेगुनाही पर जोर दिया और कहा कि उनके 40 साल के राजनीतिक करियर में भ्रष्टाचार का कोई इतिहास नहीं है।

'उंगली तोड़ने की करनी होगी व्यवस्था'

ममता के मंत्री बोले, उधर सीएम पर पोस्ट लिखने वाली छात्रा गिरफ्तार

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना के विरोध में देशभर में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं. विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के छात्र और डॉक्टर आज भी प्रदर्शन कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर भी लोग प्रमुखता से अपनी आवाज उठा रहे हैं। दूसरी तरफ कोलकाता पुलिस घटना के संबंध में कथित तौर पर गलत सूचना पोस्ट करने के आरोप में कई लोगों को नोटिस भेज रही है, जिसमें टीएमसी के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रे का नाम भी शामिल है।

ममता के मंत्री के बिगड़े बोल

इन सबके बीच बंगाल सरकार पर लगातार उठ रहे सवालों को लेकर पश्चिम बंगाल के मंत्री उदयन गुहा भड़क गए हैं. उन्होंने कूच बिहार में एक विवादित बयान देते हुए कहा है कि जो लोग ममता बनर्जी के ख़िलाफ उंगली उठा रहे हैं उनकी उंगली तोड़ने का बंदोबस्त करना होगा।

पीड़िता के वकील ने उठाए गंभीर सवाल

उदयन गुहा ने कहा, 'जो लोग सोशल मीडिया में ममता बनर्जी के खिलाफ़ अपशब्द कह रहे हैं और जो लोग उंगली उठाकर ममता बनर्जी का इस्तीफ़ा मांग रहे हैं, उन उंगलियों की पहचान कर उनको तोड़ने का बंदोबस्त करना होगा नहीं तो ये लोग बंगाल को बांग्लादेश बनाने की कोशिश करेंगे. उन्हें नहीं पता हसीना ने जो गलती की ममता बनर्जी ने वो गलती नहीं की है. अस्पताल में तोड़फोड़ के बावजूद ममता बनर्जी ने गोली नहीं चलवाई।'

छात्रा को किया अरेस्ट

वहीं कोलकाता पुलिस ने एक कॉलेज छात्रा को गिरफ्तार किया है जिस पर सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने का आरोप लगा है. 23 वर्षीय छात्रा को सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ "आपत्तिजनक टिप्पणी" पोस्ट करने और कथित तौर पर बलात्कार पीड़िता की पहचान का खुलासा करने के लिए तलतला पुलिस स्टेशन ने गिरफ्तार किया है. तलतला पुलिस स्टेशन में एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी छात्रा ने आरजी कर अस्पताल में हुई घटना से संबंधित तीन इंस्टाग्राम स्टोरी अपने अकाउंट पर अपलोड की हैं, जिसमें पीड़ित महिला की तस्वीर और पहचान का खुलासा किया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 20 अगस्त, 2024

सुविचार

अपने मन को काबू में रखें। जिस व्यक्ति ने मन पर काबू पा लिया वह बेकार की चिंताओं और इच्छाओं से दूर रहता है। साथ ही अपने लक्ष्य की प्राप्ति पर ध्यान रखता है।

राज्यपाल ने डॉ.एम.एस. गौड़ द्वारा लिखित पुस्तक माइल्स ऑफ स्माइल्स का विमोचन किया

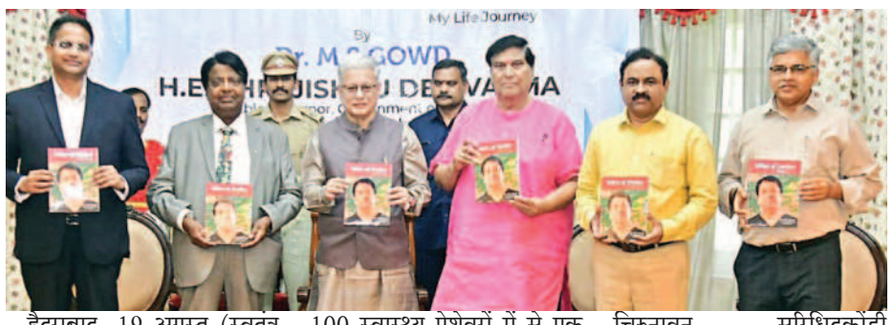

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के राज्यपालों के दंत चिकित्सक और भारतीय प्रोस्थोडॉन्टिक सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष प्रो.डॉ.एम.एस. गौड़ हैदराबाद के राजभवन में अपनी नवीनतम पुस्तक माइल्स ऑफ स्माइल्स का विमोचन करने वाले हैं। इस समारोह में तेलंगाना राज्य के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा भी शामिल होंगे। डॉ.एम.एस. गौड़ एक प्रतिष्ठित दंत चिकित्सक हैं, जिन्हें 2013 में कैम्ब्रिज के अंतर्राष्ट्रीय जीवनी केंद्र (आईबीसी) द्वारा दुनिया के शीर्ष 100 स्वास्थ्य पेशेवरों में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी। 50 से अधिक वर्षों के असाधारण अभ्यास के साथ, वे दंत चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों में कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री, डेंटल लेजर और डेंटल इम्प्लांट की शुरूआत की और डेंटल केयर में क्रांति लाना जारी रखा। डॉ. गौड़ ने पांच अलग-अलग भाषाओं में आठ किताबें प्रकाशित की हैं, जो लोगों को मौखिक स्वास्थ्य, दंत समस्याओं और उपचार के तरीकों के बारे में शिक्षित करती हैं। तेलुगु में उनकी पहली किताब, मी चिरुनावुनु सरिधिदुकोंडी (1997), दंत स्वास्थ्य को आम जनता के लिए सुलभ बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। तब से, उन्होंने हिंदी, उर्दू, तमिल और अंग्रेजी में इसी तरह की रचनाएं लिखी हैं, जो आधुनिक दंत चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाती हैं। इस विरासत को जारी रखते हुए, उनकी नवीनतम पुस्तक "माइल्स ऑफ़ स्माइल्स" उन्नत दंत चिकित्सा देखभाल और प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पीढ़ियों के लिए मुस्कान सुनिश्चित करने के उनके दर्शन को दर्शाती है। 1984 में कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री की शुरूआत करने से लेकर 1990 में डेंटल लेजर, 1998 में डेंटल इंप्लांट और 2015 में क्लियर एलाइनर्स के इस्तेमाल में अग्रणी होने तक, डॉ. गौड़ के नवाचारों ने इस क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। पुप्पलागुडा में हाल ही में हाई-टेक सुविधा का उद्घाटन इस प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एक बेहद कुशल इंप्लांटोलॉजिस्ट, डॉ. विकास गौड़ डेंटल इंप्लांट्स स्कूल के प्रमुख हैं, जो युवा पेशेवरों को नवीनतम तकनीकों में प्रशिक्षण देते हैं। अत्याधुनिक इंप्लांट तकनीक में उनकी विशेषज्ञता और दंत उत्कृष्टता के प्रति उनके समर्पण ने डॉ. गौड़ डेंटल हॉस्पिटल्स को इस क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। डॉ.एम.एस. गौड़ और डॉ. विकास गौड़ मिलकर दंत चिकित्सा देखभाल में मानक स्थापित करना जारी रखते हैं, मौखिक स्वास्थ्य की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और जीवन भर चलने वाली मुस्कान सुनिश्चित करते हैं।

नागराजू मदिराला को केंद्रीय वित्त मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के पूर्व छात्र व आईएएस नागराजू मदिराला को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है। उन्होंने 1988-90 के दौरान यूओएच से दर्शनशास्त्र में एमए पूरा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में अपने प्रवास के दौरान यूओएच छात्र संघ के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। 2019 में, नागराजू ने यूओएच में पूर्व छात्र वक्ता श्रृंखला के हिस्से के रूप में 1990 के दशक के आर्थिक सुधारों पर एक व्याख्यान दिया। नागराजू नवंबर 2020 से भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के तहत अतिरिक्त सचिव हैं। इससे पहले वे लगभग नौ महीने तक मंत्रालय में संयुक्त सचिव रहे थे। उन्होंने सार्वजनिक व्यवस्था, राजस्व एवं विकास प्रशासन, जनजातीय विकास, वित्त, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध, उद्योग एवं वाणिज्य, स्वास्थ्य सेवा और राज्य वित्त के क्षेत्रों में राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य किया। 2004-08 के दौरान, उन्होंने जापान/उत्तरी अमेरिका में निदेशक के रूप में और विश्व बैंक प्रभागों में वित्त मंत्रालय, आर्थिक मामलों के विभाग में कार्य किया। इसके बाद, उन्होंने 2008 से 2012 तक वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक में कार्यकारी निदेशक के सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने 2005 में व्यापार वार्ता पर हार्वर्ड विश्वविद्यालय में कार्यकारी शिक्षा पूरी की। वे 2012-13 में एक वर्ष के लिए अमेरिका के पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय में विजिटिंग फेलो, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडी ऑफ इंडिया और 2018-19 में स्टोनहिल कॉलेज में विजिटिंग रिसर्च स्कॉलर थे।

एकीकृत आवासीय विद्यालयों के लिए स्थल अधिग्रहण में तेजी लाएं

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को तेलंगाना राज्य के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में एकीकृत आवासीय विद्यालय भवनों के लिए स्थलों के अधिग्रहण के लिए संबंधित जिला कलेक्टरों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया है। आवासीय विद्यालयों के लिए डिजाइन भी तैयार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 5,000 करोड़ रुपये की लागत से 30 क्षेत्रों में 120 आवासीय विद्यालय भवनों के निर्माण के लिए आवश्यक सभी उपाय इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान किए जाने चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ सोमवार को यहां सचिवालय में एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को एकीकृत आवासीय विद्यालयों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 25 एकड़ तथा शहरी क्षेत्रों में 10 से 15 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने के निर्देश दिए। भट्टी ने कहा कि सरकार ने आठ माह में भवनों का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस शैक्षणिक वर्ष में एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में प्रवेश शत-प्रतिशत पूरा किया जाए। सरकारी छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों के सभी विद्यार्थियों को चारपाई उपलब्ध कराने का ब्यौरा लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी 1029 एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध चारपाई, बिस्तर, चादरों की संख्या की सूची प्रस्तुत की जाए तथा कितने और की आवश्यकता है, इस पर प्रस्ताव भेजा जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावों की जांच के बाद धनराशि जारी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि शौचालय, स्नानघर, बहता पानी, बिजली, छात्रावास के कमरों के लिए दरवाजे और खिड़कियां, खिड़कियों के लिए मच्छरदानी जैसी सभी सुविधाएं अनिवार्य रूप से प्रदान की जानी चाहिए और इन सभी सुविधाओं को शामिल करके एक चेकलिस्ट तैयार की जानी चाहिए और इसे हर छात्रावास में प्रदर्शित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालय भवनों के मालिकों के लिए किराये की राशि जल्द ही जारी की जाएगी, लेकिन मालिकों को भी मानदंडों के अनुसार छात्रों के लिए सभी सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने विदेश में अध्ययनरत छात्रों को विदेशी छात्रवृत्ति की दूसरी किस्त तुरंत जारी करने के बारे में मंत्री पोन्नम प्रभाकर की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अधिकारियों से एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक विभाग में लंबित विदेशी छात्रवृत्ति की सूची देने को कहा।

उन्होंने कहा, "विदेशी छात्रवृत्ति हर साल निर्धारित अवधि के भीतर जारी करवाना अधिकारियों की जिम्मेदारी है, ताकि विदेश में पढ़ने वाले छात्रों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।" उन्होंने घोषणा की कि इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान 800 बीसी छात्रों, एससी, एसटी और अल्पसंख्यकों के 500-500 छात्रों को विदेशी छात्रवृत्ति स्वीकृत की जाएगी। हाल ही में जगित्याल जिले के मेटपल्ली मंडल में पेद्दापुर आवासीय विद्यालय का दौरा करने वाले भट्टी ने आवासीय विद्यालय सचिव रामनकुमार से वहां सुविधाओं में सुधार के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछा और कहा कि छात्रों को युद्ध स्तर पर खाट, बिस्तर उपलब्ध कराए जाएं।

अभिषेक सिंघवी ने तेलंगाना से राज्यसभा के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने तेलंगाना से राज्यसभा सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपा दास मुंशी, मंत्रियों, विधायकों और पार्टी नेताओं के साथ अभिषेक सिंघवी ने सोमवार को विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर को अपना नामांकन पत्र सौंपा। नामांकन पत्रों के कुल चार सेट दाखिल किए गए बीआरएस नेता केशव राव के राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने और कांग्रेस में शामिल होने के कारण उपचुनाव हुआ है। कार्यकाल में दो साल शेष रहने पर उपचुनाव 3 सितंबर को होगा। हालांकि, चुनाव महज औपचारिकता लग रहा है, क्योंकि विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस मुकाबले से दूर हैं। जल्द ही सिंघवी को तेलंगाना राज्य से राज्यसभा के लिए निर्विरोध घोषित किया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए सिंघवी ने तेलंगाना से राज्यसभा के लिए मनोनीत होने पर खुशी जताई और कहा कि वह संसद और अदालतों में तेलंगाना के अधिकारों के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। इससे पहले, बड़ी संख्या में मंत्री और पार्टी विधायक विधानसभा परिसर स्थित कांग्रेस विधायक दल कार्यालय में एकत्र हुए, जहां से मुख्यमंत्री नेताओं को निर्वाचन अधिकारी के कक्ष में ले गए।

जन शिकायतों को त्वरित गति से निस्तारित करने के निर्देश

प्रजावाणी में 95 लोगों ने दिए आवेदन

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर शशांक ने संबंधित अधिकारियों को सार्वजनिक जन कार्यक्रम में आने वाली समस्याओं को प्राथमिकता देने तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये है। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के समवेषा मंदिर में आयोजित सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम के तहत जिला कलेक्टर शशांक, अपर कलेक्टर भूपाल रेड्डी सहित डीआरओ संगीता ने अपनी समस्याएं बताने आए लोगों से शिकायतें प्राप्त की। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जिले के अधिकारी प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले लोक रेडियो कार्यक्रम में विभागों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित उत्तर देकर समस्याओं के निराकरण को प्राथमिकता दें। अधिकारियों को आवेदनों को लंबित न रखते हुए समय-समय पर परीक्षण कर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये गये। आज आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल (95) शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनके निराकरण हेतु तत्काल उचित कार्यवाही किये जाने का सुझाव दिया गया है। एकीकृत जिला कार्यालयों के परिसर के विभिन्न विभागों में कार्यरत सभी कर्मचारियों को प्रतिदिन कार्यालय कर्तव्यों के लिए समय पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

कार से 28 लाख की चोरी करने वाले गिरफ्तार

4 लोगों को किया गया अरेस्ट

मंचेरियल, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बेल्लमपल्ली में हैदराबाद की एक कंपनी की खड़ी कार से 28 लाख रुपये की नकदी चोरी करने के आरोप में 4 लोगों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 24 लाख रुपये की नकदी, चार मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। गिरफ्तारियों का ब्यौरा देते हुए रामागुंडम के पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवासुलु ने कहा कि कार चालक पातालवथ दासू, एक अन्य कार चालक जोगु उर्फ पोथुला शिवा, निजी कर्मचारी मुप्पुरू राज (तीनों ही हैदराबाद के अट्टापुर के निवासी हैं) और बेल्लमपल्ली निवासी डिलीवरी बॉय पंडुगा राज को बेल्लमपल्ली में एक वाहन में संदिग्ध अवस्था में घूमते समय गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान दासू ने कबूल किया कि उसने तीनों के साथ मिलकर गिरोह बनाकर जल्दी से जल्दी पैसे कमाने के लिए अपराध किया था।

उसने कबूल किया कि जब वह शिकायतकर्ता बिपिन कुमार के साथ ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था, तब उसने कार की डुप्लीकेट चाबी बनाई थी और मंदिरों में रहकर मंचेरियल से अपनी कंपनी के प्रतिनिधियों का पता लगाया था। दासू ने खुलासा किया कि 17 अगस्त को जब प्रतिनिधि बिल जमा करने में व्यस्त थे, तब कार बेलमपल्ली के बाजार इलाके में खड़ी थी, तभी वे नकदी से भरा बैग चुराने में कामयाब हो गए। उसने पुलिस को बताया कि नकदी लेकर भागने के बाद वे बेलमपल्ली के बाहरी इलाके के जंगलों में छिपे हुए थे।

समाचार छवियों में मजबूत भावनाएं जगाने की क्षमता :पोंगुलेटी

मंत्री ने फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि समाचार छवियों में शब्दों की तुलना में मजबूत भावनाएं पैदा करने और लोगों को तेजी से प्रभावित करने की शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि फोटो पत्रकारिता आज के समाचार चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और अखबारों के पन्नों पर फोटो की कमी प्रकाशन को नीरस और अनाकर्षक बना देती है। 185वें विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर, तेलंगाना राज्य फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने सोमवार को देसोधाराका भवन, बशीर बाग, हैदराबाद में एक राज्य स्तरीय समाचार फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी, तेलंगाना राज्य श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष के. विरहत अली, महासचिव के. रामनारायण, भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय सचिव वाई. के साथ किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि प्रेस में समाचारों को भुला दिए जाने के लंबे समय बाद, तस्वीरों में भविष्य की पीढ़ियों को पिछली घटनाओं के बारे में शिक्षित करने की क्षमता होती है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज में अहम भूमिका निभाते हैं। पत्रकार और फोटो जर्नलिस्ट समाचार और छवियों को उच्चतम पत्रकारिता मानकों पर रखकर सच्चाई बताने का प्रयास करते हैं। के. श्रीनिवास रेड्डी ने विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर समाचार फोटो प्रतियोगिता के परिणाम प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदर्शनी में पिछले वर्ष की सर्वश्रेष्ठ और सबसे महत्वपूर्ण फोटो पत्रकारिता और वृत्तचित्र फोटोग्राफी का प्रदर्शन किया गया। हमारे राज्य के फोटो पत्रकारों को अपनी छवियों के माध्यम से हमारे आसपास की दुनिया को समझने में दृश्य पत्रकारिता के महत्व को दिखाने में उनकी प्रतिभा के लिए सराहना मिली है।

मंदिर से चढ़ावा चुराने के आरोप में गिरफ्तार

निर्मल, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले से एक 21 वर्षीय व्यक्ति, जो कथित तौर पर शराबी है, को गुरुवार रात बसर के श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम में चढ़ावे की चोरी करने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन, 6,000 रुपये और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने बताया कि आरोपी व्यक्ति निजामाबाद जिले के नवीपेट मंडल के नंदीगांव का साई कुमार है।

पूछताछ करने पर साई कुमार ने कथित तौर पर शराब खरीदने के लिए पैसे के लिए अपराध करना कबूल किया। उसने 15 अगस्त को मंदिर के एक हुंडियाल का ताला तोड़कर उसमें से 14,200 रुपये चुराने की बात स्वीकार की। अधीक्षक ने मंदिर के अधिकारियों को सुरक्षा खामियों को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मंदिर के परिसर में कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं और अधिकारियों से सीसीटीवी कैमरों को जोड़ने और एक नियंत्रण कक्ष बनाने के लिए कहा। उन्होंने घुसपैठियों के प्रवेश को रोकने के लिए खाली जगहों पर ग्रिल को मजबूत करने के लिए भी कहा।

कजाकिस्तान और भारत के बीच मजबूत कूटनीतिक संबंधों और बढ़ते व्यापारिक संबंधों पर चर्चा

कजाकिस्तान के मानद वाणिज्यदूत ने प्रयासों की अगुआई की

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए हैदराबाद में कजाकिस्तान गणराज्य के मानद वाणिज्यदूत महामहिम डॉ. नवाब मीर नासिर अली खान ने हैदराबाद के महेश्वरम में बीटीआर ग्रीन्स- एमएके प्रोजेक्ट्स में कजाकिस्तान के अस्ताना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष यूसुफ अलजावदर के साथ एक व्यावसायिक बैठक की मेजबानी की। बैठक के दौरान, यूसुफ अलजावदर ने अस्ताना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और टर्मिनल होल्डिंग्स यूएई के संचालन का संक्षिप्त विवरण दिया, जो विभिन्न देशों में 12 हवाई अड्डों का संचालन करता है। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप पनिकर और एयरो एंड कार्गो के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी आशीष कुमार ने भारत और विदेशों में अपने संचालन की जानकारी दी। बैठक में हैदराबाद, भारत और अस्ताना, कजाकिस्तान के बीच सीधी उड़ानें संचालित करने की संभावना पर चर्चा की गई। बैठक के बाद, हैदराबाद में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश, भारत के लिए कजाकिस्तान गणराज्य के मानद वाणिज्यदूत महामहिम डॉ. नवाब मीर नासिर अली खान ने यूसुफ अलजावदर के सम्मान में उनके निवास स्थान जानाडू में रात्रिभोज का आयोजन किया। रात्रिभोज में हैदराबाद में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ ओवेन, हैदराबाद में यूएई के महावाणिज्यदूत आरेफ अलनुई, मध्य एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के पूर्व निदेशक मोइन करीम हैदराबाद में कनाडा के उच्चायोग के कनाडा व्यापार आयुक्त विक्रम जैन, जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी आशीष कुमार, ज़ाइबर 365 के सीईओ और संस्थापक पर्ल कपूर आदि शामिल रहे। शाम में मेहमानों को कजाकिस्तान, भारत और मध्य पूर्व के बीच मौजूदा राजनीतिक स्थिति, निवेश और व्यापार के अवसरों पर चर्चा करने का एक मंच प्रदान किया गया। बातचीत दिलचस्प रही और मेहमानों ने संभावित सहयोग की खोज में गहरी दिलचस्पी दिखाई। इस कार्यक्रम ने कजाकिस्तान और भारत के बीच मजबूत कूटनीतिक संबंधों और बढ़ते व्यापारिक संबंधों पर प्रकाश डाला और भविष्य के सहयोग और साझेदारी का मार्ग प्रशस्त किया।

IN THE COURT OF HON'BLE 1st SENIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT :: AT: HYDERABAD
S.O.P NO 81 OF 2024

BETWEEN:
Devender Jhawar ...Petitioners
AND
1. IL & FS Securities Services Limited,
2. Central Depository Securities Ltd Office
3. All Concerned ...Respondents

Please take notice that the petitioners has filed Succession O.P vide SOP No 81 of 2024 on the file of Hon'ble Senior Civil Judge, City Civil Court, at Hyderabad to declare them as successors of Tara Devi Jhawar and Late. Srinivas Jhawar in Respect of below mention shares and the same is posted to 06-09-2024. Any persons having objections may appear before the above-named court at 10.30 am on the said date either in person or through an advocate, failing which the matter will be heard ex-parte and orders will be passed on merits. Hence this notice.

SCHEDULE OF SHARES

The total shares are of 150 companies having total share value of 48231507.22 in Demat Account with Depository Participants, M/s. IL & FS Securities Services Limited having demat account no. DP ID IN302871 Client ID 20112947.

//BY THE ORDER OF THE COURT//
Sd/-
NARAYANDAS JHAWAR
Advocate
Goshamahal, Hyderabad, Telangana.,
Cell: 9440009495, 9908336554

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस)
(भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान)
क्षेत्रीय केंद्र, चौथी मंजिल, श्रीकृष्ण देवराय तेलुगु भाषा निलयम, सुल्तानबाजार, कोटि, हैदराबाद - 500001, फोन: 040 - 24750712, 24752859, ईमेल: rhyderaba@nios.ac.in

विशेष ड्यूटी अधिकारी (ओएसडी) / शैक्षणिक सुविधाकर्ता (एएफ) / मूल्यांकनकर्ता / टीम लीडर की आवश्यकता है
(आवेदन और अन्य विवरण के लिए क्यूआरकोड स्कैन करें)

एनआईओएस तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य से कार्यरत/सेवानिवृत्त टीजीटी/पीजीटी और प्रवक्ता से माध्यमिक/ उच्च माध्यमिक/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के सभी विषयों के मूल्यांकनकर्ता/टीम लीडर, विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी)/शैक्षणिक सुविधाकर्ता (एएफ) के रूप में कार्य करने और अध्ययन केंद्रों/परीक्षा केंद्रों का दौरा करने के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी और आवेदन के लिए https://rchyderabad.nios.ac.in पर जा सकते हैं। **क्षेत्रीय केंद्र में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 04 सितंबर 2024 तक है।**

क्षेत्रीय निदेशक
(एनआईओएस)

डॉक्टर ने नर्स को बंधक बनाकर रेप किया

नर्स और वार्ड ब्वॉय ने कमरे में धकेलकर गेट बंद किया, तीनों गिरफ्तार-अस्पताल सील

मुरादाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद के एक प्राइवेट अस्पताल में नर्स के साथ हैवानियत की गई। अस्पताल के संचालक डॉक्टर ने रात 12 बजे नर्स को बुलाया। वार्ड ब्वॉय और नर्स उसे जबरन घसीटकर लाए और कमरे में ढकेल कर बाहर से कुंडी लगा दी। डॉक्टर ने कमरे में बंधक बनाकर 20 साल की नर्स के साथ रेप किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। डॉक्टर, वार्ड ब्वॉय और नर्स को गिरफ्तार कर लिया है। ठाकुरद्वारा एसडीएम मनी अरोड़ा स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ अस्पताल पहुंचीं। एबीएम अस्पताल को सील कर दिया है।

पति-पत्नी मिलकर चलाते थे अस्पताल

घटना ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र में ठाकुरद्वारा-काशीपुर रोड पर स्थित एबीएम अस्पताल की है। इसका संचालक बीएयूएमएस डिग्री धारी डॉ. शहनवाज है। उसकी पत्नी भी बीएयूएस है। दोनों मिलकर इस अस्पताल को चलाते हैं। अस्पताल के ऊपर ही डॉ. शाहनवाज का आवास है। पीड़िता डिलारी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 10 महीने से एबीएम अस्पताल में नर्स का काम करती है। शनिवार शाम करीब 7 बजे वो ड्यूटी करने के लिए अस्पताल गई थी। जहां हॉस्पिटल के संचालक डॉ. शाहनवाज ने बंधक बनाकर रेप किया। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी।

'बेटी को घसीटकर कमरे में ले गए'

पिता ने बताया, अस्पताल में तैनात पीड़िता की साथी नर्स मेहनाज ने साजिश के तहत उससे कहा कि डॉ. शाहनवाज उसे ऊपर अपने कमरे में बुला रहे हैं। बेटी ने कमरे में डॉक्टर के पास जाने से मना कर दिया। इसके बाद वार्ड ब्वॉय जुनैद और मेहनाज उसे जबरदस्ती घसीटकर कमरे में ले गए। उसे अंदर धक्का देकर कमरा बाहर से बंद कर दिया। डॉक्टर ने देर रात हैवानियत की। डॉक्टर ने जातिसूचक शब्द भी कहे।

रेप के बाद पीड़िता का मोबाइल भी छीना

रेप के बाद डॉक्टर ने पीड़िता का मोबाइल फोन भी छीन लिया। ताकि वो पुलिस को घटना की सूचना न दे सके। रविवार सुबह घर पहुंची पीड़िता ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस ने डॉ. शाहनवाज के खिलाफ रेप, एससी/एसटी एक्ट और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। जबकि नर्स मेहनाज और वार्ड ब्वॉय जुनैद के खिलाफ साजिश में शामिल होने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। एसपी ग्रामीण संदीप कुमार मीणा का कहना है कि मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

अफेयर में यूपी कैबिनेट मंत्री के ड्राइवर ने जान दी

बरेली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के ड्राइवर ने 17 अगस्त की रात बरेली में सुसाइड कर लिया। ड्राइवर राजवीर उर्फ कुंदन का शव पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बंद रूम में लटका मिला। पुलिस की जांच में सामने आया कि राजवीर की जान लव अफेयर में गई है। राजवीर के भाई धर्मवीर ने ज्योति नाम की लड़की के खिलाफ बाराबंकी की कोतवाली में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि ज्योति उसकी सारी कमाई ले लेती थी।

प्रयागराज में महिला से गैंगरेप

> जेठ तीन दोस्तों के साथ घर में घुसा, खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया
> विरोध पर प्राइवेट पार्ट में सरिया डाला

प्रयागराज, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज में महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। उसका आरोप है कि जेठ और उसके दोस्त रात में नशे में उसके घर में घुस आये। उसे जबरन उठाकर खेत में ले गए। वहां पर उसके साथ गैंगरेप किया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। शोर मचाने पर प्राइवेट पार्ट में सरिया डाल दिया। जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो वे उसे छोड़कर भाग निकले। महिला रात भर खेत में बेहोशी की हालत में पड़ी रही। सुबह लोगों ने देखा तो पुलिस और परिजन को सूचना दी। पुलिस उसे लेकर अस्पताल पहुंची। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर है। महिला के बयान पर केस दर्ज कर आरोपी जेठ को अरेस्ट कर लिया है। घटना रविवार को सरायममरेज इलाके की है। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया, सरायममरेज की रहने वाली एक महिला की शादी उतरांव में हुई है। हालांकि वह 2 महीने से अपने मायके सरायममरेज में आकर रह रही थी। महिला ने बताया, रविवार रात में वह घर में दूसरे कमरे में सो रही थी। उसका आरोप है कि उसका जेठ नशे की हालत में तीन दोस्तों के साथ उसके घर में घुस गया। उसके बाद उसे उठाकर खेत में ले गए। जहां पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। उसने जब विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की और प्राइवेट पार्ट में सरिया डाल दिया।

डफरिन अस्पताल में चल रहा इलाज

महिला जब बेहोश हो गई तो उसे छोड़कर भाग गए। सोमवार सुबह लोगों ने महिला को देखा तो पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद सरकारी एंबुलेंस से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां से रेफर किए जाने पर उसे एसआरएन अस्पताल ले आया गया जहां से मेडिकल के लिए उसे डफरिन अस्पताल में भेजा गया है। महिला का इलाज चल रहा है। उसकी हालत अभी गंभीर है।

बीजेपी विधायक की अफसर को धमकी...मुर्गा बना दूंगा

जूते की माला पहनाऊंगा, दिल्ली की जगह कानपुर में होते तो सीधा कर देता

कानपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कानपुर में भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी ने प्राइवेट कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर से लेकर सीईओ तक को धमकाया। कहा- तुम्हें मुर्गा बना दूंगा। पब्लिक के सामने ही कान पकड़वाकर जूते की माला पहना दूंगा। आपको लज्जा नहीं आती है। क्या आप सिर्फ मौत के सौदागर हैं। दिल्ली की जगह कानपुर में होते तो सीधा कर देता। सुधर जाओ...। दरअसल, बारिश से जूही-खलवा अंडरपास के नीचे पानी भर गया है। इसके चलते 3 दिनों से रास्ता बंद है। जलकल विभाग ने पानी निकालने का ठेका केआरएमपीएल कंपनी को दिया है, लेकिन मोटर खराब होने की वजह से कंपनी ने पानी नहीं निकलवाया। इसका पता चलते ही किदवई नगर से विधायक महेश त्रिवेदी कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। फिर जल निगम के दफ्तर पहुंच कर चीफ इंजीनियर एसके सिंह और एक्सईएन राम निवास जमकर धमकाया।

प्रयागराज महाकुंभ में 2500 करोड़ खर्च होंगे

75 दिन में 75 देशों के 25 करोड़ लोग आएंगे
2025 ट्रेनें, 10 हजार बसें चलेंगी

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा-यमुना- सरस्वती के संगम पर 13 जनवरी 2025 से शुरू होने वाले महाकुंभ में पांच महीने बचे हैं। यूनेस्को ने कुंभ मेले को 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' घोषित किया है। इस बार दुनियाभर के श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। अनुमान है कि 75 दिन चलने वाले महाकुंभ में 75 देशों के 25 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री पहुंचेंगे। प्रयागराज में 21वीं सदी का यह तीसरा महाकुंभ सबसे आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल के साथ सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत पेश करेगा। महाकुंभ में पहली बार महाराजा हर्षवर्धन की भी जानकारी दी जाएगी, जो महाआयोजन में अपना सब दान कर देते थे। इसकी जानकारी चीनी यात्री ह्वेन सांग ने भी अपने यात्रा वृतांत में दी थी। 12 साल बाद होने जा रहे महाकुंभ की तैयारी पर उत्तर प्रदेश सरकार 2500 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर रही है। महाकुंभ 2025 की थीम 'भव्य-दिव्य और नव्य महाकुंभ' होगी। इस बार सुरक्षा और सांस्कृतिक धरोहर के प्रदर्शन के लिए कई आधुनिक तकनीक और उपकरणों का इस्तेमाल होगा।

पटरी के टुकड़े को क्लैंप की मदद से ट्रैक पर बांधा, ट्रेन को पलटाने की थी साजिश!

कानपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस (19168) के बेपटरी होने की जांच जारी है। जांच में साजिश की आशंका जताई जा रही है। मौके पर मिले पटरी के टुकड़े और क्लैंप से ट्रेन हादसे के पीछे साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि एटीएस समेत कई जांच एजेंसियां साजिशकर्ताओं की तलाश में जुटी हैं।

साबरमती एक्सप्रेस (19168) के शुक्रवार देर रात पनकी क्षेत्र में बेपटरी होने के पीछे साजिश की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में एटीएस, पुलिस, आरपीएफ के साथ ही अन्य जांच एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं।

घटना की जांच के लिए करीब दो हजार लोगों के बयान लिए जाएंगे। इसमें यात्रियों के अलावा टीटीई, गार्ड, वेंडर, क्रॉसिंग के गेटमैन आदि शामिल हैं। साबरमती एक्सप्रेस गोविंदपुरी स्टेशन से होते हुए भीमसेन स्टेशन की ओर जा रही थी। पनकी क्षेत्र में रात के करीब ढाई बजे किसी चीज से टकराकर ट्रेन के इंजन सहित सभी 22 बोगियां बेपटरी हो गईं थीं। पास में पटरी का एक टुकड़ा और क्लैंप पड़ा मिला था।

फोरेंसिक टीम ने आशंका जताई थी कि इस पटरी के टुकड़े को क्लैंप की मदद से ट्रैक पर बांधा गया था। आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन को पलटाने की साजिश थी। हालांकि इस पर चढ़ने के बाद ट्रेन पटरी से उतर गई थी। पनकी पुलिस ने शनिवार देर रात सीनियर सेक्शन इंजीनियर महेंद्र प्रताप सिंह सिसोदिया की तहरीर पर अज्ञात पर रिपोर्ट भी दर्ज की थी। पनकी पुलिस ने शनिवार शाम और रविवार दोपहर तक घटनास्थल के नजदीक की इकाइयों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज हासिल किए हैं। फुटेज से संदिग्धों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन के यात्रियों समेत पूरे स्टाफ के बयान दर्ज करने के लिए निर्देशित किया है। ट्रेन में 1702 यात्री थे। पनकी पुलिस ने सोमवार को औद्योगिक इकाइयों के कुछ गार्ड समेत कई के बयान लिए हैं। घटनास्थल के ठीक सामने की एक फैक्ट्री के बाहर लगे कैमरे की फुटेज भी ली है। गोविंदपुरी स्टेशन के स्टाफ, रास्ते में पड़ने वाली रेलवे क्रॉसिंग के गेटमैन से भी जानकारी जुटाई जाएगी।

प्रयागराज एलआईयू ने की जांच

साबरमती हादसे की जांच के लिए रविवार दोपहर प्रयागराज से एलआईयू की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। उसमें शामिल स्टाफ ने ट्रैक पर काम कर रहे कर्मियों, स्टाफ, रेलवे इंजीनियर और औद्योगिक इकाइयों के गार्ड के बयान लिए। टीम गोविंदपुरी और सेंट्रल स्टेशन भी गई।

एटीएस ने भी किया मुआयना, मांगे फुटेज

एटीएस की टीम ने शनिवार शाम को हादसे वाले क्षेत्र का मौका मुआयना किया। ट्रैक को देखा और रेलवे अधिकारियों से बातचीत की। लोको पायलट और गार्ड से भी जानकारी जुटाई। एटीएस ने पनकी पुलिस से आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज मांगे हैं।

डिजिटल अरेस्ट के मास्टरमाइंड 12वीं पास

प्रयागराज पुलिस लग्जरी लाइफ देख दंग रह गई
13 हजार की टीशर्ट, 20 हजार के जूते पहने थे

प्रयागराज, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के जरिए 3 महीने में 1.5 करोड़ रुपए ठगने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। मास्टरमाइंड संदीप कुमार सेन और मो. साहिल की लाइफ स्टाइल देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। दोनों महंगे कपड़े, गैजेट के शौकीन हैं। दिल्ली के पहाड़गंज में दो-दो बार एंड रेस्टोरेंट खोल रखे थे। 80 हजार रुपए महीने पर 2 बाउंसर रखे थे। प्राइवेट सिक्योरिटी के बीच वो किसी बड़े कारोबारी की तरह लग्जरी लाइफ जी रहे थे।

संदीप कुमार सेन वर्साचे की टी-शर्ट का शौकीन है। अरेस्टिंग के दौरान करीब 13 हजार की टी-शर्ट पहन रखी था। उसके पास 10 से 15 हजार कीमत की कई शर्ट भी मिलीं। क्लाउड कंपनी के 5 जूते मिले। एक जोड़ी की कीमत 15 से 20 हजार रुपए है। फर्जी तरीके से लाखों की रकम ट्रांसफर कराने के बाद संदीप और साहिल सबसे महंगे शोरूम में पहुंचकर जूता खरीदते थे।

बुकिंग पर मंगवाते थे लग्जरी कार

दिल्ली में 55 हजार रुपए महीने का एक फ्लैट किराए पर लिया था। दोनों लग्जरी कार भी किराए पर मंगाते थे। शो ऑफ के लिए बाउंसर रखते थे। पूछताछ में सामने आया कि कपड़े और जूते के साथ उन्हें महंगी घड़ी और आईफोन का भी शौक था।

केशव मौर्य बोले-अखिलेश को रेपिस्ट का वकील बनना चाहिए

सपा प्रमुख का पलटवार-'उपमुख्यमंत्री' बेकाम, नाकाम; अब चुप रहेंगे या जवाब देंगे?

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और सपा प्रमुख अखिलेश के बीच तकरार जारी है। सोमवार को एक बार फिर केशव ने अखिलेश पर हमला बोला। केशव ने एक्स पर लिखा-राहुल गांधी के दरबारी अखिलेश यादव पूरी तरह बलात्कारियों के पैरोकार हो गए हैं। उन्हें राजनीति छोड़ बलात्कारियों का वकील बन जाना चाहिए। उन्होंने लड़कों से गलती हो जाती है कि यादें ताजा कर दिया। ढाई घंटे बाद अखिलेश ने पलटवार किया। कहा- उपमुख्यमंत्री बेकाम, नाकाम हैं। उनका काम सिर्फ स्तुतिगान करना है। अब चुप रहेंगे या जवाब देंगे?

अखिलेश बोले-उपमुख्यमंत्री सही काम नहीं कर रहे

अखिलेश ने एक्स पर कहा- कोई 'उप' डबल हार के 'उपहार' के बाद भी डबल इंजन का प्रशंसा-प्रमाणपत्र बांट रहे हैं। अगर माननीय सही काम कर रहे होते तो दो 'उप मुख्यमंत्री' की क्या जरूरत पड़ती। इसका मतलब या तो वो सही काम नहीं कर रहे हैं या फिर बाकी दो बेकाम हैं, नाकाम हैं। उनका काम सिर्फ दरबारी चारण की तरह स्तुतिगान करना है। अगर 'उप' सच में उपयोगी होते हैं, तो दिल्ली के मंडल में भी होने चाहिए थे। परंतु हैं नहीं! इसका जवाब देंगे 'उप' या रहेंगे 'चुप'?

अखिलेश ने क्यों बोला हमला?

दरअसल, केशव मौर्य ने रविवार को मिर्जापुर में सीएम योगी की तारीफ की थी। उन्होंने कहा- प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी जैसा कोई मुख्यमंत्री है क्या? हमारे मुख्यमंत्री की तुलना जब देश के और मुख्यमंत्रियों से होती है, तो हमें पीछे होना चाहिए कि सबसे आगे होना चाहिए? माना जा रहा है कि अखिलेश ने इस बयान लेकर भी डिप्टी सीएम पर हमला बोला।

केशव ने कल कहा था-अखिलेश गुंडे, अपराधियों का संरक्षण करते हैं

कल केशव ने अखिलेश पर परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टिकरण का आरोप लगाया था। कहा- अखिलेश गुंडे-अपराधियों का संरक्षण करते हैं। वो तुष्टिकरण की घटिया और घिनौनी राजनीति करते हैं। वो कभी पिछड़ों का भला चाहेंगे? वो तो उनके जन्म से दुश्मन हैं। उनकी पार्टी की साइकिल नहीं चलने वाली। वह वापस सैफई लौट जाएगी।

इसलिए अखिलेश से मोर्चा लेते हैं केशव...

अखिलेश जब भी सरकार पर कोई सवाल उठाते हैं तो उसका जवाब केशव मौर्य ही देते हैं। राजनीतिक जानकार बताते हैं- अखिलेश और केशव दोनों ही ओबीसी नेता हैं। इसलिए, अखिलेश का जवाब केशव मौर्य देते हैं। यूपी में करीब 40 से 45% के बीच पिछड़ा वोट बैंक है। दोनों नेताओं की इसी वोट बैंक पर नजर है।

नाबालिग छात्रा हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र में दलित नाबालिग लड़की के हत्यारोपी संजय राय को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद से ही वह अपने परिवार के साथ फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर एसएसपी राकेश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। इस टीम ने दर्जनों जगह पर छापेमारी की। वहीं, घटना से आक्रोशित बहुजन आर्मी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य आरोपी संजय राय के पड़ोस के घरों में रविवार को जमकर तोड़फोड़ की थी।

राज्यसभा जायेंगे उपेंद्र कुशवाहा

एनडीए ने किया एलान; 21 तारीख को करेंगे नामांकन

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उपेन्द्र कुशवाहा अब राज्यसभा जाएंगे। राष्ट्रीय लोकमोर्चा के मुताबिक़ एनडीए की तरफ से उपेंद्र कुशवाहा 21 अगस्त को 11 बजे नामांकन दाखिल करेंगे क्यों कि नामांकन दाखिल करने का यह आखिरी दिन है। उपेंद्र कुशवाहा एनडीए गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। कुछ दिन पहले ही एनडीए की तरफ से आधिकारिक रूप से उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेजने का एलान किया गया था। एक सीट के लिए उपेन्द्र कुशवाहा, जबकि दूसरी सीट पर भाजपा के उम्मीदवार होंगे। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से भाजपा के पूर्व सांसद आर के सिंह की संभावना बताई जा रही है। हालांकि बिहार भाजपा की प्रदेश इकाई ने दावेदारों के नाम को शार्टलिस्ट कर भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दी गई है। ऐसी संभावना है कि भारतीय जनता पार्टी अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा आज कर सकती है। उपेंद्र कुशवाहा लोकसभा चुनाव में काराकाट सीट से एनडीए के प्रत्याशी थे, जहां से उनके विरुद्ध भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह और वाम दल के राजाराम सिंह चुनाव लड़े थे।

प्रेमी के साथ मिलकर बड़ी मां ने किया था तीन साल की बच्ची का अपहरण, बंगाल में बेचने का था प्लान

बलिया, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बलिया जिले के सुखपुरा क्षेत्र के आसन गांव से तीन वर्षीय बालिका घर से गायब हो गई। इसकी सूचना परिजनों ने सुखपुरा पुलिस को दी। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर बालिका को 36 घंटे के अंदर शहर कोतवाली के तिखमपुर, रामदहीनपुरम स्थित आवास से रविवार की देर रात बरामद कर लिया। अपहरण की आरोपी बालिका की बड़ी मम्मी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। दोनों किराये का कमरा लेकर चोरी से यहां रहते थे। पैसों के लिए बालिका का अपहरण किया था और पश्चिम बंगाल में बेचने की फिराक में थे।

यह है पूरा मामला

17 अगस्त की शाम श्रीकृष्ण सिंह उर्फ अकलू सिंह निवासी आसन ने सुखपुरा थाने में तहरीर दी। आरोप लगाया कि उनकी तीन वर्षीय भतीजी अनुष्का स्व. अशोक सिंह सुबह से गायब है। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की। शक के आधार पर प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र प्रसाद सिंह ने बालिका की बड़ी मां सपना से भी पूछताछ की। उसने बताया कि घटना के दिन गाजीपुर में थी। जब उसके मोबाइल का लोकेशन देखा गया तो उसकी बात गलत निकली। उसके मोबाइल में एक युवक का फोटो भी मिला। जब लोकेशन चेक किया गया तो शहर कोतवाली के तिखमपुर में दिखा रहा था।

18 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली की उक्त बच्ची तिखमपुर में एक मकान में देखी गई है। पुलिस ने दबिश देकर एक युवक को गिरफ्तार किया और बच्ची को बरामद कर लिया। युवक ने अपना नाम मो. राजा पुत्र स्व. कासिम निवासी डोमनपुरा थाना सिकन्दरपुर बताया। राजा और सपना तिखमपुर एक मकान में पति-पत्नी की तरह रहते थे। दोनों के पास इस समय पैसा नहीं था। उन लोगों ने अपहरण की योजना बनाई थी कि बच्ची को पश्चिम बंगाल में बेच देंगे। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र प्रसाद सिंह, बेरुआरबारी चौकी प्रभारी अखिलेश नारायण सिंह आदि शामिल थे। थाना क्षेत्र के आसन गांव से बच्ची के अपहरण में उसकी बड़ी मां सपना व उसके प्रेमी राजा का हाथ था। राजा खुद को सपना का पति संतोष बता कर बलिया में एक किराये के मकान में रहता था, जबकि सपना का पति घर पर ही रहता है।

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के नेता पर हत्या का आरोप

75 लाख रुपये के लिए रेस्टोरेंट मालिक का हुआ मर्डर

खगड़िया, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के खगड़िया जिले में बीते 17 अगस्त को शहर के बीचो-बीच मथुरापुर केबिन ढाला के पास देर शाम शहर के एक मशहूर व्यवसाई को अपराधियों ने गोलियों से छलनी कर दिया था। जिसे अपराधियों ने कुल नौ गोलियां मारी थी। हालांकि सूचना मिलते ही खगड़िया पुलिस द्वारा घायल अवस्था में व्यवसाई को सदर अस्पताल पहुंचाया गया था। जहां से उसे बेहतर इलाज की लिए पटना के मेदांता हॉस्पिटल ले जाया गया। लेकिन दो दिन जिंदगी और मौत की जद्दोजहद में उसकी हार हो गई।

इधर, इस मामले में मृत व्यवसाई के पिता के लिखित आवेदन पर नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। जिसमे नगर थाना क्षेत्र निवासी जदयू नेता सह पूर्व मुखिया अशोक सिंह (पूर्व प्रदेश महासचिव, जदयू), उनका बेटा दीपक प्रकाश उर्फ टुकटुक और प्रीतम झा उर्फ विक्रम झा के अलावे विक्रम साह सहित तीन अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। आवेदन मृतक के पिता अधिवक्ता प्रेम प्रेम कुमार की तरफ से दी गई है। जिसमे जदयू नेता अशोक सिंह को हत्या का मुख्य साजिशकर्ता कहा गया है। इस संबंध में मृतक व्यवसाई के पिता की माने तो उनके पुत्र की हत्या जमीन कारोबार के कारण हुई है। पिता की माने तो उनका पुत्र ओर जदयू नेता का पुत्र साथ में जमीन खरीद फरोख्त कर काम करता था।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर की हत्या के पीछे मानव अंग की तस्करी का शक

> पूछताछ में मिले सुरागों ने सीबीआई को चौंकाया > पोस्टमार्टम रिपोर्ट के 5 बड़े खुलासे

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सीबीआई को अब तक की जांच और डॉक्टर के सहपाठियों के बयानों से पता चला है कि मानव अंगों के अवैध कारोबार से पर्दा उठाने की कोशिशें रोकने के लिए ट्रेनी डॉक्टर को रास्ते से हटाया गया। सीबीआई ने शनिवार को 13 लोगों से पूछताछ की। दो दिन में वह 19 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इसमें आधे से ज्यादा लोगों ने अस्पताल से मानव अंगों की तस्करी के रैकेट को लेकर जानकारी दी है। टीम का दावा है कि जल्द ही कई सफेदपोश चेहरे सामने आएंगे।

तीन डॉक्टर सहित चार लोगों पर सेक्स-ड्रग रैकेट चलाने का आरोप

एक राजनीतिक पार्टी के सीनियर नेता ने दावा किया है कि उनके पास डॉक्टरों के एक वॉट्सएप ग्रुप के स्क्रीनशॉट हैं, जिससे अस्पताल में सेक्स और ड्रग रैकेट का पता चलता है। इसमें एक अन्य पार्टी के सीनियर नेता और उनके भतीजे का जिक्र है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, इस सुराग के बाद पूछताछ में मेडिकल कॉलेज के चार लोगों के नाम सामने आए हैं। इनमें तीन डॉक्टर और एक हाउस स्टाफ है। दावा है कि ये चारों एक सियासी दल से जुड़े हैं और अस्पताल में सेक्स व ड्रग रैकेट चलाते थे। सीबीआई अधिकारी बताते हैं कि पुख्ता सबूत जुटाए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मेडिकल कचरे के निपटान, कुछ दवा और सामान की सप्लाई का काम प्रबंधन के करीबी को मिला था, पर शर्त अनुसार सप्लाई नहीं की जा रही थी। पीड़ित को इसकी भनक थी। अंदेशा है कि ये भी हत्या की एक वजह रही हो। अस्पताल के एक डॉक्टर का दावा है कि पीड़ित ने इसकी पहले स्वास्थ्य भवन में शिकायत की थी। हालांकि आरोपियों के रसूखदार होने से कार्रवाई नहीं हुई। ट्रेनी डॉक्टर सबूतों के साथ सोशल मीडिया पर पूरे मामले के खुलासे की योजना बना रही थी। 9 अगस्त को मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की बॉडी मिली थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके प्राइवेट पार्ट्स पर गहरा घाव था। गला घोंटने से थायरॉइड कार्टिलेज टूट गया। पेट, होंठ, उंगलियों और बाएं पैर पर चोट के निशान हैं। उनके चेहरे पर इतनी ताकत से मारा गया कि चश्मे का कांच टूटकर आंखों में घुस गया। इस केस में संजय रॉय नाम का एक आरोपी गिरफ्तार हुआ है। वह कोलकाता पुलिस में सिविक वॉलंटियर था।

मृतका के पिता बोले-घटना में पूरा विभाग शामिल

ट्रेनी डॉक्टर के पिता ने शनिवार (17 अगस्त) की रात बांग्ला मीडिया से कहा कि घटना में पूरा डिपार्टमेंट शामिल है। अब तो यह भी संदेह है कि कहीं और हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए शव सेमिनार रूम में लाकर रख दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सबूतों को मिटाने के लिए सेमिनार हॉल के पास रेनोवेशन के नाम पर तोड़फोड़ की गई। शुक्रवार (16 अगस्त) को कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी क्राइम सीन के पास रेनोवेशन की जल्दबाजी के बारे में बंगाल सरकार से सवाल किया। सरकार ने कहा कि डॉक्टरों का रेस्ट रूम बनाने के लिए तोड़फोड़ की गई थी।

स्टूडेंट्स का दावा-डेड बॉडी से भी अंग निकाले जाते थे

कॉलेज के छात्रों ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष पर आरोप लगाए हैं कि यहां जो हो रहा था, उसकी जानकारी घोष को थी। आरोप है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए आने वाले लावारिस शवों को प्रैक्टिकल के लिए रखा जाता था। उनके शरीर से अंग भी निकाल लिए जाते थे। फिलहाल सीबीआई ने इसकी पुष्टि नहीं की है। संदीप घोष ने घटना के चौथे दिन 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया था। सीबीआई ने शुक्रवार (16 अगस्त) को उन्हें हिरासत में लिया। शुक्रवार देर रात तक उनसे पूछताछ हुई। फिर शनिवार (17 अगस्त) को साढ़े 13 घंटे पूछताछ हुई। सीबीआई ने न्यूज एजेंसी को बताया कि उन्होंने पूर्व प्रिंसिपल से कई सवाल पूछे। जैसे वह 8-9 अगस्त की रात कहां थे, जब डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ। उन्हें घटना की जानकारी किसने दी और खबर मिलने के बाद उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी। संदीप घोष से पूछा गया कि उन्होंने पीड़ित के परिवार को घटना की जानकारी देने का निर्देश किसे दिया और पुलिस से कैसे और किसने संपर्क किया। सीबीआई ने बताया कि घोष कुछ सवालों के जवाब देते हुए उलझ गए थे।

कोलकाता पुलिस का दावा- एक नेता के बेटे का नाम आया

कोलकाता पुलिस के एक अधिकारी बताते हैं कि ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस की शुरुआती जांच में एक सियासी दल के वरिष्ठ नेता और एक नेता के पुत्र का नाम आया है। हालांकि, कोई सबूत नहीं मिलने से उन्हें संदेह के दायरे से हटा दिया गया। कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने पत्रकारों से कहा था कि महज किसी बयान के आधार पर बिना ठोस सबूत के किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पांच बड़े खुलासे

> अबनॉर्मल सेक्सुअलिटी और जेनाइल टॉर्चर के कारण ट्रेनी डॉक्टक के प्राइवेट पार्टस पर गहरा घाव पाया गया।

> चिल्लाने से रोकने के लिए नाक-मुंह और गले को लगातार दबाया गया। गला घोंटने से थायराइड कार्टिलेज टूट गया।

> सिर को दीवार से सटा दिया गया, जिससे चिल्ला न सके। पेट, होंठ, उंगलियों और बाएं पैर पर चोटें पाई गईं।

> इतनी जोर से हमला किया कि चश्मा के शीशे के टुकड़े उनकी आंखों में घुस गए। दोनों आंखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट्स से खून बह रहा था।

> चेहरे पर आरोपी के नाखूनों से बने खरोंच के निशान मिले। इससे पता चलता है कि पीड़िता ने खुद को बचाने के लिए काफी संघर्ष किया था।

'जब तक आरोपी पकड़े नहीं जाते तब तक साथ खड़े रहें'

पीड़िता के माता-पिता की लोगों से अपील; सीएम ममता पर साधा निशाना

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ देशभर में डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, पीड़िता के माता-पिता ने सभी देशवासियों से अपील की है कि वे तब तक उनके साथ खड़े रहें, जब तक सभी आरोपी पकड़े नहीं जाते।

'विरोध को दबाने की कोशिश कर रहीं मुख्यमंत्री'

पीड़िता की मां ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, ₹हम आपके जरिए पूरे देश को संदेश देना चाहते हैं। हम सभी देशवासियों, दुनिया और राज्य के लोगों के आभारी हैं। हम सभी से निवेदन करते हैं कि आप हमारे साथ तब तक खड़े रहें, जब तक आरोपी पकड़े नहीं जाते। हम केवल यही चाहते हैं कि ऐसा कि किसी मां के साथ न हो। कोई भी हमारे जैसे अपने बच्चे को न खोए।₹ उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अस्पताल के मामले को ठीक से न संभालने का आरोप लगाया। पीड़ित मां ने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख विरोध प्रदर्शन को रोकने की कोशिश कर रही हैं।

'अस्पताल के अधिकारियों ने पहले आत्महत्या कहा'

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा था कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। जबकि केवल एक ही व्यक्ति पकड़ा गया है। मुझे पूरा यकीन है कि इस अपराध में और लोग भी शामिल थे। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री विरोध को रोकने की कोशिश कर रही हैं। यही वजह है कि पुलिस ने आज विरोध करने वालों की सभा को रोकने के लिए निषेध आदेश लागू किए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल के अधिकारियों ने पहले बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या की है।

'देखकर लग रहा था बेटी की किसी ने हत्या कर दी...'

मृतका की मां ने कहा, पहले हमें अस्पताल से कॉल आया कि आपकी बेटी बीमार है। फिर कॉल कट गया। फिर जब मैंने पूछा तो उन्होंने कहा कि अस्पताल आ जाएं। फिर जब हम पहुंचे तो हमें देखने की अनुमति नहीं दी गई। हमें तीन बजे (बेटी के शव को) देखने की अनुमति मिली।

अमरनाथ यात्रा छड़ी मुबारक की रश्म के साथ समाप्त

52 दिनों में 5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, यह पिछले साल के मुकाबले 50 हजार ज्यादा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा का आज सोमवार को समापन हुआ। 52 दिनों तक चली यात्रा में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। 2023 में 4.5 लाख यात्रा में शामिल हुए थे। यात्रा के आखिरी दिन बाबा अमरनाथ की पवित्र छड़ी मुबारक पंजतरणी से अमरनाथ गुफा में पहुंची। छड़ी मुबारक की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक पूजा-अनुष्ठान हुई। इसकी के साथ अमरनाथ यात्रा 2024 का समापन हुआ। बाबा अमरनाथ की यात्रा 29 जून 2024 से शुरू हुई थी। इसके लिए जम्मू से लेकर बालटाल और नून (पहलगाम) बेस कैंप तक कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। आर्टिकल 370 हटने के 5 साल पूरे होने के दिन 5 अगस्त को अमरनाथ यात्रा एक दिन के लिए रोकी भी गई थी।

2023 के मुकाबले 50 हजार ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

अमरनाथ यात्रा में तीर्थयात्रियों की संख्या में होती गिरावट में लगातार दूसरे साल बढ़ोतरी देखने को मिली है। 2023 में 4.5 लाख और इस साल 5 लाख तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। साल 2012 में रिकॉर्ड 6.35 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए थे। 2022 में कोविड के कारण आंकड़ा घटा था और 3 लाख तीर्थयात्रियों दर्शन के लिए पहुंचे थे।

6 लाख यात्रियों के हिसाब से तैयारी हुई थी

पिछली बार अमरनाथ यात्रा पर करीब 4.50 लाख श्रद्धालु आए थे। इस बार 6 लाख यात्रियों के आने की संभावना थी। यात्रा 52 दिनों की है। भीड़ ज्यादा होने की संभावना के बीच इंतजाम भी ज्यादा किए गए। पूरे रूट पर खानपान, रुकने और हेल्थ चेकअप के लिए व्यवस्था की गई थी। ऑक्सीजन बूथ, आइसीयू बेड, एक्स रे, सोनोग्राफी मशीन और लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट से लैस दो कैंप अस्पताल बने थे।

पीड़िता की पहचान उजागर करने के आरोप में एक गिरफ्तार

पुलिस की कार्रवाई पर टीएमसी नेता बोले

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या का मामला गरमाया हुआ है। इस बीच, पीड़िता की पहचान को उजागर करने और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह गिरफ्तारी तब की गई जब तलतला थाने में शिकायत दर्ज की गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, शिकायत मिली थी कि इंस्टाग्राम पर'कीर्तिसोशल' यूजरनेम वाले व्यक्ति ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हाल में हुई घटना से जुड़ी तीन स्टोरी अपलोड कीं। जिनमें पीड़िता की तस्वीर और पहचान को उजागर किया गया था।

उन्होंने कहा, आरोपी ने मुख्यमंत्री के खिलाफ भी दो स्टोरी साझा कीं, जिनमें आपत्तिजनक टिप्पणियां और उन्हें जान से मारने की धमकियां दी गईं। ये टिप्पणियां बहुत ही

उकसावे वाली थीं और इसे सामाजिक अशांति पैदा हो सकती थी और समुदायों के बीच नफरत को बढ़ावा मिल सकता था। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पीड़िता का नाम उजागर करने वालों पर कार्रवाई कर रही पुलिस: कुणाल घोष

वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कुणाल घोष ने सोमवार को कहा कि पुलिस केवल उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, जो सोशल मीडिया पर गलत जानकारी, फर्जी ऑडियो और आरजी कर मेडिकल कॉलेज की पीड़ित डॉक्टर का नाम उजागर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग सही तरीके से विरोध कर सकते हैं। घोष ने एक्स पर कहा, अगर आप विरोध करना चाहते हैं, तो इसे सही भाषा में सौ बार करें। लेकिन गलत जानकारी देने, फर्जी ऑडियो, जानबूझकर उकसाने वाले पोस्ट, मृतक के नाम और तस्वीरें साझा करने पर पुलिस आपको चेतावनी देगी।

इससे पहले, रविवार को कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर राय को तलब किया। राय ने सीबीआई से निष्पक्ष कार्रवाई करने की अपील की थी और आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल और पुलिस आयुक्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की मांग की थी। कोलकाता पुलिस ने राय से रविवार की शाम चार बजे लाल बाजार मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा। पुलिस सूत्रों ने कहा कि उन्होंने घटना के बारे में गलत जानकारी साझा की।

बेंगलुरु में नागालैंड की महिला से यौन उत्पीड़न के आरोप में कोरियोग्राफर गिरफ्तार

बेंगलुरु, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बेंगलुरु में लिफ्ट देने के बहाने नागालैंड की एक युवती का यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपी को कर्नाटक पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी बेंगलुरु साउथ ईस्ट साराह फातिमा ने सोमवार को बताया, इस मामले में अदूगोडी के एसआर नगर निवासी मुखेश्वरन उर्फ मुकेश (24) को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता के बयान और सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि के आधार पर आरोपी को बेंगलुरु के अदूगोडी स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया।" आरोपी कोरियोग्राफर है और उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। डीसीपी साराह फातिमा ने बताया कि मामले में आगे की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात एचएसआर लेआउट पुलिस थाना क्षेत्र में हुई जब छात्रा कोरमंगला के एक पब में पार्टी से लौट रही थी।

मिड-डे मील से अतिरिक्त शक्कर वाले खाद्य पदार्थ हटाने की अपील

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बच्चों के डॉक्टरों के एक समूह ने राज्य सरकार को चिट्ठी लिखकर स्कूल के मिड-डे मील से अतिरिक्त चीनी वाले खाद्य पदार्थ को हटाने की अपील की।

महा अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स ने चिट्ठी में राज्य के शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर को चिट्ठी में कहा कि अतिरिक्त चीनी वाले पदार्थों से बच्चे मधुमेह और मोटापे का शिकार हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत बच्चों को दिन में चार बार खीर परोसा जाता है। चिट्ठी में सरकार के जीआर का हवाला देते हुए कहा, जीआर में बताया गया है कि कक्षा एक से पांचवीं तक के छात्रों के भोजन में 25 ग्राम और कक्षा छठवीं से आठवीं के छात्रों के लिए 45 ग्राम चीनी शामिल की जाएगी।

दूसरे की जगह परीक्षा देने आए युवक को एसटीएफ ने गेट के बाहर से किया गिरफ्तार, 16 लाख में हुआ था सौदा

देहरादून, 19 अगस्त (एजेंसियां)। एसटीएफ ने राज्य स्तरीय यूकेएसएसएससी की सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा में नकल करने की कोशिश करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने गिरोह के मास्टरमाइंड व उसके साथी को फर्जी प्रवेश पत्र के साथ हरिद्वार से गिरफ्तार किया। एसटीएफ एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि जानकारी मिली थी कि प्रदेश में 18 अगस्त को होने वाली उत्तराखंड अधीनस्थ चयन आयोग की सहायक अध्यापक की परीक्षा में आरोपी एक परीक्षार्थी की जगह अपने साथी को बैठाकर परीक्षा दिलाएगा। इसके लिए 16 लाख रुपये में सौदा हुआ था। इस सूचना पर एसटीएफ की टीम ने हरिद्वार में डेरा डाल लिया। रविवार को एसटीएफ ने हरिद्वार के मायापुर स्थित परीक्षा केंद्र एसवीएम इंटर कॉलेज के बाहर से गिरोह के मास्टरमाइंड उधम सिंह निवासी व उसके साथी अनुपम निवासी बिहार को परीक्षा से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने बताया कि आरोपी अनुपम किसी कुलदीप नाम के छात्र की जगह परीक्षा देने आया था। गिरोह का मास्टरमाइंड भर्ती परीक्षा में नकल के आरोप में पहले भी जेल जा चुका है।

पेपर लीक मामले में एक और आरोपी निकला भर्ती परीक्षा का टॉपर

हमीरपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भंग कर्मचारी चयन आयोग के बहुचर्चित पेपर लीक मामले में एक और आरोपी अभ्यर्थी परीक्षा का टॉपर है। पेपर लीक मामले में दर्ज 14वीं एफआईआर में पुलिस रिमांड पर चल रहा आरोपी अमित रावत असिस्टेंट स्टोरकीपर (पोस्ट कोड 822) भर्ती परीक्षा में 82 अंक लेकर टॉपर रहा था। मार्च 2022 में इस परीक्षा का नतीजा घोषित होने के बाद अमित बिजली बोर्ड हमीरपुर के सर्किल कार्यालय में तैनात था। वह तीन माह पूर्व ही नियमित हुआ था। अब बिजली बोर्ड प्रबंधन ने भी कर्मचारी का रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया हैं। भंग आयोग के कार्यकाल में पेपरलीक का यह खेल लंबे समय से आयोग में चल रहा था। दो साल की सेवाओं के बाद आरोपी अभ्यर्थी नियमित भी हो गए थे।

सचिन वाजे ने याचिका में यूएपीए प्रावधानों और जांच पर उठाए सवाल

हाईकोर्ट ने एनआईए से मांगा जवाब

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस के बर्खास्त अधिकारी सचिन वाजे ने बंबई उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। याचिका में उन्होंने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और एंटीलिया बम धमकी मामले तथा कारोबारी मनसुख हिरेन की मौत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजुषा देशपांडे की पीठ ने सोमवार को एनआईए को वाजे की याचिका पर जवाब देने का आदेश दिया। वाजे इनमें से दो मामलों में अभी जेल में हैं।

अदालत की टिप्पणी- याचिका है या पीएचडी की थिसिस?

पीठ ने टिप्पणी की कि वाजे की 185 पेज की याचिका जेल से दायर की गई एक थिसिस जैसी लग रही है। अदालत ने कहा, यह याचिका है या थिसिस? इसमें ऑस्कर वाइल्ड के भी उद्धरण हैं। यह तो पीएचडी की थिसिस जैसी लगती है। इस पर वरिष्ठ वकील आबाद पोंडा ने कहा, वाजे जेल में होने की वजह से यही काम कर रहे हैं। वाजे ने अपनी याचिका में तत्काल रिहाई की मांग की है। पोंडा ने कहा कि यूएपीए के प्रावधान इस मामले में गलत तरीके से लागू किए गए हैं और एनआईए ने कानून लागू होने से पहले ही जांच शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ मुंबई में किसी के घर के बाहर मिले जिलेटिन का है। इसमें कोई आतंकवाद नहीं है। याचिका में एनआईए की जांच क्षमता पर भी सवाल उठाए गए हैं। अदालत ने एनआईए से जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई 23 सितंबर को तय की। 25 फरवरी 2021 को एक विस्फोटक से भरी एसयूवी मुंबई में मुकेश अंबानी के पास मिली थी।

राजनाथ के अमेरिका दौरे से तेजस को मिलेंगे पंख, पीएम मोदी की यात्रा से पहले दुरुस्त करेंगे कील-कांटे!

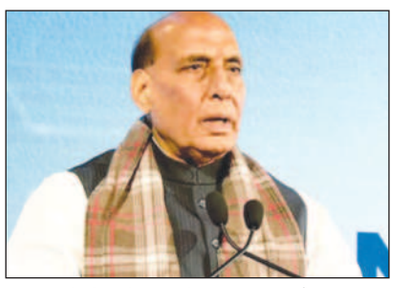

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके1ए को जल्द ही अपना इंजन मिलने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जल्द ही अमेरिका के दौरे पर रवाना होने वाले हैं। सूत्रों का कहना है कि अपने इस पांच दिवसीय दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। सूत्रों मे बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 अगस्त से अमेरिका की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। रक्षा मंत्री 23 अगस्त को पेंटागन में अपने अमेरिकी समकक्ष डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत करेंगे।

'मैं केवल अहम लोगों की बात पर ध्यान देता हूं', काफिले को काले झंडे दिखाए जाने पर बोले अजित पवार

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा नेताओं द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के काफिले को काले झंडे दिखाने के बाद उन्होंने (अजित पवार) प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें दूसरों द्वारा अपनी आलोचना की परवाह नहीं है, उन्हें केवल इस बात की चिंता है कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के प्रमुख नेता क्या कहते हैं।

पवार ने मुंबई में जन सम्मान यात्रा के दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात की। अजित पवार ने कहा, दूसरे लोग क्या कहते हैं, इसे लेकर मुझे कुछ नहीं करना है। मैं अहम लोगों पर ध्यान देता हूं। इसमें शिवसेना के सीएम एकनाथ शिंदे और भाजपा के चंद्रशेखर बावनकुले और देवेंद्र फड़णवीस शामिल हैं। पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने पूछा कि फड़णवीस यह स्पष्ट करें कि क्या वह अपने भाजपा कार्यकर्ताओं के व्यवहार को स्वीकार करते हैं? भाजपा की जुन्नर प्रमुख आशा बुचाके ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जुन्नार सीट से राकांपा अपने उम्मीदवार का प्रचार कर रही थी। उन्होंने कहा, वे हमारा गला घोंटने की

कोशिश कर रहे हैं, इसलिए हमने आक्रमक रुख अपनाया।₹ आशा बुचाके ने आगे कहा, ₹अगर हम महायुति का हिस्सा हैं तो मीटिंग हॉल में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर क्यों नहीं थी। अजित पवार से पूछा गया कि क्या वे रक्षाबंधन के मौके पर अपनी बहन सुप्रिया सुले से राखी बंधवाएंगे। इसपर उन्होंने कहा, ₹मैं ऐसा करूंगा, जब वह मुंबई में होगी।₹ बता दें कि पिछले हफ्ते अजित पवार ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ाने पर खेद व्यक्त किया था। चुनाव में सुप्रिया सुले ने जीत हासिल की थी। पवार ने स्वीकार किया था कि उनसे गलती हुई है। उन्होंने कहा था, मैं अपनी सभी बहनों से प्यार करता हूं।

किसी को भी राजनीति को घर में प्रवेश करने नहीं देना चाहिए। मैंने अपनी बहन के खिलाफ सुनेत्रा को मैदान में उतारकर गलती की। राकांपा के संसदीय बोर्ड ने फैसला लिया था, जिसका मैंने पालन किया, लेकिन मुझे लगता है कि यह गलत है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 20 अगस्त- 2024

ममता की कठिन परीक्षा

कोलकाता में जिस निर्ममता से महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना हुई उससे पूरे देश में दिनों दिन आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी इस कठिन चुनौती से कैसे निपटेंगी यह यक्षप्रश्न देश के सामने खड़ा है। ममता को एक साथ कई मोर्चे पर लड़ना पड़ रहा है। टीएमसी के भीतर भी घटना को लेकर अलग-अलग सुर सुनाई दे रहे हैं। क्रिकेट से राजनीति में आए पार्टी के सांसद हरभजन सिंह का भी गुस्सा इस मामले में फूट पड़ा है। वहीं, बंगाल में इस मुद्दे पर फुटबॉल की दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी टीमों के समर्थक भी एकजुट हो कर विरोध कर रहे हैं। राजनीतिक मोर्चे पर इंडिया गठबंधन की प्रमुख सहयोगी कांग्रेस भी ममता को बख्शने के मूड में नहीं है। राहुल गांधी भी टीएमसी को कटघरे में खड़ा कर चुके हैं। पीड़ित परिवार की तरफ से भी सरकार पर आरोप लगाए जा रहे हैं। खास बात है कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते आज सुनवाई की तारीख तय कर दी है। ऐसे में तय है कि ममता सरकार को शीर्ष अदालत की तरफ से कड़ी टिप्पणी का सामना करना पड़ सकता है। देखा जाए तो पश्चिम बंगाल में रेप की यह कोई पहली घटना नहीं है। हंसखाली, कमदुनी, काकद्वीप, रानाघाट, सिउरी में भी रेप कांड को लेकर काफी हंगामा मचा था। कोलकाता की घटना से पहले संदेशखाली को लेकर राष्ट्रव्यापी रूप से ममता बनर्जी सरकार पर सवाल उठे थे। पश्चिम बंगाल में हुए पहले के रेप कांड को ममता ने अपने तरीके से खारिज करते हुए खुद को उससे अलग कर लिया था। हंसखाली की घटना को उन्होंने प्रेम प्रसंग का मामला बताया था। 2013 की कमदुनी गैंगरेप घटना में प्रदर्शनकारियों को उन्होंने सीपीएम समर्थक बताया था। पहले के रेप मामले में पीड़ित गरीब तबके से थीं। इस बार रेप और हत्या का मामला भद्रलोक से जुड़ा है। कोलकाता का भद्रलोक अब सड़कों पर है। ऐसे में ममता के सामने चुनौती से पार पाना आसान नहीं लगता। आईएमए की तरफ से पहले ही पीएम मोदी से हस्तक्षेप की मांग की जा चुकी है। अब पद्म अवॉर्डी डॉक्टरों ने भी पीएम मोदी को पत्र लिखा है। 70 से अधिक पद्म अवॉर्ड विजेता डॉक्टरों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर हेल्थ वर्कर्स के खिलाफ हिंसा से निपटने के लिए विशेष कानून लागू किए जाने की मांग की है। उन्होंने अस्पतालों में बेहतर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल लागू करने की भी मांग की है। क्रिकेटर से राजनेता बने हरभजन सिंह ने ममता बनर्जी को दो पन्नों का पत्र लिखकर हत्या पीड़िता को न्याय मिलने में देरी पर दुख व्यक्त किया। हरभजन ने लिखा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता। अपराधियों को कानून की पूरी सजा का सामना करना होगा और सजा उदाहरण बनाने वाली होनी चाहिए। सिर्फ इसी तरह हम अपने सिस्टम में विश्वास बहाल करना शुरू कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसी घटना दोबारा न हो। उन्होंने लिखा कि हम एक ऐसा समाज बनाएं जहां हर महिला सुरक्षित और संरक्षित महसूस करे। हरभजन सिंह ने को लगता है, अब एक्शन का समय आ गया है। इस मामले में मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। संदीप घोष पर पूर्व प्रोफेसर और पूर्व डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ अख्तर अली ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। वह छात्रों को जानबूझकर फेल करता था। साथ ही वह 20% कमीशन भी लेता था। डॉ. अख्तर ने संदीप घोष को माफिया और पावरफुल आदमी बताया। उन्होंने कहा कि वह मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के हर काम में पैसे वसूलता था। इसके साथ ही गेस्ट हाउस में स्टूडेंट्स को शराब की सप्लाई में भी उसकी भूमिका थी। उसका दो बार ट्रांसफर किया गया लेकिन उसके रसूख के चलते वह रुकवा लेता था। आरजी कर मेडिकल कॉलेज का प्रिंसिपल रहने के दौरान घोष पर वित्तीय भ्रष्टाचार, अवैध कमीशन और टेंडर में गड़बड़ी करने का भी कई बार आरोप लगा। सीबीआई की तरफ से संदीप घोष से तीसरे दिन भी लगातार पूछताछ जारी है। इस रेप को लेकर विदेश तक आवाज उठ रही है। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के विरोध में जारी प्रदर्शनों में शामिल होकर एकजुटता दिखाई। ढाका की भौतिकी विभाग की छात्रा रहनुमा अहमद निरेट ने कहा कि हम बंगाल में बलात्कार के मामले में मेडिकल कॉलेज प्रशासन के असहयोगपूर्ण रवैये से अवगत हैं। महिला होने के नाते, हम मांग करते हैं कि प्रशासन अधिक से अधिक कानूनी सहायता प्रदान करे, कानून को सख्ती से लागू करे और फैसला जल्द सुनाए। नहीं तो हालात बिगड़ते देर नहीं लगेगी।

आरक्षण: आखिर इस मर्ज की दवा क्या है ?

डॉ. चक्रपाल सिंह

आरक्षण के पक्ष एवं विपक्ष में देश, समाज, मीडिया, न्यायालय, बौद्धिक जगत, राजनैतिक गलियारों के साथ साथ अकादमिक हलकों में बहुत कुछ लिखा एवं बोला जा चुका है और आज भी बहस मुहासे जारी है। मंडल और कमंडल का विवाद है कि थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। हालात ये है कि समय समय पर आरक्षण का नासूर कभी शिक्षक भर्ती में आरक्षण, तो कहीं लेट्रल इन्ट्री के रूप में देश के इस अंग में, तो कभी उस अंग में फूट पड़ता है। लेकिन इसका समाधान, वही ढाक के तीन पात. तमाम तर्क-वितर्क के बावजूद नब्बे के दशक से भारत की राजनीति में आरक्षण सत्ता प्राप्ति का साधन और साध्य बना हुआ है. अभी हाल में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति तथा जनजाति के आरक्षण में वर्गीकरण करने तथा क्रीमी लेयर की अवधारणा को लागू करने के निर्णय ने एक बार फिर आरक्षण के जिन्न को बोतल से बाहर निकाल दिया है. इसको लेकर आरक्षण विरोधी एवं समर्थक दोनों हलकान हैं. उन्हें समझ ही नहीं आ रहा है कि इस निर्णय पर क्या रुख अपनाएं? जबकि चाहे, अनचाहे सभी का मानना है कि संवैधानिक आरक्षण जरूरी है. यदि वास्तव में इन सभी दलों की आरक्षण के प्रति संवेदनाएं इतनी ही घनीभूत और सच्ची हैं, तो आज तक इसके समाधान की दिशा में ये लोग कोई सर्वमान्य हल क्यों नहीं दे पाए हैं? और आगे इनके पास क्या कोई हल है ? या फिर आरक्षण के नाम पर फूट डालो और राज्य करो (मत्स्य न्याय) की बदनीयती काम कर रही है. कहने का अर्थ यह है कि भारतीय राजनीति में आरक्षण वो चूल्हा बन चुका है जिसमें इसके समर्थक एवं विरोधी दोनों जनता को आरक्षण की सुलगती भट्ठी में झोंककर अपनी राजनीति की रोटियां सेंकते हैं. समर्थकों एवं विरोधियों की अब तक की राजनैतिक फितरत यही बयां करती है. आखिर आज भारतीय राजनीति एवं राजनेताओं की वह कौन सी मजबूरी है, जो आरक्षण के मर्ज की दवा खोजने से रोकती है. इसका समाधान तो दूर, इस मुद्दे पर कोई सार्थक व गंभीर बहस को तैयार ही नहीं है. बस ! अपनी अपनी राजनीति के लिए आरक्षण, आरक्षण सब को आरक्षण चाहिए और इसका विरोध चाहिए. इसके समाधान की दिशा में आगे बढ़ने से पूर्व आरक्षण समर्थकों एवं विरोधियों के कुछ विचार जानना अधिक प्रासंगिक होगा. आरक्षण विरोधियों का मानना है कि इससे देश व समाज में जातिवाद, वैमनस्यता एवं विषमताएं पैदा हो रही हैं. प्रतिभाएं कुंठित और हताश हो रही हैं. अयोग्य एवं गैर प्रतिभाशाली लोग व्यवस्था में शामिल हो रहे हैं, जिससे इसकी गुणवत्ता प्रभावित हो रही है. आरक्षण यदि जरूरी ही है, तो योग्यता पर कोई समझौता किए बगैर इसे आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए, न कि जाति के आधार पर. आरक्षण समर्थक मानते हैं कि आरक्षण को गलत ढंग से प्रचारित प्रसारित किया गया है. यह शासन एवं प्रशासन में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया था, न कि नौकरी व रोजगार प्रदान करने हेतु. जाति भारतीय समाज की सच्चाई है. आरक्षण से पहले भी भारतीय समाज में घोर जातिवाद था और आज भी है. भले ही कानूनी किताबों में जातिवाद समाप्त हो गया हो, लेकिन व्यवहारिकता की ठोस जमीन पर सिर चढ़ कर बोलता है. जहाँ तक आर्थिक आधार पर आरक्षण देने का प्रश्न है, तो इस पर आपत्ति किसको है ? बशर्ते, पहले आर्थिक पिछड़े पन का आधार तय किया जाए. सबसे महत्वपूर्ण इसके लिए पुख्ता सामाजिक, आर्थिक एवं जातीय आंकड़े की जरूरत होगी. क्या इसके लिए भारत भाग्य विधाता ! तैयार हैं? सर्व विदित तथ्य यह है कि आरक्षित श्रेणी की जातियों एवं गैर-आरक्षित जातियों में आर्थिक एवं शैक्षिक विषमता की खाई इतनी चौड़ी है कि देश के कुल गरीबों का लगभग 80-85 प्रतिशत गरीब आरक्षित श्रेणी की जातियों से ही आता है. फिर, यह कैसी सामाजिक, शैक्षिक व आर्थिक विडम्बना है कि देश की लगभग 85 प्रतिशत आबादी में से, देश की शेष लगभग 15 प्रतिशत आबादी के बराबर योग्य एवं प्रतिभावान लोग नहीं बन/पैदा हो पाते हैं. इसके नेपथ्य में क्या है ? निश्चित तौर पर यह आनुवंशिक तो नहीं ही है. यह दुर्भाग्य पूर्ण स्थिति व्यवस्था जनित है. इसके लिए जिम्मेदार कौन है? जनता या व्यवस्था ? कोई जवाब देने को तैयार नहीं है. आगे इनका मानना है कि उपर्युक्त तथ्य के मद्देनजर यदि आर्थिक पिछड़ेपन को आधार बनाया जाता है, तो आरक्षित जातियों के लिए वर्तमान में लागू 50 प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर 85 प्रतिशत तक करना होगा. और फिर, आरक्षण में क्रीमी लेयर सिद्धांत को सख्ती से लागू करने के पक्षधर लोगों (गैर- आरक्षित) का इसे अपने ऊपर लागू करने का ख्याल अभी तक क्यों नहीं आया ? ऐसा क्यों? क्या सवर्णों में गरीब जातियां नहीं थीं या हैं? आर्थिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़ी सवर्ण जातियों की मनोव्यथा यह पूछने को बाध्य करती है कि आखिर सरकार तथा सार्वजनिक प्रतिष्ठानों तथा प्रशासनिक व्यवस्था में एक दो जातियों के उनके अपने ही भाइयों की तीन-तीन पीढ़ियां पदस्थ कैसे रही हैं और आज भी हैं ? शेष सवर्णों का हक़ किसने मारा है? सवर्णों में सवर्ण लोगों ने अपने ऊपर क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू करने का कभी क्यों नहीं सोचा ? जिसका कि आज ये प्रतिपादन कर रहे हैं. आरक्षण समर्थकों का ऐसा मानना है. अब प्रश्न उठता है कि आखिर इस मर्ज का इलाज क्या है? यहां दो संभावित रास्ते नजर आते हैं. पहला, तो यही कि कुछ ही हाथों में सिमटे आर्थिक संसाधनों का पुनर्वितरण किया जाए. जो निकट भविष्य में संभव नहीं है. दूसरा, सर्व स्वीकृत रास्ता यह हो सकता है कि पूरे देश में सर्वसुलभ भेदभाव रहित गुणवत्ता पूर्ण समान शिक्षा प्रणाली को शुरू से लेकर आखिर तक लागू किया जाए. यह तभी संभव है जब शिक्षा का सार्वजनीकरण/राष्ट्रीयकरण किया जाएगा. इसके लिए पहली शर्त कुकरमुत्तों की तरह उगे निजी पब्लिक स्कूलों को बंद करना होगा. क्या भाग्य विधाता ! ऐसा करने को तैयार हैं? यदि सचमुच इनकी नीति एवं नीयत में ज़रा भी सच्चाई है, तो इन्हें तुरंत ध्वस्त हो चुकी सरकारी भारतीय ग्रामीण शिक्षा प्रणाली तथा शहरी शिक्षा प्रणाली पर एक आयोग का गठन कर हालातों को जानना चाहिए. जब तक गुणवत्ता पूर्ण, सर्व सुलभ समान शिक्षा बिना किसी भेदभाव के देश में लागू नहीं होगी, आरक्षण के नाम पर समाज और देश को बांटा और लड़ाया जाता रहेगा. यह एक दिन में संभव नहीं हो सकता है. इसके लिए दृण प्रतिज्ञ , सुनियोजित, समयबद्ध योजना के लागू होने के बाद भी कम से कम 16-18 वर्ष का समय लगेगा. जब तक गुणवत्ता पूर्ण समान शिक्षा वाली पहली पीढ़ी तैयार नहीं हो जाती है. सार्वजनिक संस्थाओं हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता को बहाल करना होगा, तो शिक्षा जगत में पनपी धन केन्द्रित कोचिंग की अपसंस्कृति से छात्रों को छुटकारा दिलाने की पक्की व्यवस्था करनी होगी. तभी सच्ची व नैसर्गिक प्रतिभाएं सामने आ पाएंगी. इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आता है. यदि राजनीतिक बिरादरी ऐसा करने को तैयार नहीं है, तो सच मानिए इनकी नीति एवं नीयत पर जनता का भरोसा करने की कोई वजह नहीं बनती है. यहाँ बर्नाड शॉ के ये विचार अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं. " सही शिक्षा निरंकुशता व विशेषाधिकार के लिए एक खतरा है. पूंजीवादी व्यवस्थाएं आम लोगों की अज्ञानता के कारण कायम रहती हैं. - - विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग, महत्वाकांक्षी शासकों व ताना शाहों द्वारा भी इन्हें कायम रखा जा सकता है, जो अपने अस्तित्व के लिए लोगों में अपने प्रति आस्था पैदा कराते हैं. - ये तमाम वर्ग अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए अज्ञानता व शिक्षा दोनों का ही पूरा पूरा उपयोग करते हैं." आरक्षण की यही हकीकत है।

डूबती दिल्ली, मरते लोग, दोषी कौन ?

आर.के. सिन्हा

राजधानी दिल्ली में इस बार मानसून के मौसम में हो रही भारी बारिश से हाहाकर मचा हुआ है। बारिश के पानी के कारण हो रहे जलभराव में लोग डूब रहे हैं या फिर उनकी पानी में खुली बिजली की तारों से करंट लगने के कारण जानें जा रही हैं। ये हादसे दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार की काहिली और नकारापन की चीख-चीख कर पुष्टि कर रहे हैं। यूं तो हरेक बारिश के मौसम में दिल्ली में जलभराव के कारण लगने वाले लंबे जाम के कारण लाखों लोगों की जिंदगी दूभर हो ही जाती है। पर इस बार बारिश के कारण यहां वहां जमा पानी में लोगों की डूबने के कारण अनेकों जानें भी जा रही हैं। साफ है कि जिन सरकारी एजेंसियों, अफसरों और कर्मियों पर देश की राजधानी को ठीक-ठाक रखने की जिम्मेदारी है, वह अपने दायित्वों को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं। इन सरकारी महकमों में कसकर व्याप्त करप्शन भी इस कर्तव्यहीनता का मुख्य कारण है। कुछ दिन पहले देश की संसद भवन से पांचेक किलोमीटर दूर ओल्ड राजेन्द्र नगर में तीन नौजवान तब डूब कर मर गए थे, क्योंकि; वे जिस बेसमेंट में बैठकर पढ़ रहे थे, वहां पानी भर गया था। दिल्ली के मेयर शैली आनंद के क्षेत्र से ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक किलोमीटर भी नहीं है। इसके बावजूद वहां इतना बड़ा हादसा हुआ। आम आदमी पार्टी के सांसद ओल्ड राजेन्द्र नगर से दो मिनट की दूरी पर स्थित न्यू राजेन्द्र नगर में रहते हैं। पर उनकी पार्टी ने उनकी भी कोई क्लास नहीं ली। हादसे के लिए, मात्र दो-तीन निगम के निम्न वर्गीय कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया। सवाल यह है कि इस हादसे के लिए दिल्ली की मेयर ने अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया? हाल ही में बेल मिलने के बाद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी अपनी दिल्ली सरकार के कामकाज की उपलब्धियां गिनवा रहे हैं। पर वे यहां जलभराव के कारण हुई मौतों पर चुप हैं। एक उम्मीद पैदा हुई थी कि ओल्ड राजेन्द्र नगर की भयानक घटना के बाद यहां नगर निगम कायदे से काम करने लगेगा। उस घटना से दिल्ली खासी व्यथित थी। जनता में गुस्सा था। पर नगर निगम का चाल-चरित्र-चेहरा नहीं बदला। राजधानी में लोगों की जाने जाती रहीं, क्योंकि तेजी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरना जारी रहा और सड़कों पर पैदल चलने वालों की जान पर बन आई। दो बच्चों की करंट लगने और डूबने से मौत हो गई। दिल्ली में इस मानसून में अब तक मरने वालों की अवतक ज्ञात कुल संख्या 33 हो गई है। इतने लोगों की मौत के बावजूद यहां पर सब कुछ सामान्य रफ्तार से चलना साबित करता है कि समाज अब पूरी तरह संवेदनहीन हो चुका है। वह कभी –कभार ही अपनी तीखी प्रतिक्रिया देता है। देखिए, जलवायु संकट मानसून में अप्रत्याशित पैटर्न पैदा कर रहा है, जिससे छोटे, लेकिन बहुत भारी बारिश के झोंके अब सामान्य से हो गए हैं। इसके लिए ठोस योजना की आवश्यकता है, न कि बाद में किए जाने वाले उपायों की। पर हमारे यहां बदले हुए हालात के अनुसार नहीं चला जाता है। सब काम चालू तरीके से होता है। जाहिर है, इसके बहुत दूरगामी परिणाम झेलने पड़ते हैं। हम अपनी याददास्त को अगर टटोलें, तो पाएंगे कि पर्यावरण में सुधी जनों ने चेतावनी इसलिए ही बहुत पहले ही दी थी। यकीन मानिए हमारे बहुत सारे सरकारी विभागों को लकवा मार गया है। वहां कोई अपने बढ़कर स्वेच्छा से काम करने के लिए तैयार ही नहीं है। जाहिर है, इस मानसिकता के कारण ही बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं। यह सब होने के बाद भी सरकारी अफसरों और दिल्ली सरकार के मंत्री किसी भी प्रकार की जवाबदेही के लिए तैयार नहीं हैं। क्यों नहीं उनके खिलाफ सख्त एक्शन होता जिनकी वजह से लोग मारे जा रहे हैं या दिल्ली पानी-पानी हो रही है। अजीब सी स्थिति है कि एक तरफ दिल्ली बारिश के कारण डूब जाती है, दूसरी ओर दिल्ली वालों को पीने का साफ पानी तक नसीब नहीं होता।राजधानी में पानी से जुड़े सारे मामलों को दिल्ली जल बोर्ड देखता है। दिल्ली जल बोर्ड का सर्वाधिक हाल बेहाल है। दिल्ली की आप सरकार के मंत्री और नेता रोज केन्द्र सरकार पर आरोपों की बौछार करने का कोई भी अवसर जाने नहीं देते। वे चिर असंतुष्ट प्राणी हैं। उन्हें सबसे शिकायतें हैं। वह कभी खुद भी अपने गिरेबान में झांक तो लें। वह खुद कब इस सवाल का जवाब देंगे कि वह दिल्ली को पेयजल के संकट से फलां-फलां तारीख तक उबार देंगे ? दिल्ली का मतलब सिर्फ हरे-भरे पेड़ों से लबरेज नई दिल्ली का लुटियन क्षेत्र ही नहीं है। राजधानी का मतलब दक्षिण दिल्ली, उत्तर दिल्ली, पश्चिम दिल्ली या यमुना पार की संभ्रांत आवासीय कॉलोनियां भी नहीं है। दिल्ली के लाखों नागरिक उन अनधिकृत कॉलोनियों, घनी बस्तियों, झुग्गियों में भी जीवन यापन करने के लिए अभिशप्त हैं,जहां पर पीने का पानी मयस्सर नहीं है। जरा सोचिए कि किन हालातों में भीषण गर्मी के मौसम में लोग रहते होंगे। राजधानी के लाखों नागरिकों के घरों में पीने का पानी नहीं आता। यह अभागे हर रोज निजी जल आपूर्तिकर्ताओं अपने दिन भर के से उपयोग के लिये पानी खरीदते हैं। दस लाख की आबादी वाले संगम विहार में दिल्ली जल निगम से पानी की सप्लाई नहीं होती। यह हाल है दिल्ली का। जल संकट से जूझ रहे दिल्ली में लगभग आधे जल निकायों का अतिक्रमण और अन्य कारणों की वजह से नष्ट हो जाना प्रशासनिक विफलता का संकेत है। दिल्ली के सबसे अधिक जल संकट वाले शहरों में से एक, दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर सूचीबद्ध अपने लगभग आधे जल स्रोतों को खो दिया है। जिस समय देश आजाद हुआ था, उस समय दिल्ली के 362 गांवों में 1012 तालाब थे। यह सरकारी आंकड़ा है। एक सर्वे में पता चला है कि दिल्ली में दो हजार से अधिक तालाब और बावड़ियाँ होती थीं। आबादी बढ़ने और दिल्ली के विकास के साथ अधिकतर तालाब खत्म कर दिए गए। कई तालाबों पर कॉलोनियां बस गई। जो तालाब बचे हैं, उनमें से आधे से अधिक लगभग सूख चुके हैं। इन तालाबों को फिर से जीवित करना होगा। जानकार मानते हैं कि राजधानी में 500 से अधिक तालाब ऐसे हैं जिन्हें बारिश के पानी से पुनर्जीवित किया जा सकता है और बारिश की पानी से दिल्ली को जलमग्न होने से बचाया जा सकता है। बहुत साल पहले पानी-तालाब पर जीवन खपा देने वाले अनुपम मिश्र ने सुझाया था कि यमुना का भी पुनर्जीवन संभव है। अगर यमुना के किनारे वजीराबाद से ओखला के बीच बड़े तालाबों की एक श्रृंखला बनाई जाये। यदि दिल्ली में हमने जल का सही तरह से संरक्षण करना नहीं सीखा तो यहां पर पानी को लेकर भविष्य के दिनों में भारी खून-खराबा होगा। अभी भी बहुत सी अनधिकृत बस्तियों में पानी को लेकर सुबह रोज झगड़े होते हैं। कल्ल तक हो चुके हैं। जल के स्रोत सीमित हैं। नये स्रोत हैं नहीं, ऐसे में जल स्रोतों को संरक्षित रखकर एवं जल को बचाकर ही हम जल संकट का सामना कर सकते हैं। इसके लिये हमें जल के उपयोग में मितव्ययी बनना पड़ेगा। जल प्रबंधन को बेहतर करना होगा। यदि वर्षाजल का समुचित संग्रह हो सके और जल के प्रत्येक बूंद को अनमोल मानकर उसका संरक्षण किया जाये तो जल संकट का समाधान संभव है। राजधानी में रोज लाखों कारों और दूसरे वाहनों की धुलाई पर बहुत पानी बर्बाद हो जाता है। इस तरफ कोई ध्यान नहीं देता कि इस लिहाज से पानी की बर्बादी कैसे रोकी जाए।

ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है अक्षय ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस भी मनाया जाता है। आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाइयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज की 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार तीन वर्षों में सौर ऊर्जा के लिए करीब नब्बे फीसदी उपकरण आयात किए गए, जिस कारण बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ जाती है। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर तेजी से बढ़ रहा है। देश में साढ़े तीन लाख मेगावॉट से भी अधिक बिजली का उत्पादन किया जा रहा है लेकिन यह हमारी कुल मांग से करीब ढ़ाई फीसदी कम है। भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम मंत्रालय द्वारा प्रकाशित 20वीं ऊर्जा सांख्यिकी रिपोर्ट में बताया गया था कि वर्ष 2011-12 से 2016-17 के बीच प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत 3.54 प्रतिशत बढ़ गई। वर्ष 2005-06 से 2018-19 के दौरान प्रति व्यक्ति बिजली उपभोग में करीब दो गुना वृद्धि दर्ज की गई। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 1150 किलोवाट से भी अधिक बिजली का उपभोग किया जाता है। इसका एक अहम कारण देश में तेजी से बढ़ती जनसंख्या भी है। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का करीब 58 फीसदी उपभोग किया जाता है। औद्योगिक क्षेत्र के अलावा कृषि क्षेत्र तथा घरेलू कार्यों में भी ऊर्जा की मांग और खपत पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा उत्सर्जन 4 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन का उपयोग किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्वभर में करीब 40 फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में 60 फीसदी से अधिक बिजली कोयले से, 16 फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, 14 फीसदी पानी से और 8 फीसदी गैस से पैदा होती है। सार्वजनिक क्षेत्र के सबा सौ से भी अधिक थर्मल पावर स्टेशनों में प्रतिदिन 18 लाख टन से अधिक कोयले की खपत होती है। दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में 77 फीसदी कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है।

ममता सारे काम छोड़ शेख हसीना से मुलाक़ात करें !

श्रवण गर्ग

क्या पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश जैसे हालात 'बनाए' जा रहे हैं ? बांग्लादेश में हुई तख़्ता पलट की कार्रवाई के पीछे वहाँ के छात्रों का आरक्षण के ख़िलाफ़ आंदोलन था। कोलकाता में मेडिकल की छात्रा के साथ हुई बलात्कार की घटना के बाद से वहाँ भी छात्र आंदोलनरत हैं। बांग्लादेश का मामला शेख हसीना की हठधर्मिता से बिगड़ा था।क्या पश्चिम बंगाल में भी कुछ वैसी ही स्थिति है ?ममता ने आरोप लगाया है कि वाम(वामपंथी) और राम (भाजपा) राज्य में अशांति भड़का रहे हैं!पंद्रह अगस्त की एक रैली में मुख्यमंत्रीने यहाँ तक कह दिया कि उनके यहाँ भी बांग्लादेश बनाने की कोशिशें हो रही हैं। ममता ने साथ में यह भी जोड़ा था कि उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से कोई मोह नहीं है।आश्चर्यजनक है कि ममता ने ही पीड़िता के लिए न्याय की माँग को लेकर समर्थकों के साथ सड़क पर प्रदर्शन भी किया।पिछले तेरह सालों से मुख्यमंत्री के पद पर क़ाबिज़ और हाल तक स्वयं को विपक्ष की स्वयंभू सर्व-शक्तिमान नेता समझने वाली ममता इस समय सबसे कमज़ोर मुख्यमंत्री नज़र आ रही हैं।वे एकदम अकेली पड़ गई हैं। डर यह है कि जिस जनता के समर्थन के दम वे असीमितअहंकार के साथ शासन कर रहीं थीं अब वह भी उनके ख़िलाफ़ होती दिख रही है।विपक्षी इंडिया गठबंधन भी उनके साथ खड़ा नहीं नज़र आता है ! राहुल गांधी ने तो कोलकाता के बलात्कार की घटना पर राज्य सरकार के ख़िलाफ़ तंज कसते हुए यहाँ तक कह दिया कि : ' पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों को बचाने की कोशिश अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर कड़े प्रश्न खड़े करता है।'साल 1998 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस बनाने के बाद से उनसत्तर-वर्षीय ममता ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई लड़ाइयों का सामना किया है। क्या वे इस लड़ाई से मुक़ाबला कर पाएँगी जिसमें उनका संघर्ष अब केंद्र के साथ-साथ अब उस विपक्ष से भी है जिसका वे अपनी ही शर्तों पर नेतृत्व करना चाहतीं थीं ? ममता अगर पुख़्ता तौर पर मानतीं हैं कि उनके राज्य को बांग्लादेश बनाया जा रहा है तो उन्हें सारे काम छोड़कर भारत में शरणागत शेख हसीना से मिलने जाना चाहिए। हसीना से उन्हें ज्ञान प्राप्त करना चाहिए कि पश्चिम बंगाल में किन ग़लतियों को नहीं दोहराया जाना चाहिए जो हसीना द्वारा बांग्लादेश में की गईं थीं !इसी प्रकार ममता राहुल और इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं से चर्चा के ज़रिए समझाएं कि कोलकाता और संदेशखाली सहित राज्यके सभी स्थानों पर महिलाओं के सम्मान की रक्षा में उनकी सरकार द्वारा कितने काम किए गए हैं। ममता निश्चित ही दोनों काम नहीं करेंगी और किसी नए संघर्ष के लिये केंद्र की करवाई का इंतज़ार करेंगी।

http://shravangarg1717.blogspot.com

स्त्रियों पर दुराचार की पराकाष्ठा

संजीव ठाकुर

भारत में स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद से ही स्त्रियों,महिलाओं तथा बालिकाओं पर शारीरिक लगातार अनाचार, अत्याचार होते आ रहे हैं। दिल्ली में संजय गीता चोपड़ा भाई बहनों पर दरिंदगी के साथ बेंगलुरु में निर्भया, दिल्ली में तंदूर कांड अब कोलकाता के अस्पताल में डॉक्टर मौमिता देवनाथ और देहरादून में बालिका के साथ सामूहिक दुराचार की घटनाएं मानवीय आस्थाओं को झँझोड़ कर रख देती है कानून-सुरक्षा व्यवस्था पर से विश्वास उठने लगा है । आखिर यह देश में हो क्या रहा है? स्त्री सुरक्षा, स्त्री शिक्षा, और स्त्रियों के उत्थान की तमाम घोषणाएं और सरकारों द्वारा की गई बड़ी-बड़ी बातें इन सब घटनाओं के सामने खोखली साबित हो रही है। कानून व्यवस्था सबूत के अभाव के सामने बेबस है या फिर धन और बल से बड़े आदमी को बचाने के लिए पूरा सिस्टम झुक गया है। क्या स्त्रियां भारत देश में सुरक्षित रह पाएंगी,या ऐसे आत ताइयों के सामने खुला छोड़ दिया जाय?इस तरह के अनेक सवाल देश के हर नागरिक के दिमाग में कौंध रहे हैं। दरिंदों,बलात्कारियों ने कोलकाता में सारी हदें पार कर दी और राज्य सरकार की महिला मुख्यमंत्री अपराधी को बचाने के लिए धरने पर बैठी हुई है, लगता है हम राजनीति के बर्बर युग में जी रहे हैं, अब हमें शर्म के साथ घिन भी राज्य और केंद्र सरकार की राजनीतिक दलीलों के साथ तमाम आरोप प्रत्यारोपों को सुनकर। लज्जित हुई स्त्रियां, लज्जित हुआ है समाज। भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश है। भारत की जनसंख्या में पुरुषों के साथ-साथ की स्त्रियों तथा बच्चों की भी जनसंख्या भी बहुत ज्यादा है। देश में स्त्री शोषण तथा बाल अत्याचार की विविधता और धार्मिक कट्टरता को देखते हुए नारियों को शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है, विशेष तौर पर स्त्री तथा बालिकाओं को बुनियादी शिक्षा तथा साक्षरता की महती आवश्यकता देश में महसूस की जा रही है। स्त्रियां अपने परिवार ,घर और समाज की देखरेख करती हैं अतः उनका शिक्षित होना बहुत ज्यादा आवश्यक भी है, बच्चे देश का भविष्य हैं अतः उनका शिक्षित होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी भी देश के एक सफल नागरिक को होना चाहिए। स्त्री शिक्षित होंगी तो स्वयं और अपने परिवार को अच्छे बुरे और असामाजिक घटनाओं से सचेत रहने की शिक्षा भी दे सकती हैं जिससे एक सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आंदोलन की महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि को तैयार किया जा सकता है।

भाद्रपद का महत्त्व और इस माह क्या करें और क्या नहीं

सावन की समाप्ति के बाद हिन्दू पंचांग का छठवां महीना, जिसे भाद्रपद या भादो भी कहा जाता है, 20 अगस्त 2024 से शुरू होगा। यह महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसमें कई प्रमुख त्योहार और व्रत आते हैं। भाद्रपद मास का समापन 18 सितंबर 2024 को होगा, जो भाद्रपद पूर्णिमा और पितृ पक्ष की शुरुआत का दिन भी होगा।

भाद्रपद मास की पूजा और व्रत

भाद्रपद मास में भगवान श्रीकृष्ण, भगवान विष्णु, भगवान गणेश, भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की पूजा करने का विशेष महत्व है। इस महीने में किए जाने वाले व्रत और पूजा से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। भाद्रपद में विशेष रूप से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी और अनंत चतुर्दशी जैसे प्रमुख त्योहार मनाए जाते हैं।

भाद्रपद मास में स्वास्थ्य का ध्यान

भाद्रपद का महीना ऋतु परिवर्तन का समय होता है, जिससे शरीर में कई बदलाव होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इस महीने में हल्का और सात्विक भोजन करना चाहिए, ताकि पाचन तंत्र ठीक रहे। इस महीने में योग, प्राणायाम और कसरत को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। तला-भुना और मसालेदार भोजन से बचें और अधिक से अधिक पौष्टिक आहार का सेवन करें।

भाद्रपद माह में क्या करें

भगवान की पूजा: इस महीने भगवान श्रीकृष्ण को तुलसी और माखन का भोग लगाना शुभ माना जाता है। साथ ही भगवान गणेश की विशेष पूजा करें, क्योंकि गणेश चतुर्थी का पर्व इसी महीने में आता है।

तुलसी का सेवन: इस महीने में तुलसी का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

सात्विक भोजन: भाद्रपद मास में सात्विक भोजन का सेवन करना चाहिए, जो पाचन के लिए अच्छा होता है।

भाद्रपद माह में क्या न करें

कच्ची चीजों का सेवन न करें: इस महीने में कच्ची चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए, विशेष रूप से दही और गुड़ का।

मांस-मदिरा का सेवन न करें: धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भाद्रपद में मांस और मदिरा का सेवन वर्जित है, क्योंकि इससे देवताओं का अपमान होता है।

रविवार को बाल न कटवाएं: इस महीने में रविवार के दिन बाल कटवाना और नमक का प्रयोग करने से बचें।

भाद्रपद माह के प्रमुख त्योहार

भाद्रपद माह में कई महत्वपूर्ण त्योहार आते हैं जैसे कजरी तीज, कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, अनंत चतुर्दशी, और राधा अष्टमी। यह सभी त्योहार धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और इनका पालन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जाता है। भाद्रपद मास का महीना न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्वास्थ्य और शांति के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस महीने में भगवान श्रीकृष्ण, भगवान गणेश और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही इस दौरान स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए और सात्विक जीवनशैली अपनानी चाहिए।

मंगलवार के दिन जरूर करें ये उपाय

1. अगर आप अपने बड़े भाई के साथ रिश्ते में प्यार बरकरार रखना चाहते हैं तो आज के दिन आपको दो पत्थर के टुकड़े लेकर उन्हें लाल रंग से रंगना चाहिए और अपने भाई के हाथ से छुआना चाहिए। अब उनमें से एक पत्थर को बहते जल में प्रवाहित कर दें और दूसरे पत्थर को संभालकर हमेशा अपने पास रखें।

2. अगर आप कर्ज के बोझ तले फंसे हैं और उससे जल्द से जल्द बाहर निकलना चाहते हैं तो आज के दिन आपको लेनदार को ज्यादा ना सही लेकिन कुछ राशि चाहें तो एक रुपया ही जरूर लौटाना चाहिए और अगली किश्त भी जब तैयार हो तो मंगलवार के दिन ही चुकाएं।

3. अगर आपके घर में जल्द ही कोई मांगलिक कार्यक्रम होने वाला है और आप उसकी सफलता सुनिश्चित करना चाहते हैं तो आज के दिन आपको शिव मंदिर में जाकर भगवान शिव को अपने हाथ के बराबर लंबा सफेद सूत का धागा भेंट करना चाहिए।

4. अगर आप अपने कार्यों की सफलता को लेकर बहुत ज्यादा घबराते हैं या जब तक आपका काम न बन जाये तब तक आपको एक टेंशन-सी बनी रहती है तो आज के दिन आपको अपनी माता से आशीर्वाद के रूप में एक मुट्ठी चावल प्राप्त करने चाहिए और उन्हें एक पोटली में बांधकर अपने पास संभालकर रखना चाहिए।

5. अगर आप अपने घर की सुख-समृद्धि बनाये रखना चाहते हैं तो आज के दिन आपको मंदिर में दूध का दान करना चाहिए और अपने घर के बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए।

6. अपने घर की सुख-समृद्धि के लिए अपने परिवार को हर बुरी नजर से बचाये रखने के लिए आज आपको एक छोटा-सा मिट्टी का बर्तन लेना चाहिए। अब उस बर्तन में शहद डालना चाहिए और उसके ऊपर ढक्कन लगाना चाहिए। इस प्रकार मिट्टी के बर्तन में शहद डालकर उस पर ढक्कन लगाकर हनुमान जी के मंदिर में रख आयें।

7. अगर आप संतान सुख पाना चाहते हैं तो आज स्नान आदि के बाद एक जटा वाला नारियल और सवा मीटर लाल कपड़ा लें। अब नारियल पर उस लाल कपड़े को लपेट दें। इस प्रकार लाल कपड़े से लिपटे हुए नारियल को हनुमान जी के मंदिर में चढ़ा दें। उसके बाद मंदिर में या फिर अपने ही घर में उचित स्थान पर बैठकर हनुमानष्टक का पाठ करें।

8. अगर आप अपने परिवार की खुशियां बरकरार रखना चाहते हैं तो आज स्नान आदि के बाद थोड़े-से चमेली के फूलों को इकट्ठा करें। अब उन चमेली के फूलों की माला बनाएं और हनुमान जी के मंदिर में जाकर भगवान को वो माला अर्पित करें। साथ ही अपने परिवार की खुशियों की दुआ करते हुए एक धूपबत्ती भी जलाएं।

9. अगर आप अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना चाहते हैं तो इसके लिए आज आपको स्नान आदि के बाद साफ कपड़े पहनकर देवी दुर्गा की विधि-पूर्वक धूप-दीप आदि से पूजा करनी चाहिए और पूजा के समय ही एक एकाक्षी नारियल लेकर उस पर सात बार मौली लपेटकर देवी मां के सामने रखना चाहिए। पूजा के बाद उस एकाक्षी नारियल को वहां से उठाकर अपनी तिजोरी या अपनी पैसों वाली अलमारी में रख लें।

जब भगवान विष्णु का मस्तक कटकर अदृश्य हो गया

एक समय की बात है। हयग्रीव नाम का एक परम पराक्रमी दैत्य हुआ। उसने सरस्वती नदी के तट पर जाकर भगवती महामाया की प्रसन्नता के लिए बड़ी कठोर तपस्या की। वह बहुत दिनों तक एक समय की बात है। हयग्रीव नाम का एक परम पराक्रमी दैत्य हुआ। उसने सरस्वती नदी के तट पर जाकर भगवती महामाया की प्रसन्नता के लिए बड़ी कठोर तपस्या की। वह बहुत दिनों तक बिना कुछ खाए भगवती के मायाबीज एकाक्षर महामंत्र का जाप करता रहा। उसकी इंद्रियां उसके वश में हो चुकी थीं। सभी भोगों का उसने त्याग कर दिया था। उसकी कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर भगवती ने उसे तामसी शक्ति के रूप में दर्शन दिया। भगवती महामाया ने उससे कहा, ''महाभाग! तुम्हारी तपस्या सफल हुई। मैं तुम पर परम प्रसन्न हूं। तुम्हारी जो भी इच्छा हो मैं उसे पूर्ण करने के लिए तैयार हूं। वत्स! वर मांगो।''

भगवती की दया और प्रेम से ओत-प्रोत वाणी सुनकर हयग्रीव की प्रसन्नता का ठिकाना न रहा। उसके नेत्र आनंद के अश्रुओं से भर गए। उसने भगवती की स्तुति करते हुए कहा, ''कल्याणमयी देवि! आपको नमस्कार है। आप महामाया हैं। सृष्टि, स्थिति और संहार करना आपका स्वाभाविक गुण है। आपकी कृपा से कुछ भी असंभव नहीं है। यदि आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो मुझे अमर होने का वरदान देने की कृपा करें।''

देवी ने कहा, ''दैत्य राज! संसार में जिसका जन्म होता है, उसकी मृत्यु निश्चित है। प्रकृति के इस विधान से कोई नहीं बच सकता। किसी का सदा के लिए अमर होना असंभव है। अमर देवताओं को भी पुण्य समाप्त होने पर मृत्यु लोक में जाना पड़ता है। अतः तुम अमरत्व के अतिरिक्त कोई और वर मांगो।''

हयग्रीव बोला, ''अच्छा तो हयग्रीव के हाथों ही मेरी मृत्यु हो। दूसरे मुझे न मार सकें। मेरे मन की यही अभिलाषा है। आप उसे पूर्ण करने की कृपा करें।''

'ऐसा ही हो'। यह कह कर भगवती अंतर्ध्यान हो गईं। हयग्रीव असीम आनंद का अनुभव करते हुए अपने घर चला गया। वह दुष्ट देवी के वर के प्रभाव से अजेय हो गया। त्रिलोकी में कोई भी ऐसा नहीं था, जो उस दुष्ट को मार सके। उसने ब्रह्मा जी से वेदों को छीन लिया और देवताओं तथा मुनियों को सताने लगा। यज्ञादि कर्म बंद हो गए और सृष्टि की व्यवस्था बिगड़ने लगी। ब्रह्मादि देवता भगवान विष्णु के पास गए, किन्तु वे योगनिद्रा में निमग्न थे। उनके धनुष की डोरी चढ़ी हुई थी। ब्रह्मा जी ने उनको जगाने के लिए वम्री नामक एक कीड़ा उत्पन्न किया।

ब्रह्मा जी की प्रेरणा से उसने धनुष की प्रत्यंचा काट दी। उस समय बड़ा भयंकर शब्द हुआ और भगवान विष्णु का मस्तक कटकर अदृश्य हो गया। सिर रहित भगवान के धड़ को देखकर देवताओं के दुख की सीमा न रही। सभी लोगों ने इस विचित्र घटना को देखकर भगवती की स्तुति की। भगवती प्रकट हुई। उन्होंने कहा, ''देवताओ चिंता मत करो। मेरी कृपा से तुम्हारा मंगल ही होगा। ब्रह्मा जी एक घोड़े का मस्तक काटकर भगवान के धड़ से जोड़ दें। इससे भगवान का हयग्रीवावतार होगा। वे उसी रूप में दुष्ट हयग्रीव दैत्य का वध करेंगे।''

ऐसा कह कर भगवती अंतर्ध्यान हो गई।

भगवती के कथनानुसार उसी क्षण ब्रह्मा जी ने एक घोड़े का मस्तक उतारकर भगवान के धड़ से जोड़ दिया। भगवती के कृपा प्रसाद से उसी क्षण भगवान विष्णु का हयग्रीवावतार हो गया। फिर भगवान का हयग्रीव दैत्य से भयानक युद्ध हुआ। अंत में भगवान के हाथों हयग्रीव की मृत्यु हुई। हयग्रीव को मारकर भगवान ने वेदों को ब्रह्मा जी को पुनः समर्पित कर दिया और देवताओं तथा मुनियों का संकट निवारण किया।

ये है भारत के सबसे मशहूर कृष्ण मंदिर

भारत में श्रीकृष्ण के कई प्रमुख मंदिर हैं, जो श्रद्धालुओं को अपनी दिव्य उपस्थिति से आकर्षित करते हैं। जन्माष्टमी के मौके पर इन मंदिरों का दौरा करना एक विशेष अनुभव हो सकता है। यहां भारत के कुछ प्रमुख श्रीकृष्ण मंदिरों की सूची दी गई है:

जगन्नाथ मंदिर, पुरी

जगन्नाथ मंदिर ओडिशा के पुरी में स्थित है और यह भगवान कृष्ण के एक प्रमुख मंदिर के रूप में जाना जाता है। यहां भगवान कृष्ण के साथ उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा की मूर्तियां भी स्थापित हैं। हर 12 साल में इन लकड़ी की मूर्तियों को एक शाही रीतिरिवाज से बदला जाता है। यह मंदिर भारत की पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है।

श्रीनाथ जी, नाथद्वारा

श्रीनाथ जी मंदिर राजस्थान के नाथद्वारा में स्थित है। यहां भगवान कृष्ण के बाल रूप की पूजा की जाती है। यह मंदिर अपने भव्य डिजाइन और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।

बांके बिहारी मंदिर, वृंदावन

बांके बिहारी मंदिर वृंदावन में स्थित है और यह यहां के

सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यहां भगवान कृष्ण की मूर्ति त्रिभंग मुद्रा में स्थापित है। इस मंदिर में हर दिन भक्तों की बड़ी भीड़ होती है।

उडुपी श्री कृष्ण मठ, उडुपी

कर्नाटक के उडुपी में स्थित श्री कृष्ण मठ एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। इस मंदिर के आसपास कई अन्य धार्मिक स्थल भी हैं, जो दर्शनार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

गुरुवायुर श्री कृष्ण मंदिर, गुरुवायुर

केरल के गुरुवायुर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण को समर्पित है। यह मंदिर दक्षिण भारत के द्वारका के रूप में प्रसिद्ध है और भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है।

द्वारकाधीश मंदिर, द्वारका

गुजरात के द्वारका में स्थित

द्वारकाधीश मंदिर भगवान कृष्ण को समर्पित है। इस मंदिर की विशेषता इसके 72 स्तंभों और पांच मंजिलों से बनी संरचना है। इसे जगत मंदिर भी कहा जाता है।

इस्कॉन टेम्पल

अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ के मंदिर विश्वभर में फैले हुए हैं। ये मंदिर भगवान कृष्ण के भव्य रूपों से निर्मित हैं और विभिन्न जातियों और धर्मों के भक्तों को आकर्षित करते हैं।

प्रेम मंदिर, वृंदावन

प्रेम मंदिर वृंदावन के एक दिव्य क्षेत्र में स्थित है और इसे आध्यात्मिक गुरु कृपालु महाराज ने स्थापित किया था। इस मंदिर में भगवान कृष्ण के जीवन की झांकियां और उनकी दिव्यता को दर्शाया गया है।

इन मंदिरों की यात्रा करने से न केवल धार्मिक अनुभव होता है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का भी आनंद लिया जा सकता है।

सारा अली खान ने मनाया रक्षा बंधन, भाई इब्राहिम के साथ जेह को भी बांधी राखी

सारा अली खान अपने परिवार के बेहद करीब हैं और अक्सर उनके साथ त्यौहार मनाते हुए अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं. एक्ट्रेस ने आज भाई इब्राहिम अली खान और जेह अली खान के साथ रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया, जिसकी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं.

सारा ने पोस्ट के साथ दिए एक कैप्शन में लिखा है, हैप्पी रक्षा बंधन! अपने करीबियों के साथ प्यार के बंधन का जश्न मना रही हूं.' फैंस सैफ अली खान के घर पर उनके फैमिली सेलिब्रेशन को देखकर रोमांचि हो रहे हैं.

सारा अपने भाइयों को राखी बांधने की रस्म निभाती नजर आ रही हैं. सारा अपने छोटे भाई इब्राहिम अली खान को राखी बांधी हैं. दोनों के बीच खूबसूरत बॉन्ड की झलक मिल रही है. त्यौहार की फोटोज वायरल हो रही हैं.

सारा एक अन्य तस्वीर में अपने दूसरे भाई जेह को राखी बांधती हुई दिख रही हैं, जो उनकी सौतेली मां करीना कपूर के साथ उनके करीबी संबंधों को बयां करती है. तस्वीरों में सैफ अली खान, सोहा अली खान और करीना कपूर भी नजर आ रहे हैं.

सारा अली खान की फैमिली फोटो रक्षा बंधन के सार को दर्शाती है, हालांकि तस्वीरों में करीना के बड़े बेटे तैमूर अली खान और सोहा की बेटी इनाया नजर नहीं आईं. सारा अली खान खुद को सैक्युलर मानती हैं. वे इस्लाम और हिंदू धर्म से जुड़े त्यौहारों का खुलकर जश्न मनाती हैं. वे शिव भगवान की बड़ी भक्त भी हैं.

एक्ट्रेस अमृता सिंह से सैफ अली खान के दो बच्चे सारा और इब्राहिम हैं, जबकि करीना कपूर से उनके दो बेटे तैमूर और जेह हैं.

कैमरे के आगे ही नहीं, पीछे भी 'दंगल' अभिनेत्री करती हैं कमाल, फोटोग्राफी का है जुनून

आमिर खान की फिल्म 'दंगल' से बॉलीवुड में मशहूर होने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने 'विश्व फोटोग्राफी दिवस' पर फोटोग्राफी के प्रति अपने जुनून के बारे में बताया। फिल्मी पर्दे पर फातिमा को उनकी अदाकारी के लिए पहचाना जाता है, लेकिन अभिनय के अलावा फातिमा को फोटोग्राफी से भी प्यार है। उन्हें दुनिया को कैमरे में कैद करने में मजा आता है। एएनआई के मुताबिक फातिमा की टीम द्वारा साझा किए गए कोट में, अभिनेत्री ने बताया कि कैसे फोटोग्राफी उन्हें दुनिया को एक नई रोशनी में देखने देती है।

फोटोग्राफी करती है अधिक जागरूक

अभिनेत्री ने कहा, 'मेरे लिए फोटोग्राफी, समय में पलों और भावनाओं को रोकने का एक तरीका है। जब मेरे हाथ में कैमरा होता है तो मैं अपने आस-पास के बारे में अधिक जागरूक होती हूं। मैं उन चीजों को नोटिस करती हूं जो मैं सामान्य तौर पर नहीं कर पाती। पल, हाव-भाव, चेहरे। मुझे लोगों की तस्वीरें लेना बहुत पसंद है! उनकी आंखें और हाथ बहुत कुछ बता देते हैं।'

फोटोग्राफी करती हैं साझा

फातिमा सना शेख अक्सर अपने इंस्टाग्राम पर अपनी फोटोग्राफी साझा करती रहती हैं। उनके प्रशंसकों को उनकी फोटोग्राफी काफी पसंद आती है। भावना और रचनात्मकता से भरपूर उनकी तस्वीरें कला से उनके गहरे जुड़ाव को दिखाती हैं। इससे पता चलता है कि उनकी प्रतिभा कैमरे के सामने और पीछे दोनों ही जगहों पर समान रूप से बेहतर है।

फातिमा सना शेख का वर्क फ्रंट

फातिमा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में अली फजल के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी और कोंकणा सेन शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म इस साल 29 मार्च को सिनेमाघरों में आने वाली थी लेकिन अब यह 29 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी।

क्यों की अमिताभ बच्चन की फिल्म 'जंजीर? जया बच्चन का कैमरे पर पहली बार खुलासा

अमेजन प्राइम वीडियो की बहुप्रतीक्षित डॉक्यू सीरीज 'एंग्री यंग मेन' की रिलीज में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। इंदौर के एक रईस परिवार से ताल्लुक रखने वाले सलीम खान और अपने पिता से रूठे रहकर मुंबई में फाकाकशी करने वाले जावेद अख्तर की दोस्ती और फिर अलग होने की कहानी कहती इस सीरीज में इन दोनों के करीबियों के ढेर सारे इंटरव्यू बताए जाते हैं। और, सबसे करीबी खुलासे बताते हैं कि इस सीरीज में जावेद अख्तर की पहली पत्नी हनी ईरानी और अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन ने किए हैं। जया बच्चन ने तो बताते हैं कि पहली बार कैमरे पर ये बताया है कि आखिर उन्होंने फिल्म 'जंजीर' का हिस्सा बनने की बात क्यों मानी?

पहले बात हनी ईरानी की। 'लम्हे', 'क्या कहना' और 'कहो ना प्यार है' के लेखन के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने वाली हनी ईरानी ने फिल्मों में अभिनय भी खूब किया है। फिल्म 'सीता और गीता' में अभिनय के दौरान इसी फिल्म के सेट पर उनकी मुलाकात जावेद अख्तर से हुई। जावेद ताश खेल रहे थे और लगातार हार रहे थे, तो उन्होंने हनी ईरानी से एक कार्ड निकालने को कहा। हनी ने कार्ड निकाला और जावेद अख्तर हारी हुई बाजी जीत गए। हनी ने ताश के पत्तों की बाजी तो जीत ली लेकिन ये बाजी वह निजी जीवन में हार जाएंगी, इसका जिक्र उन्होंने प्राइम वीडियो पर प्रसारित होने जा रही तीन एपिसोड की डॉक्यू सीरीज 'एंग्री यंग मेन' में किया है।

सूत्र बताते हैं कि इस बारे में बात करते करते वह रो भी पड़ीं। डॉक्यू सीरीज 'एंग्री यंग मेन' हिंदी सिनेमा की मशहूर लेखक जोड़ी सलीम खान और जावेद अख्तर के रुआब की कहानी कहती है। ये सीरीज बताती है कि दोनों कैसे इंदौर और भोपाल से आकर बंबई (अब मुंबई) में लंबे अरसे तक संघर्ष करते रहे, कैसे निर्देशक एस एम सागर के सहायक सुधीर वाही के कहने पर वह सिप्पी फिल्म्स पहुंचे, वहां कई बरस तक 750 रुपये महीने पर नौकरी करते रहे और इससे पहले कैसे फिल्म 'सरहदी लुटेरा' की शूटिंग पर पहली बार दोनों मिले।

इस सीरीज में हिंदी सिनेमा के तमाम दिग्गज सितारों ने सलीम-जावेद से अपनी पहली मुलाकात का जिक्र किया है और इसमें बताते हैं कि वह किस्सा भी शामिल है जिसमें धर्मेंद्र के पास असिस्टेंट के तौर पर पहुंचे जावेद अख्तर को तगड़ी डांट पड़ी थी। इस सीरीज को देखते हुए दर्शकों को हाल के दिनों में राज्यसभा में हुआ वह वाकया भी याद आ सकता है जब जया बच्चन ने अपना नाम अमिताभ के साथ लिए जाने पर एतराज जताया था।

जानकारी के मुताबिक इस सीरीज में खुद जया बताती हैं कि जब कोई हीरोइन फिल्म 'जंजीर' में अमिताभ के साथ काम नहीं कर रही थी तो उन्होंने इसके लिए हां की थी, और ये भी बताया कि आखिर ये हां उन्होंने की क्यों थी? जया बच्चन ने इसके अलावा जावेद अख्तर और सलीम खान के बारे में विस्तार से बातें की हैं। बताते हैं कि सलीम-जावेद अपने उनवान के दिनों में अपनी बेतकल्लुफी के लिए काफी बदनाम रहे हैं।

लेदर के सामानों के चलते कई बार ट्रोल हुईं हैं आलिया भट्ट, पसंद हैं महंगे बैग

आलिया भट्ट बॉलीवुड की बेहद पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह अभिनय के अलावा प्रोफेशनल क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाती हैं। हाल ही में, उन्होंने 'पोचर' वेब सीरीज का प्रोडक्शन किया। यह सीरीज जानवरों के शिकार के बारे में जागरूकता पर आधारित है। इसका निर्माण आलिया ने क्यूसी एंटरटेनमेंट के एडवर्ड एच. हैम जूनियर, रेमंड मैन्सफील्ड और सीन मैककिट्रिक के साथ मिलकर किया है।

हालांकि, अवैध पशु शिकार के खिलाफ कदम उठाने के तुरंत बाद अभिनेत्री नेटिजन्स के निशाने पर आ गईं। उन्होंने कहना शुरु कर दिया कि आलिया के पास कई चमड़े के उत्पाद हैं। इसके लिए उनकी काफी आलोचना भी हुई। आइए आज जानते हैं कि आलिया भट्ट के पास कौन-कौन से चमड़े के उत्पाद हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया था कि किशोरावस्था में उन्होंने अपने पैसे से जो पहली महंगी चीज खरीदी थी, वह लुई वुइटन बैग था। इसके बारे में उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा, 'मैं बैग पर सबसे ज्यादा पैसे खर्च करती हूं। मुझे वे बहुत पसंद हैं।'

आपको बता दें कि रिपोर्ट्स के अनुसार आलिया भट्ट वर्तमान में प्रतिष्ठित फैशन लेबल, 'गुच्ची' की 'ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर' हैं। 5 मार्च, 2024 को मुंबई के जियो वर्ल्ड प्लाजा में ब्रांड के स्टोर लॉन्च के दौरान, आलिया ने इसमें शिरकत की। इस दौरान उन्होंने उसी ब्रांड का काले रंग का लेदर काफ हैंडबैग लिया था, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। रिपोर्ट्स के मुताबिक वेबसाइट पर बैग की कीमत 2,35,967 रुपये थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक बार साल 2021 में, आलिया को 'स्पीक अप फॉर एनिमल्स' कैप्शन वाली टी-शर्ट पहने देखा गया था। उन्होंने ओवरसाइज्ड टी-शर्ट को ब्लैक शॉर्ट्स, सनग्लासेस और व्हाइट स्नीकर्स के साथ पेयर किया था। हालांकि, इस दौरान आलिया को लेदर बैग ले जाते हुए देखा गया था, जिसके बाद उन्हें काफी ट्रोल किया गया था।

इसी तरह कई बार अभिनेत्री आलिया भट्ट को लेदर बैग के साथ देखा गया। आलिया अपने फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। एक बार, जब उन्हें एयरपोर्ट पर देखा गया, तो वे डेनिम ड्रेस के साथ कूल शेड्स, हल्के मेकअप और बन हेयरस्टाइल में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इसके अलावा, उन्हें इलेक्ट्रिक ब्लू रंग का केली बैग ले जाते हुए देखा गया, जो बेहद क्लासी लग रहा था। थोड़ी रिसर्च करने पर पता चला कि बैग की कीमत 5-6 लाख रुपये के बीच है।

ममूटी को क्यों नहीं मिला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जूरी सदस्य ने दुख जताते हुए बता दी वजह

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के एलान के बाद से ही हम देख रहे हैं कि जिन कलाकारों को पुरस्कार नहीं मिला, उनके प्रशंसक काफी मायूस नजर आ रहे हैं। हाल ही में, साई पल्लवी के फैंस को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नाराजगी जाहिर करते हुए देखा गया था। इसी सिलसिले में अब राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की जूरी के एक सदस्य ने ममूटी को पुरस्कार नहीं मिलने के मामले पर अपनी बात रखी है।

एमबी पद्मकुमार ने मनोरमा ऑनलाइन को दिए एक साक्षात्कार में अभिनेता ममूटी को पुरस्कार नहीं मिलने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के 70वें संस्करण के लिए निर्माताओं ने ममूटी की किसी फिल्म को नहीं भेजा था। बता दें कि एमबी पद्मकुमार एक दक्षिण भारतीय अभिनेता हैं और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की जूरी के सदस्य भी थे।

साल 2022 में ममूटी अभिनीत फिल्म 'नानपाकल नेराथु मयक्कम' काफी चर्चित रही थी। इसका निर्देशन लिजो जोस पेलिसरी ने किया था। एमबी पद्मकुमार का मानना है कि यह फिल्म राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में कमाल कर सकती थी। उन्होंने इस फिल्म को अवॉर्ड के लिए एक मजबूत दावेदार करार दिया।

ममूटी को पुरस्कार नहीं मिलने से उनके प्रशंसकों के साथ-साथ एमबी पद्मकुमार भी दुखी नजर आए। एमबी ने कहा कि ममूटी सर ने काफी बारीकी के साथ अभिनय किया था और सभी लोगों को उम्मीद थी कि उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। एमबी पद्मकुमार ने जूरी का सदस्य होने के नाते साफ-साफ शब्दों में कहा कि ममूटी को अवॉर्ड नहीं मिलने के पीछे राजनीति या सरकार की ओर से किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं था। उन्होंने बताया कि 'नानपाकल नेरेट मायाकोम' फिल्म के बाद से अभिनेता ने किसी फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के लिए नहीं भेजा है।

श्रद्धा कपूर ने बचपन में किया था वरुण धवन को प्रपोज, जवाब मिला- मुझे स्त्रियां पसंद नहीं

श्रद्धा कपूर की नई फिल्म 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म हर दिन कोई न कोई रिकॉर्ड तोड़ रही है। 'स्त्री 2' में अभिनेता वरुण धवन ने कैमियो किया है। उन्होंने इससे पहले दिनेश विजान द्वारा ही निर्मित हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भेड़िया' में अहम भूमिका निभाई थी। श्रद्धा कपूर और वरूण धवन की बात करें तो दोनों का रिश्ता काफी पुराना है। हाल ही में एक साक्षात्कार में श्रद्धा ने अपने और वरूण से जुड़ी कुछ मजेदार बातें साझा की है।

'स्त्री 2' की सफलता से उत्साहित श्रद्धा कपूर को हाल ही में, शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट में देखा गया। बातचीत के दौरान श्रद्धा ने बताया कि एक बार वरूण धवन ने उनका प्रपोजल रिजेक्ट कर दिया था। दरअसल, श्रद्धा को अपने बचपन के दिनों में वरुण धवन पर क्रश था।

श्रद्धा ने पूरा किस्सा बताते हुए कहा कि बचपन में दोनों एक फिल्म की शूटिंग पर गए हुए थे, जिसमें दोनों के पिता काम कर रहे थे। उसी दौरान दोनों बच्चे खेलते-कूदते एक पहाड़ की चोटी पर पहुंचे और यही वो जगह थी, जहां नन्ही श्रद्धा ने वरुण को प्रपोज किया था।

श्रद्धा ने अलग ही अंदाज में वरुण धवन से अपने प्यार का इजहार किया था। उन्होंने कहा था कि मैं एक उल्टी बात बोलूंगी वरुण और आप उसका मतलब समझ जाना। इसके बाद श्रद्धा ने 'आई लव यू' न कहकर 'यू लव आई' कह दिया। इतना सुनते ही वरुण ये कहकर भाग गए कि उन्हें लड़कियां पसंद नहीं हैं।

यह पहला मौका नहीं है, जब 'स्त्री 2' के जरिए श्रद्धा कपूर और वरूण धवन ने साथ में काम किया हो। दोनों इससे पहले रेमो डिसूजा द्वारा निर्देशित डांस पर आधारित फिल्म 'एबीसीडी 2' और 'स्ट्रीट डांसर' में काम कर चुके हैं। 'स्त्री 2' के अन्य कलाकारों की बात करें तो इनमें राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी भी शामिल हैं।

जूनियर एनटीआर को चोट लगने के कारण आगे खिसका ऋतिक की फिल्म का शूटिंग शेड्यूल

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'देवरा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर वे बॉलीवुड फिल्म 'वॉर 2' को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ इस फिल्म में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग वे पहले ही शुरू कर चुके हैं। हालांकि, अब अभिनेता को लेकर परेशान करने वाली खबर सामने आई है। फिल्म की शूटिंग अभी चल रही है, वहीं इस बीच एक

खबर आई है कि जूनियर एनटीआर सेट पर घायल हो गए हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, जूनियर एनटीआर एक एक्शन सीन की तैयारी कर रहे थे, तभी उनके हाथ में चोट लग गई। इसके चलते उन्हें दो महीने आराम करने की सलाह दी गई है। खबर है कि इस वजह से मुंबई शेड्यूल आगे खिसक गया है। जूनियर एनटीआर के साथ सीन अब अक्तूबर में उनके ठीक होने के बाद शूट किया जाएगा। इसका मतलब है कि यह सीन उनकी फिल्म 'देवरा' की रिलीज के बाद फिल्माया जाएगा। 'देवरा' 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेता फिल्म में अपने एंट्री सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे थे, जिसमें उन्हें एक्शन सीन शूट करना था। हालांकि, चोट लगने के कारण वह सेट हटा दिया गया है और अब वे अक्तूबर में दोबारा शूटिंग शुरू करेंगे। ऐसे में अब 'वॉर 2' की शूटिंग में आगे खिसक गई है। 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी हैं, जो फिल्म में एक्शन करती दिखेंगी।

ऋतिक और कियारा अपने एंट्री सीन्स की शूटिंग कर चुके हैं। 'वॉर 2' वाईआरएफ द्वारा बनाई गई स्पाई दुनिया की छठी फिल्म होगी। इससे पहले आई फिल्मों में एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है , वॉर, पठान और टाइगर 3 शामिल हैं। यह फिल्म अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित है। फिल्म में जूनियर एनटीआर खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म भारत के स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले 14 अगस्त, 2025 को बड़े पर्दे पर आने वाली है।

वहीं जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म के बारे में बात करें तो वे 'देवरा' के निर्माण में भी व्यस्त हैं। हाल ही में फिल्म से नया गाना जारी हुआ था, जिसमें वे अभिनेत्री जान्हवी कपूर के साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आए थे। वहीं फिल्म में अभिनेता के लिए ओपनिंग सॉन्ग भी फिल्माया जा रहा है। यह फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मिथुन चक्रवर्ती ने की बंगाल सरकार की आलोचना पीड़ित के लिए मांगा न्याय

अभिनेता और राजनेता मिथुन चक्रवर्ती ने हाल ही में पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना की है। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के लिए न्याय की मांग की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भाजपा पश्चिम बंगाल के आधिकारिक एक्स अकाउंट ने एक वीडियो साझा किया जिसमें मिथुन अपनी निराशा व्यक्त करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

क्या कहा मिथुन ने?

रिपोर्ट्स के मुताबिक वीडियो में मिथुन कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, 'मैं कई बार कई जगहों पर कह चुका हूं कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की स्थिति बहुत डरावनी होगी। एक बंगाली होने के नाते, मैं अपना सिर ऊपर करके नहीं चल सकता।' अभिनेता ने आगे कहा, 'मेरी सहानुभूति पीड़ित परिवार के साथ है। जो लोग इसमें शामिल हैं, उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर दंडित किया जाना चाहिए।' ट्विटर पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'पश्चिम बंगाल में छात्राओं की हत्या जैसे अत्याचार, महिलाओं की असुरक्षा के विरोध में मिथुन चक्रवर्ती की स्पीच और 'अभया' के लिए न्याय की मांग।'

स्ट्रोक के चलते अस्पताल में हुए थे भर्ती

बता दें कि फरवरी 2024 में शूटिंग के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद मिथुन को कोलकाता के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें मस्तिष्क में स्ट्रोक का पता चला था।

हालांकि, बाद में, उन्हें 12 फरवरी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक अस्पताल में भर्ती होने पर अभिनेता ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि सभी को अपने आहार पर नियंत्रण रखना चाहिए। बता दें कि मिथुन चक्रवर्ती को आखिरी बार सुमन घोष की हिट बंगाली फिल्म 'काबुलीवाला' में देखा गया था।

इन दिनों तेजी से बढ़ रहा है मौसमी बुखार का खतरा, ऐसे करें बचाव

मौसमी बुखार (सीजनल फीवर) एक आम स्वास्थ्य समस्या है, मौसम में होने वाले बदलाव के कारण इसका जोखिम देखा जाता रहा है। इन दिनों कभी बारिश-कभी धूप जैसे बदलते मौसम के कारण इस रोग के मामले बढ़ते देखे जा रहे हैं। असल में मौसम बदलने के दौरान वातावरण में होने वाला परिवर्तन विभिन्न प्रकार के वायरस और बैक्टीरिया को अधिक सक्रिय कर देता है। इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण सीजनल बुखार होता है, जिसमें बुखार, सिरदर्द के साथ शरीर में दर्द और कमजोरी बनी रहती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है वे मौसम में बदलाव के दौरान संक्रमण और बुखार के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है।

मौसमी बुखार के क्या कारण हैं और इससे बचाव के लिए किन उपायों को प्रयोग में लाना बेहतर हो सकता है?

फ्लू और इसके कारण होने वाली समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, फ्लू के वायरस हमेशा हमारे आस-पास मौजूद रहते हैं और अनुकूल परिस्थितियों में इसके मामले बढ़ जाते हैं। इंफ्लूएंजा

वायरस संक्रामक माना जाता है जिसके एक से दूसरे व्यक्तियों में तेजी से बढ़ने का खतरा हो सकता है। कुछ लोगों को फ्लू के संक्रमण में तेज बुखार की भी दिक्कत हो सकती है। समय रहते वायरल संक्रमण के लक्षणों की पहचान कर इसका इलाज प्राप्त करना जरूरी है।

कैसे होते हैं वायरल फीवर के लक्षण

वायरल फीवर और फ्लू के कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम हो सकता है। मौसम बदलते ही इस तरह के लक्षण हो रहे हों तो सावधान हो जाना चाहिए।

शरीर का उच्च तापमान (99 F से 103.5 F; 37.25 C से 39.5 C)

ठंड लगना और कंपकंपी

थकान और कमजोरी महसूस होते रहना।

सिरदर्द और गले में खराश

नाक बहना (राइनोरिया)

मांसपेशियों में दर्द और पसीना आना (पसीना आना)

भूख कम लगना-निर्जलीकरण की समस्या

क्या है इसका इलाज?

इन्फ्लूएंजा से पीड़ित ज्यादातर लोग बिना किसी दवा या उपचार के भी ठीक हो जाते हैं। बुखार और फ्लू के अन्य लक्षणों को कम करने के लिए पैरासिटामोल दवा लेने की सलाह दी जाती है। हाइड्रेटेड रहना (तरल पदार्थों और पानी का सेवन) और शरीर को आराम देकर लक्षणों और जटिलताओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

आइए जानते हैं कि फ्लू संक्रमण से बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

फ्लू संक्रमण और वायरल फीवर से बचाव के लिए क्या करें?

फ्लू के खतरे से बचाव के लिए कुछ उपाय करना आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आहार लें।

नियमित रूप से हाथ धोएं और साफ-सफाई का ध्यान रखें। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनें।

अपने घर और कार्यस्थल को साफ और हवादार रखें, जिससे बैक्टीरिया और वायरस का प्रसार कम हो सके।

यदि आपको एलर्जी की समस्या है, तो उन तत्वों से बचें जो इसे ट्रिगर कर सकते हैं, जैसे परागकण और धूल।

शरीर को हाइड्रेटेड रखें। पानी और अन्य तरल पदार्थों का नियमित सेवन करें ताकि शरीर से विषाक्तता कम हो सके।

बढ़ रहा है डेंगू का खतरा, डेंगू हो जाए तो क्या करें क्या नहीं?

महाराष्ट्र-दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में मच्छर जनित रोग डेंगू के मामले बढ़ते हुए रिपोर्ट किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र में ये बीमारी पिछले वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ रही है। पिछले साल की तुलना में इस बार साल के पहले सात महीनों में राज्य में डेंगू के केस में 83 फीसदी तक का उछाल दर्ज किया गया है। इसी तरह से कर्नाटक-केरल सहित कई अन्य राज्यों को भी प्रभावित देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को डेंगू के खतरे को लेकर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। गंभीर स्थितियों में डेंगू जानलेवा समस्याओं का भी कारण बन सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स पर नजर डालें तो पता चलता है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर में भी डेंगू का खतरा बढ़ रहा है। बारिश और जलजमाव के कारण मच्छर जनित रोगों को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है।

क्या कहते हैं डॉक्टर्स?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोग मच्छरों से बचाव के उपायों पर गंभीरता से ध्यान दें। अमर उजाला से बातचीत में दिल्ली स्थित एक अस्पताल में कंसल्टेंट डॉ दिवाकर सिंह बताते हैं, फिलहाल राजधानी दिल्ली-एनसीआर में डेंगू के मामले नियंत्रित हैं, हालांकि आशंका है कि ये बढ़ सकते हैं।

दिल्ली के कई अस्पतालों में ओपीडी में आ रहे रोगियों में डेंगू का निदान किया जा रहा है। फिलहाल भर्ती होने वाले रोगियों की संख्या कम है।

डेंगू की जटिलताएं

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में बताया डेंगू की समस्या दो-सात दिनों की होती है, हालांकि गंभीर स्थितियों में इसका जोखिम अधिक हो सकता है। इसके कारण सिरदर्द, रेट्रो-ऑर्बिटल पेन, त्वचा पर दाने होने, रक्तस्राव की समस्या का खतरा हो सकता है। बच्चों में डेंगू आमतौर पर हल्का होता है। वहीं कुछ वयस्कों में ये हड्डियों में गंभीर दर्द के साथ अन्य जटिलताओं का कारण बन सकती है।

डेंगू हो जाए तो क्या करें?

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया डेंगू हो जाने पर कुछ बातों पर गंभीरता से ध्यान देना जरूरी है।

डेंगू के मामलों में हर घंटे बुखार पर नजर रखी जानी चाहिए। बुखार की जांच करते रहना चाहिए।

बुखार अगर ठीक नहीं हो रहा है तो प्लेटलेट्स की जांच जरूर कराएं। प्लेटलेट्स का शुरुआती निदान के लिए आवश्यक है।

खूब सारे तरल पदार्थों का सेवन करें।

दर्द के लिए एसिटामिनोफेन (पैरासिटामोल) का उपयोग करें।

इबुप्रोफेन और एस्पिरिन जैसी एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं से बचें।

गंभीर लक्षणों पर नजर रखें और यदि आपको लक्षणों में आराम नहीं मिलता है तो जल्द से जल्द अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

डेंगू की स्थिति में क्या न करें?

डेंगू बुखार के इलाज के लिए एस्पिरिन या ब्रूफेन न लें।

डेंगू के कारण आपकी भूख कम हो सकती है हालांकि आहार का सेवन बंद न करें। नमकीन और मसालेदार भोजन से बचें, इससे निर्जलीकरण और पाचन संबंधी परेशानी बढ़ सकती है।

अगर बुखार 2-3 दिनों में ठीक न हो रहा हो तो डॉक्टर से जरूर मिलें। इलाज में देरी नहीं की जानी चाहिए।

स्लिप डिस्क की समस्या से हैं परेशान, इन चार योगासनों से मिलेगी राहत

कमर और पीठ में दर्द सामान्य है लेकिन कई बार दर्द असहनीय हो जाता है। घंटों गलत पोस्चर में बैठने, गलत लाइफस्टाइल और खानपान के कारण स्लिप डिस्क की शिकायत हो जाती है। स्लिप डिस्क रीढ़ की हड्डी में होने वाली स्वास्थ्य संबंधी स्थिति है, जो सामान्यतः हड्डियों में खराबी और चोट लगने से हो सकती है।

आजकल युवाओं में स्लिप डिस्क की शिकायत बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में लगभग 80 फीसदी युवा स्लिप डिस्क की समस्या से परेशान हैं। स्लिप डिस्क की शिकायत होने पर आखिरी इलाज ऑपरेशन को माना जाता है। हालांकि समय रहते इस समस्या की पहचान कर सही इलाज लिया जा सकता है। इसके लिए योग भी एक असरदार इलाज प्रक्रिया है। स्लिप डिस्क के कारण होने वाले असहनीय दर्द को कम करने के लिए कुछ योगासनों का अभ्यास फायदेमंद हो सकता है।

शवासन

इस आसन को किसी भी योग के अभ्यास के बाद सबसे आखिर में किया जाता है। यह एक कठिन आसन है, जिसे अभ्यास के साथ ठीक तरीके से किया जा सकता है। शवासन के अभ्यास से शरीर और आंतरिक ऊर्जा बेहतर बनती है। स्लिप डिस्क की वजह से होने वाले दर्द को कम करने के लिए शवासन का अभ्यास कर सकते हैं।

भुजंगासन

भुजंगासन से रीढ़ की ऊपरी हड्डियों पर दबाव पड़ता है। इस योगासन में शरीर का आकार फन उठाए सांप जैसा होता है। कमर दर्द से राहत और शरीर को लचीला बनाने के लिए भुजंगासन का अभ्यास कर सकते हैं।

शलभासन

शलभासन के अभ्यास से स्लिप डिस्क और कमर दर्द से राहत मिलती है। इस आसन को करने के लिए पेट के बल जमीन पर लेटकर रीढ़ की हड्डी को मोड़ा जाता है। आसन को सही तरीके से करने से कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

उष्ट्रासन

रीढ़ की हड्डी की समस्याओं को दूर करने के लिए उष्ट्रासन का अभ्यास असरदार है। इस आसन में शरीर ऊंट की मुद्रा में होता है। आसन को करने के लिए शरीर को पीछे की तरफ झुकाया जाता है। दबाव के कारण रीढ़ की हड्डी की समस्याएं दूर होती हैं।

क्या होती है हार्निया की समस्या, कैसे करें इसकी पहचान?

दुनियाभर में लाखों लोग पेट से संबंधित कई प्रकार की गंभीर समस्याओं के शिकार हैं। हार्निया ऐसी ही एक स्थिति है, जिसका खतरा भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। यहां जानना जरूरी है कि इनगुइनल हर्निया भी हार्निया का ही एक प्रकार है। पेट के निचले हिस्से की मांसपेशियों में कमजोरी की इस समस्या में सर्जरी की जरूरत होती है। ओलंपिक के चलते काफी समय से नीरज अपनी सर्जरी को टाल रहे थे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हार्निया की दिक्कत किसी को भी हो सकती है। वैसे तो वृद्ध लोगों में इसका जोखिम अधिक देखा जाता है पर वयस्क और किशोर भी इसका शिकार हो सकते हैं। इनगुइनल हर्निया इसका सबसे आम प्रकार है। आइए हार्निया की समस्या के बारे में विस्तार से जानते हैं।

क्या है हार्निया की समस्या?

हर्निया तब होता है जब आपके पेट के अंदरूनी भाग का कोई हिस्सा किसी छिद्र से बाहर निकल जाता है या उस मांसपेशी या ऊतकों में कमजोरी आ जाती है। हर्निया धीरे-धीरे विकसित होता है। इनगुइनल हर्निया भी ऐसी ही एक समस्या है। हार्निया की समस्या के कारण पेट में उभार हो सकता है। खांसने, छींकने, झुकने या भारी चीजों को उठाने आदि

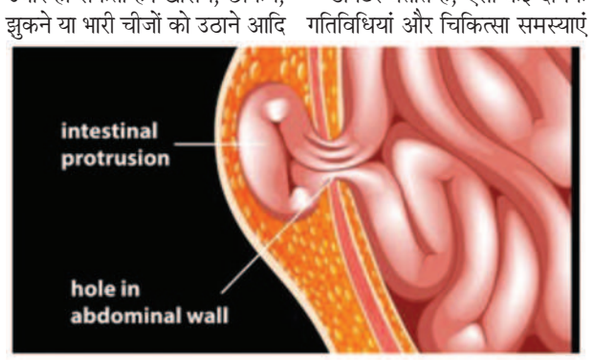

के कारण दर्द बढ़ सकता है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि इनगुइनल हर्निया की स्थिति कई बार गंभीर भी हो सकती है।

क्यों होती है ये दिक्कत?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, ज्यादातर मामलों में हर्निया होने का कोई स्पष्ट कारण नहीं होता है। हर्निया का जोखिम उम्र के साथ बढ़ता है और महिलाओं की तुलना में पुरुषों में अधिक देखा जाता रहा है।

डॉक्टर बताते हैं, ऐसी कई दैनिक गतिविधियां और चिकित्सा समस्याएं है जो पेट की दीवार पर दबाव बढ़ाती हैं जिससे भी हर्निया हो सकती है। जैसे लंबे समय तक कब्ज के कारण शौच के लिए अधिक जोर लगाना, लगातार खांसी बने रहना, सिस्टिक फाइब्रोसिस, प्रोस्टेट की समस्या और अधिक वजन या मोटापा के कारण भी आपको हार्निया की दिक्कत हो सकती है।

क्या होते हैं इसके लक्षण?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हार्निया के कारण सभी लोगों में लक्षण नजर आएं ऐसा जरूरी नहीं है। आमतौर पर इसमें पेट में गांठ या उभार दिखता है जो कुछ शारीरिक गतिविधियों के दौरान स्पष्ट नजर आता है। हर्निया के कारण पेट में दर्द या चुभन महसूस होती रह सकती है। पेट पर दबाव बढ़ने की स्थिति में दर्द और जटिलताएं अधिक महसूस हो सकती हैं।

हार्निया का इलाज और बचाव के तरीके

हर्निया के अधिकांश मामलों में सर्जरी की आवश्यकता होती है। इसमें हर्निया वाले ऊतक को वापस अपनी जगह पर सेट करके सर्जिकल जाल के साथ बांध दिया जाता है। डॉक्टर कहते हैं, आप जन्मजात दोष को रोक नहीं सकते। हालांकि पेट की मांसपेशियों और ऊतकों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए कुछ उपायों को प्रयोग में लाया जा सकता है।

ऑखों की रोशनी बढाने के लिए टिप्स

प्रश्न : मेरी उम्र 47 वर्ष है मेरे पारिवारिक डॉक्टर की सलाह पर मैंने लिपिड प्रोफाइल कराई थी उसमें ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर काफी बढ़ा हुआ(535mg/dl) था। कृपा करें ऐसे उपाय बताएं कि मैं इसे कंट्रोल कर सकूं।

- चंद्रशेखर राव, सिकंदराबाद

उत्तर : सामान्य रूप से स्वस्थ व्यक्ति के खून में ट्राइग्लिसराइड्स 150 मिलीग्राम/ डेसी लीटर से कम रहना चाहिए । आपका ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर निश्चित रूप से सामान्य से अधिक हैं । खानपान में सावधानियां बरतने से आप इसे नियंत्रित कर सकते हैं।

पहले आप भोजन की मात्रा कम करें। जिन खाद्य पदार्थों में अधिक कैलोरी मिलती है उसको पूरा बंद करें। तले पदार्थ, मिठाईयां, फास्ट फूड ,जंक फूड ,आलू टिक्की, पिज़्ज़ा, बर्गर, पकोड़े, समोसे, छोले भटूरे, कचौड़ी, पूरी, मठरी, दूध के पदार्थ, घी , मलाई आदि को बंद करें । फल, हरी सब्जियां, सलाद, लहसुन, अलसी के बीजों की बनी हुई सूखी चटनी, छिलकेदार दालें , चोकर युक्त आटे की रोटी या फुल्के, इसबगोल आदि का प्रयोग करें। नित्य कसरत करें। प्रातः काल पहले तेज पैदल चलें। एरोबिक्स करें। नृत्य करें । तैरे, जो भी व्यायाम आप कर सकते हैं, अवश्य करें । भोजन के पहले और बाद में गुनगुना पानी पिया करें । ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु, शुद्ध गुग्गुलु के संग ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टेबलेट का प्रयोग करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट और त्रिफलारिष्ट के10-10 मिलीलीटर दवा को गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से शरीर में हल्का बनाता है और चर्बी का क्षय होता है। सर्दियों में सरसों के तेल की मालिश की जाती है जो चर्बी को नियंत्रण में रखती है। उपरोक्त दवाओं के संग कसरत करने से पूरा पूरा लाभ मिलता है।

प्रश्न : कृपा कर नेत्र ज्योति वर्धक सरल नुस्खे बताएं जिसका कोई भी सेवन कर अपनी दृष्टि बढ़ा सकता है।

- दिवाकर रेड्डी, वारंगल

उत्तर : कहावत है 'बिना ज्योति जग सूना'! दुनिया देखने के लिए आंखों का सेहतमंद होना जरूरी है । आयुर्वेद में इसके सरल उपाय हैं।

* गिलोय, हरड़, बहेड़ा, आंवला समभाग लेकर उसका काढ़ा बनाकर उसमें शहद और पिपली का चूर्ण मिलाकर सुबह-शाम सेवन करने से थोड़े ही दिनों में नेत्र शक्ति सबल हो जाती है।

* प्रतिदिन बड़ी हरड़ घी के साथ चाटे। ऊपर से मिश्री मिला गाय का दूध पिएं। इससे आंखों की रोशनी बढ़ती है तथा स्मरण शक्ति भी तेज होती है। * गाजर का रस पीने से नेत्र ज्योति प्रबल होती है, शरीर में रक्त वृद्धि होती है, तनाव दूर होता है तथा हृदय की दुर्बलता दूर होती है । *आंवले का रस आंखों की रोशनी को अच्छा रखता है। * पैरों के तलवों की सरसों के तेल से मालिश करें। आंखों की ज्योति इससे बढ़ती है। * एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़ कर रोज सुबह खाली पेट पीने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। *काली मिर्च के आधा ग्राम चूर्ण को एक चम्मच शुद्ध घी में मिलाकर खाने से अनेक प्रकार के नेत्र रोग मिलते हैं। *दो बादाम , सौंफ, काली मिर्च व मिश्री पीसकर दूध के साथ सेवन करें ।यह योग भी नेत्र शक्ति को बढ़ाता है।

*नारियल की 25 ग्राम सूखी गिरी और 60 ग्राम शक्कर या मिश्री को प्रतिदिन खाने से आंखों की समस्याओं का समाधान होता है। यह प्रयोग मधुमेही ना करें। शास्त्रीय योगों में ऊंझा सप्तामृत लोह टिकिया को सुबह-शाम गाय के दूध के साथ लेते रहने से आंखों की दृष्टि बढ़ती है। त्रिफला घृत का 5 ग्राम की मात्रा में गुनगुने दूध में मिलाकर सेवन करने से निश्चित ही आंखों की रोशनी बढ़ती है। ऊंझा त्रिफला चूर्ण का हर रात गुनगुने दूध या गुनगुने पानी से सेवन करने पर आंखों की दृष्टि बढ़ती है और पेट भी साफ होता है। कब्जियत खत्म होती है शरीर में चुस्ती फुर्ती बढ़ती है।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 2 साल से आंव की शिकायत है। पेट में दर्द रहता है, सुस्ती व कमजोरी रहती है । स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया है। कृपया आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- भवानी शंकर ,जड़चर्ला

उत्तर : आपकी ये सारे लक्षण संग्रहणी से मिलते हैं। इसमें मंदाग्नि और अपच की तकलीफ रहती है। खाया हुआ अच्छी तरह से पचता नहीं है, इसी कारण कमजोरी और सुस्ती रहती है। आप सुबह शाम ऊंझा कुटजघन वटी एवं औरा ट्रायोगान टेबलेट भोजन के बाद पानी से लेवे। भोजन के बाद ही ऊंझा बिल्वासव 20 मिलीलीटर की मात्रा में 50 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद लेवें। गरिष्ठ भोजन, तले हुए पदार्थ, मैदा व बेसन के बने पदार्थ, मसालेदार व्यंजन का सेवन बंद कर दें। यह चिकित्सा कम से कम 2 मंडल तक करें। एक मंडल 40 दिन का होता है। आपको अवश्य आराम मिलेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

बढ़ते संक्रमण को लेकर विशेषज्ञ चिंतित
क्या कोविड-19 से भी खतरनाक है मंकीपॉक्स का संक्रमण?

दुनिया के कई देश इन दिनों मंकीपॉक्स का संक्रमण झेल रहे हैं। अफ्रीका और यूरोप के बाद अब ये वायरस एशियाई देशों में भी फैलने लगा है। मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने सभी देशों को इस बढ़ते संक्रामक रोग को लेकर सावधानी बरतते रहने की सलाह दी है। अध्ययनों के मुताबिक एमपॉक्स अति संक्रामक और जानलेवा संक्रमण का कारण बन सकता है, थोड़ी सी भी लापरवाही इस संक्रमण के व्यापक प्रसार का कारण बन सकती है।

हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान-स्वीडन में भी इस संक्रामक रोग के मामले रिपोर्ट किए गए हैं। पड़ोसी देश में संक्रमण के मामले रिपोर्ट किए जाने के बाद भारत भी अलर्ट हो गया है। बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति का जायजा लिया। राहत की बात ये हा भारत में अभी तक एमपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है।

मंकीपॉक्स का बढ़ रहा है खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं जिस प्रकार से इस वायरस की प्रकृति रही है, इसके तेजी से फैलने का जोखिम अधिक होता है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि एमपॉक्स, कोरोनावायरस से भी खतरनाक हो सकता है। यहां ध्यान देना जरूरी है कि मंकीपॉक्स पिछले दो सालों में कोविड-19 के बाद सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाला रोग रहा है।

क्या ये कोविड से भी खतरनाक हो सकता है? आइए दोनों वायरल संक्रमण के बारे में तुलनात्मक रूप से नजर डालते हैं।

कोरोनावायरस और कोविड-19

अध्ययनों से पता चलता है कि सार्स-सीओवी-2 (कोविड-19 का कारण बनने वाला वायरस) और एमपॉक्स वायरस कई मामलों में बहुत अलग हैं। वैसे तो एमपॉक्स और कोविड-19 दोनों ही जूनोटिक रोग हैं, जिसका अर्थ है कि येजानवरों से मनुष्यों में फैलते हैं। माना जाता है कि सार्स-सीओवी-2 चमगादड़ों से फैला है, जबकि मंकीपॉक्स सबसे पहले बंदरों में देखा गया था।

संक्रमण के प्रसार के जोखिम और इसके लक्षण कई मामले में दोनों संक्रामक रोगों को अलग करते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

यूएस स्थित यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स रेनबो बेबीज एंड चिल्ड्रन के संक्रामक रोग विशेषज्ञ, एमी एडवर्ड्स कहते हैं कि कुछ महत्वपूर्ण अंतर हैं जो मंकीपॉक्स को कोविड-19 की तुलना में कम खतरनाक बनाते हैं। पहला मंकीपॉक्स आसानी से नहीं फैलता और संक्रमित लोगों की पहचान करना आसान है।

दो टीके हैं जो मंकीपॉक्स के खिलाफ प्रभावी पाए गए हैं। वहीं कोविड-19 के विपरीत, यह वायरस एक से दूसरे व्यक्ति में फैलने के लिए निकट संपर्क आवश्यक है। संक्रमित व्यक्तियों को अलग करना और प्रसार को रोकना भी मंकीपॉक्स के मामले में आसान है।

संक्रामक रोगों के प्रसार का खतरा

डॉ. एडवर्ड्स बताते हैं मंकीपॉक्स का संक्रमण प्रभावित व्यक्ति के निकट संपर्क से होता है। शारीरिक संपर्क या शरीर के तरल पदार्थ या घावों के साथ सीधे संपर्क में आने से एमपॉक्स का संक्रमण एक से दूसरे व्यक्ति में हो सकता है।

वैसे तो यह खांसने-छींकने से निकलने वाली बूंदों या दूषित बिस्तर-कपड़ों के संपर्क के माध्यम से भी फैल सकता है। हालांकि कोविड के मामले में प्रसार को अधिक आसान माना जाता रहा है। यह कोविड-19 की तरह हवा के माध्यम से नहीं फैलता है। हालांकि मंकीपॉक्स का संक्रमण अधिक घातक जरूर हो सकता है।

देश का फाइनेंस संभालने वाली निर्मला सीतारमण के खातें में मात्र 7350 रुपए?

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज 65 साल की हो गई हैं. उन्होंने अपने नाम पर कई रिकॉर्ड दर्ज किए हैं. लोगों को जानकर हैरानी होगी कि देश का फाइनेंस संभालने और वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने वाली महिला खुद कर्ज में हैं. राज्यसभा के लिए नामांकन के समय उन्होंने जो हलफनामा दिया था, उसके मुताबिक सीतारमण पर 26.91 लाख रुपये का कर्ज है. इसके अलावा उन्होंने कई सरकारी स्कीम और म्यूचुअल फंड में निवेश भी कर रखा है. ऐसे में आइए जानते हैं उनके अकाउंट में कितने रुपए पड़े हैं.

अकाउंट में पड़े हैं कितने रुपए?

हलफनामे के मुताबिक साल 2022 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की कुल संपत्ति 2.53 करोड़ रुपये थी. इसमें 1.87 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और 65.55 लाख करोड़ रुपये की चल संपत्ति शामिल है. इसके साथ ही उन पर 26.91 लाख रुपये का कर्ज भी है. हलफनामे के मुताबिक सीतारमण के पास एक बजाज चेतक स्कूटर है जो उन्होंने 28,200 रुपये में खरीदा था. उनके अकाउंट में मात्र 7,350 रुपये का कैश है.

म्यूचुअल फंड और पीपीएफ में निवेश

इसके साथ ही उनके पीपीएफ खाते में 1,59,763 रुपये जमा हैं. वित्त मंत्री ने म्यूचुअल फंड में 5,80,424 रुपये का निवेश किया है. उनके पास कोई इंश्योरेंस पॉलिसी नहीं हैं. सीतारमण के पास हैदराबाद में एक रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी है जिसकी कीमत 1,70,51,400 रुपये है. साथ ही उनके नाम पर कुंतलूर में नॉन एग्रीकल्चर लैंड भी है. इसकी कीमत 17,08,800 रुपये बताई गई है.

5 लाख का लोन और 21 लाख का सोना

सीतारमण के नाम पर 19 साल का एक होम लोन, एक साल का ओवरड्राफ्ट और 10 साल का मॉर्गेज लोन भी है. उनके होम लोन की देनदारी 5,44,822 रुपये, ओवरड्राफ्ट की देनदारी 2,53,055 रुपये और मॉर्गेज लोन की देनदारी 18,93,989 रुपये है. देश की अर्थव्यवस्था संभालने वाली वित्त मंत्री के पास एक भी कार नहीं है. पीएमओ की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक 2022 में उनके पास करीब 315 ग्राम सोना था. इसकी कीमत 19.4 लाख रुपये से 21.18 लाख रुपये है. साथ ही उनके पास 3.98 लाख रुपये की चांदी भी है. सरकार के आंकड़ों के अनुसार वित्त मंत्री की एक महीने की सैलरी लगभग 4,00,000 रुपये है.

विदेशों में ज्यादा कमा रहीं भारतीय कंपनियां

मुंबई,19 अगस्त (एजेंसियां)। भारती इंटरप्राइजेज ने हाल ही में ब्रिटिश दूरसंचार कंपनी बीटी में 24.5% हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। यह सौदा 35 हजार करोड़ रुपए का है। खास बात यह है कि भारतीय कंपनियों के विदेश में बड़े अधिग्रहण मुनाफे का सौदा साबित हो रहे हैं। भारतीय कंपनियों के बड़े विदेशी अधिग्रहण सौदों की पड़ताल से पता चलता है कि भारतीय इकोनॉमी में तेज वृद्धि के बावजूद विदेशी बाजार में उनकी पैठ देसी बाजार के मुकाबले 1.6 से 17.6% बढ़ी है। इस एनालिसिस में साल 2000 के बाद हुए शीर्ष 5 विदेशी अधिग्रहण सौदों को शामिल किया गया, जिन सौदों में कई निवेशक समूह थे, उन्हें इस एनालिसिस में शामिल नहीं किया गया।

विदेशी कंपनियों को एक्वायर करने के बाद बढ़ी कंपनियों की ग्रोथ

टाटा स्टील ने 2007-08 में 12.7 अरब डॉलर में कोरस ग्रुप का अधिग्रहण किया। इस सौदे के बाद टाटा स्टील का डोमेस्टिक कारोबार सालाना 13.2% की रेट से बढ़ा। वहीं, कंपनी का विदेशी कारोबार 14.8% की रेट से बढ़ा। भारती एयरटेल ने वित्त वर्ष 2011 में 10.7 अरब डॉलर में जईन अफ्रीका का अधिग्रहण किया। कंपनी की विदेशी आय 24.7% की सालाना दर से बढ़ी लेकिन घरेलू कारोबार में 7.1% का इजाफा हुआ। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2008 में 5.8 अरब डॉलर में अमेरिकी कंपनी नोवेलिस का अधिग्रहण किया था। विदेशी विंग से आय 19% से बढ़ी, जो घरेलू बिजनेस से दोगुना है। 2024 में हिंडाल्को की आय में नोवेलिस का हिस्सा 60% है। एग्रीकल्चर केमिकल कंपनी यूपीएल ने 2019 में 4.2 अरब डॉलर में एरिस्टा लाइफसाइंसेज का अधिग्रहण किया। इसकी विदेशी आय में 17.7% वृद्धि हुई, जबकि देसी कारोबार से आय केवल 8.8% बढ़ी। टाटा मोटर्स ने फोर्ड मोटर कंपनी से 2.3 अरब डॉलर में जगुआर लैंड रोवर का अधिग्रहण किया। उसकी विदेशी आय में 13.8% वृद्धि हुई, पर घरेलू आय 11.2% बढ़ी।

3000 करोड़ रुपये की डील! अंबानी की इस कंपनी को खरीदेंगे अडानी, शेयर में लग गया अपर सर्किट

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पावर सेक्टर में गौतम अडानी एक और कदम बढ़ाने वाले हैं। एक खबर के मुताबिक अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर लिमिटेड नागपुर स्थित बुटीबोरी थर्मल पावर प्लांट के अधिग्रहण की योजना बना रही है। इस प्लांट की बिजली उत्पादन क्षमता 600 मेगावाट है। मिंट में प्रकाशित खबर के अनुसार यह डील 2400 से 3000 करोड़ रुपये के बीच में हो सकती है। इस डील के पूरे होने के बाद गौतम अडानी पावर सेक्टर में अपनी पकड़ और मजबूत कर लेंगे। बता दें कि बुटीबोरी थर्मल पावर प्लांट विदर्भ पावर इंडस्ट्रीज का हिस्सा है। विदर्भ पावर इंडस्ट्रीज रिलायंस पावर की सब्सिडियरी कंपनी है। इस खबर के बाद सोमवार को रिलायंस पावर के शेयर में 5 फीसदी की अपर सर्किट लग गया। इस रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि अडानी पावर विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड के अंतर्गत इस प्रोजेक्ट का अधिग्रहण करने के लिए सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (सीएफएम एआरसी) के साथ बातचीत कर रही है। सीएफएम एआरसी ने 1265 करोड़ रुपये में अपने सभी लोन्स का अधिग्रहण किया है। वर्तमान में यह कंपनी इस प्रोजेक्ट के लिए एकमात्र लोन देने वाली कंपनी है। अधिकारी ने कहा कि शुरू में इस प्रोजेक्ट की मूल्य करीब 6 हजार करोड़ रुपये था। हालांकि बाद में इस प्लांट से उत्पादन बंद हो गया। ऐसे में इस प्लांट का मूल्यांकन कम होना चाहिए। अधिकारी के मुताबिक यह प्लांट अडानी रणनीति के अनुकूल है। इस डील के बारे में अडानी ग्रुप और सीएफएम एआरसी की ओर से कोई भी आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। रिपोर्ट के अनुसार सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाली जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने शुरू में इस प्रोजेक्ट में रुचि दिखाई थी। हालांकि बाद में वैल्यूएशन और ऑपरेशनल संबंधी मुद्दों के कारण उसने हाथ पीछे कर लिए। बता दें कि साल 2019 से बुटीबोरी प्रोजेक्ट के लिए वित्तीय परेशानियां पैदा हो गईं। जिन्होंने इसके लिए लोन दिया था, उन्होंने विदर्भ इंडस्ट्रीज के खिलाफ दिवालियापन की कार्यवाही के लिए आवेदन किया है। हालांकि कंपनी अभी तक दिवालिया नहीं हुई है।इस अधिग्रहण की खबर सामने आने के बाद रिलायंस पावर के शेयरों में सोमवार को तेजी देखी गई।

12% मसाले सुरक्षा मानकों के मुताबिक नहीं

विदेशों में एमडीएच और एवरेस्ट की क्वालिटी पर सवाल के बाद जांच, कंपनियों का दावा- मसाले सेफ हैं

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देश में बिक रहे 12% मसाले क्वालिटी और सेफ्टी स्टैंडर्ड के मुताबिक ठीक नहीं हैं। फूड्स सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने देश में बिक रहे मसालों की टोटल 4054 सैंपल्स की जांच की। इनमें से 474 मसाले एफएसएसएआई के मुताबिक खाने योग्य नहीं थे। मई से जुलाई के बीच एफएसएसएआई ने मसालों की टेस्टिंग की गई। इस बात की जानकारी रॉयटर्स ने आरटीआई के जरिए सरकार से मांगी थी। अप्रैल-मई 2024 में सरकार ने सिंगापुर और हॉन्ग-कॉन्ग में मसालों की क्वालिटी पर सवाल और बैन की खबरों के बाद एफएसएसएआई ने इनकी जांच का फैसला किया था।

एफएसएसएआई ने कहा- मसालों के ब्रांड के हिसाब से डिटेल नहीं

फूड अथॉरिटी एफएसएसएआई ने अपने जवाब में कहा कि जिन मसालों की टेस्टिंग की गई, उनकी ब्रांड के अनुसार डिटेल नहीं है। लेकिन वह क्वालिटी और सेफ्टी स्टैंडर्ड पर खरे नहीं उतरने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। वहीं, एमडीएच और एवरेस्ट ने दावा किया उनके प्रोडक्ट्स कंज्यूमर के लिए सेफ हैं।

2023-24 में 37,425 करोड़ के मसालों का एक्सपोर्ट

एमडीएच और एवरेस्ट के मसाले भारती मार्केट के साथ-साथ दुनियाभर में बिकते हैं। जियॉन मार्केट रिसर्च के अनुसार, 2022 में भारत के डोमेस्टिक स्पाइस मार्केट की वैल्यू 87,608 करोड़ रुपए से ज्यादा थी। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से हुए मसालों के एक्सपोर्ट की वैल्यू 37,425 करोड़ रुपए से ज्यादा रहने का अनुमान है।

भारतीय मसालों में सिंगापुर-हॉन्ग कॉन्ग में कीटनाशक थे

अप्रैल 2024 में सरकार ने हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर में एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसालों पर बैन के बाद अब भारत सरकार ने फूड कमिश्नर्स से सभी कंपनियों के मसालों का सैंपल कलेक्ट करने को कहा था।मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दोनों कंपनियों के इन प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड 'एथिलीन ऑक्साइड' की ज्यादा मात्रा होने के कारण इन्हें बैन किया गया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया।

डिज्नी हॉटस्टार का होगा अंत

जियो सिनेमा से मर्जर के बाद ये है रिलायंस का प्लान

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हाल ही में डिज्नी हॉटस्टार को खरीद लिया था. अब उन्होंने इस ओटीटी प्लेटफॉर्म को खत्म करने का प्लान बना लिया है. रेगुलेटरी मंजूरी के बाद डिज्नी हॉटस्टार को खत्म करके सिर्फ जियो सिनेमा को ही चलाया जाएगा. डिज्नी हॉटस्टार का विलय जियो सिनेमा में कर दिया जाएगा. रिलायंस इंडस्ट्रीज दो ओटीटी प्लेटफॉर्म चलने के पक्ष में नहीं है. इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि डिज्नी हॉटस्टार और जियो सिनेमा के विलय का प्लान लगभग तैयार है. डिज्नी हॉटस्टार के ज्यादा डाउनलोड होने के बावजूद इसे अलग से नहीं चलाया जाएगा. गूगल प्ले स्टोर के डेटा के अनुसार, डिज्नी हॉटस्टार के लगभग 50 करोड़ डाउनलोड हैं जबकि जियो सिनेमा के सिर्फ 10 करोड़. डिज्नी हॉटस्टार का मालिकाना हक वॉल्ट डिज्नी के स्वामित्व वाले स्टार इंडिया के पास है. जियो सिनेमा का कंट्रोल आरआईएल के स्वामित्व वाले वियाकॉम 18 के पास है.इसी साल फरवरी में रिलायंस और वॉल्ट डिज्नी ने स्टार और वियाकॉम 18 को मर्ज करके एक विशाल कंपनी बनाने का ऐलान किया था. नए ग्रुप के पास 100 से ज्यादा चैनल और 2 स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म होंगे. इसके अलावा कंपनी कई हिंदी और रीजनल चैनल भी बंद करने वाली है. इससे वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की कार्रवाई से भी बच जाएंगे. उन्हें फिलहाल सीसीआई और नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मंजूरी का इंतजार है. आरआईएल की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, जियो सिनेमा के साथ मासिक आधार पर 22.5 करोड़ ग्राहक जुड़े हुए हैं. वहीं, डिज्नी हॉटस्टार के पास 33.3 करोड़ यूजर हैं. इससे पहले वियाकॉम 18 ने अपने वूट प्लेटफॉर्म को भी जियो सिनेमा में मर्ज कर दिया था. सूत्रों का दावा है कि एक ही प्लेटफॉर्म होने से कंपनी को काफी बचत होगी।

शेयर बाजार में सपाट क्लोजिंग

सेंसेक्स तेजी गंवाकर गिरावट पर बंद, निफ्टी में मामूली बढ़त

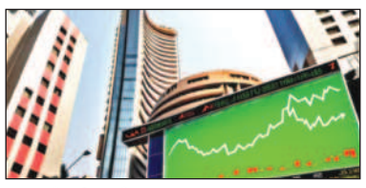

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार की आज सपाट क्लोजिंग हुई है और मिडकैप इंडेक्स के साथ स्मॉलकैप शेयरों में काफी हलचल देखी गई. ऑटो शेयरों पर दबाव देखा गया और बैंक शेयरों की सुस्ती ने बाजार को नीचे खींचा. सुबह ओपनिंग के समय निफ्टी में 80 अंकों की बढ़त के साथ कारोबार खुला लेकिन क्लोजिंग आते-आते शेयर बाजार ने सारी तेजी गंवा दी और गिरावट के लाल निशान के साथ बंद हुआ.

बैंक निफ्टी जो सुबह कमजोर दिख रहा था वो ट्रेडिंग सेशन खत्म होते-होते काफी रिकवर होता हुआ दिखा.

रक्षाबंधन के दिन किन लेवल पर हुई शेयर बाजार की क्लोजिंग

बीएसई का सेंसेक्स 12.16 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,424.68 पर बंद हुआ है और एनएसई का निफ्टी 31.50 अंकों या 0.13 फीसदी की मामूली तेजी के साथ 24,572.65 पर क्लोज हुआ है.

ऑटो, बैंक, फाइनेंशियल सेक्टर में कमजोरी

शेयर बाजार की क्लोजिंग के समय ऑटो, बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में गिरावट के लाल निशान के साथ क्लोजिंग हुई. बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स में आज तेजी रही और हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज पीएसई, आईटी और फार्मा इंडेक्स में गिरावट के साथ कारोबार बंद हुआ है.

बीएसई का मार्केट कैपिटलाइजेशन

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के शेयरों का सामूहिक बाजार पूंजीकरण या मार्केट कैप 454.48 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है और इसमें बढ़त रही है. कुल 4165 शेयरों पर ट्रेडिंग क्लोज हुई जिसमें से 2710 शेयरों में उछाल रहा जबकि 1316 शेयरों में गिरावट रही. 139 शेयर बिना किसी बदलाव के साथ बंद हुए. 288 शेयरों में इनके 52 हफ्ते का उच्च स्तर देखा गया और 42 शेयरों पर अपर सर्किट के साथ क्लोजिंग हुई.

सेंसेक्स और निफ्टी के शेयरों का अपडेट

सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में बढ़त पर कारोबार बंद हुआ और 10 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई.

निफ्टी के 50 में से 31 शेयरों में तेजी रही और 19 शेयरों में गिरावट रही है. हिंडाल्को, टाटा स्टील, ट्रेंट, एलटीआई माइंडट्री और कोल इंडिया सबसे ज्यादा चढ़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

इंफोसिस फाउंडर ने खोला भारत की सबसे बड़ी समस्या का राज

बोले- इमरजेंसी के बाद नहीं दिया गया ध्यान

प्रयागराज, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी इंफोसिस के को-फाउंडर एवं अव्वल उद्यमियों में एक नारायण मूर्ति ने भारत के सामने मौजूद सबसे बड़ी चुनौती के बारे में बात की है. जहां एक ओर कई अर्थशास्त्री और इकोनॉमिस्ट भारत के पक्ष में डेमोग्राफिक डिविडेंड की बात करते हैं, वहीं मूर्ति का मानना है कि तेजी से बढ़ रही आबादी देश की सस्टेनेबिलिटी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है.नारायण मूर्ति ने आबादी की समस्या को लेकर यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में की. वह प्रयागराज स्थित मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंवोकेशन सेरेमनी को संबोधित कर रहे थे. सेरेमनी के चीफ गेस्ट मूर्ति ने कहा कि देश में इमरजेंसी के बाद आबादी की समस्या पर किसी ने ध्यान नहीं दिया और अब उसके चलते देश का भविष्य खतरे में है. बकौल इंफोसिस को-फाउंडर, आबादी के चलते भारत के सामने कई गंभीर चुनौतियां पैदा हो रही हैं. उदाहरण के लिए प्रति व्यक्ति जमीन की उपलब्धता, हेल्थकेयर की फैसिलिटीज आदि. भारत की तुलना में अमेरिका, ब्राजील और चीन जैसे देशों में प्रति व्यक्ति जमीन की उपलब्धता ज्यादा है. भारत में हमने इमरजेंसी के बाद इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया, जो देश की सस्टेनेबिलिटी के लिए खतरा बन गया है.नारायण मूर्ति की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन चुका है. लंबे समय से चीन दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश था, लेकिन अब भारत उससे आगे निकल चुका है. संयुक्त राष्ट्र के आकलन के हिसाब से भारत की आबादी 1.44 करोड़ से ज्यादा है, जबकि चीन की आबादी 1.42 करोड़ होने का अनुमान है.मूर्ति की टिप्पणी इस लिहाज से भी प्रासंगिक हो जाती है, क्योंकि उनकी राय कई अर्थशास्त्रियों व विशेषज्ञों से इतर है. भारत की बढ़ती आबादी को कई विशेषज्ञ समस्या की जगह वरदान बताते आए हैं. इसे भारत के लिए डेमोग्राफिक डिविडेंड बताते हुए कहा जाता रहा है कि इससे भारत के पास सस्ता मानव श्रम उपलब्ध हो रहा है, जो अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक है.

रिलायंस से लेकर टाटा तक दिग्गज कंपनियों में हुई छंटनी

एक साल में चली गई 52 हजार की नौकरी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में युवाओं की बड़ी आबादी के बीच बेरोजगारी अहम समस्या है. इस बीच एक ऐसा ट्रेंड सामने आया है, जो विशेषज्ञों से लेकर नीति नियंताओं को चिंता में डाल सकता है. पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश में हजारों लोग छंटनी के शिकार हो गए और हैरानी की बात है कि छंटनी करने वालों में रिलायंस से लेकर टाटा तक कई दिग्गजों के नाम हैं.ईटी की एक रिपोर्ट बताती है कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान अकेले रिटेल सेक्टर में 52 हजार लोगों की नौकरियां चली गईं. छंटनी करने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिलायंस रिटेल, टाटा समूह की टाइटन, रेमंड, पेज इंडस्ट्रीज, स्पेन्सर जैसी नामी कंपनियां शामिल हैं. इन रिटेल कंपनियों की सालाना रिपोर्ट से पता चलता है कि उन्होंने बीते वित्त वर्ष के दौरान अपने वर्कफोर्स में लगभग 52 हजार की भारी-भरकम कटौती की.कर्मचारियों के हिसाब से देखें तो रिलायंस रिटेल घरेलू खुदरा बाजार की सबसे बड़ी कंपनी है. रिलायंस इंडस्ट्रीज की साला रिपोर्ट के अनुसार, उसके रिटेल सेक्टर में कर्मचारियों की कुल संख्या वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 2,07,552 पर आ गई, जो उसके कुल कर्मचारियों के लगभग 60 फीसदी के बराबर है. एक साल पहले रिटेल सेक्टर में 2,45,581 कर्मचारी काम कर रहे थे. यानी बीते वित्त वर्ष के दौरान रिलायंस रिटेल में लगभग 38 हजार लोगों की नौकरियां चली गईं.इसी तरह पिछले वित्त वर्ष के दौरान टाइटन के कर्मचारियों की संख्या में 8,569 की कमी आई और आंकड़ा 17,535 पर आ गया. पेज इंडस्ट्रीज में काम करे लोगों की संख्या 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में 22,564 पर आ गई, जो साल भर पहले से 4,217 कम है. रिलायंस रिटेल, टाइटन, पेज, रेमंड और स्पेन्सर में सम्मिलित कर्मचारियों की संख्या में कमी का आंकड़ा मिलाकर 52 हजार पर पहुंच जाता है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-03
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. -18-35
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 20-33 तक उपरान्त द्वितीया
मास - भाद्रपद कृष्ण , मंगलवार 20 August
नक्षत्र - शतभिषा 03-09 तक उप पूर्वभाद्रपद
योग - अतिगण्ड 20-55 तक उप सुकर्मा
करण- बालव 10-15 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह मे	सिंह-	05-53 बजे
चंद्र-	कुंभ मे	कन्या-	08-00 बजे
मंगल	वृष मे	तुला-	10-04 बजे
बुध-	सिंह मे	वृश्चिक-	12-14 बजे
गुरु-	वृष मे	धनु-	14-28 बजे
शुक्र-	सिंह मे	मकर...	16-36 बजे
शनि-	कुंभ. मे	कुंभ-	18-24 बजे
राहु-	मीन मे	मीन-	20-04 बजे
केतु-	कन्या मे	मेष--	21-40 बजे
		वृष..	23-33 बजे
		मिथुन..	01-24 बजे
		कर्क..	04-24 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:28 से 17:03 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग.	06:03 - 07:36 अशुभ	काल	18:35 - 20:03 अशुभ
उत्पात	07:36 - 09:10 अशुभ	लाभ	20:03 - 21:28 शुभ
चंचल	09:10 - 10:45 शुभ	उत्पात	21:28 - 22:54 अशुभ
लाभ	10:45 - 12:19 शुभ	शुभ	22:54 - 00:19 शुभ
अमृत	12:19 - 13:54 शुभ	अमृत.	00:19 - 01:45 शुभ
काल	13:54 - 15:28 अशुभ	चंचल.	01:45 - 03:10 शुभ
शुभ.	15:28 - 17:03 शुभ	रोग	03:10 - 04:36 अशुभ
रोग	17:03 - 18:35 अशुभ	काल	04:36 - 06:03 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नहीं छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज छोटी मोटी स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें जैसे ठंड,खांसी,जुकाम या सिरदर्द आदि हो सकती हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है । प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है । हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है । आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है । कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत खुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें ।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है, आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वहीं पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा । आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए । अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं,लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें । आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा ।अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नहीं करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रक्षाबंधन पर सपरिवार उज्जैन पहुंचे सीएम साय

महाकालेश्वर का दर्शन कर सभी को दी पर्व की बधाई

रायपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने सावन सोमवार के अंतिम दिन यानी 19 अगस्त को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन सपरिवार पहुंचकर महाकालेश्वर का दर्शन किया। पवित्र ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान सीएम ने सभी को रक्षाबंधन त्योहार की बधाई और शुभकामनायें दी। दोपहर के बाद उज्जैन से लौटकर अपनी बहनों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया।

पवित्र सावन मास के अंतिम दिवस, पांचवें सोमवार को आज बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में सपरिवार श्री महाकालेश्वर के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पवित्र ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया एवं समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

आज रक्षाबंधन और सावन सोमवार का विशेष दिवस है। बाबा महाकाल की कृपा आप सभी पर सदैव बनी रहे।

रक्षाबंधन पर्व की पूर्व संध्या पर जारी अपने बधाई संदेश में सीएम साय ने कहा है कि भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व 'रक्षाबंधन' हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन बहनें मंगल कामना के साथ अपने भाईयों को रक्षा सूत्र बांधती हैं और भाई उनकी रक्षा का वचन देते हैं। यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार अपनी बहनों के साथ सभी महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और अस्मिता के लिए जागरूक और प्रतिबद्ध करता है।

एक्स पर टॉप पर रहा #हमर_विष्णु_भैया अभियान

रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर प्रदेश में माता-बहनों ने बड़े ही उत्साह से अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध यह विशेष पर्व मनाया। इस अवसर पर आज एक्स पर #हमर_विष्णु_भैया अभियान दिनभर ट्रेंडिंग करता रहा। बहनों ने महतारी वंदन, पीएम आवास योजना की स्वीकृति और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए एक्स पर पोस्ट किए। पूरे प्रदेशवासियों की इस अभियान में भागीदारी रही। जनसंपर्क विभाग ने आज रक्षाबंधन के विशेष अवसर पर हैशटैग अभियान #हमर_विष्णु_भैया अभियान चलाया गया। जिसमें पूरे छत्तीसगढ़वासियों ने विष्णु सरकार का आभार जताया।

'भाजपा में शामिल होने को लेकर चंपई से नहीं हुई बात'

बाबूलाल मरांडी बोले- वे खुद तय करेंगे रास्ता

रांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की चर्चा के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने जवाब दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा में शामिल होने के संबंध में चंपई सोरेन से अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। चंपई मंझे हुए राजनेता हैं और वे अपना रास्ता खुद तय करेंगे।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चंपई सोरेन से अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। वह एक अनुभवी राजनेता हैं और अलग झारखंड आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। जिस तरह उन्हें सीएम पद से हटाया गया है। इससे वह आहत हैं और अपमानित महसूस कर रहे हैं। अगर चंपई सोरेन जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ेंगे तो इसका असर पार्टी पर पड़ेगा।

भाजपा विधायकों की खरीद-फरोख्त करती है के सीएम हेमंत सोरेन के आरोप के जवाब में मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन कह रहे हैं कि उनके विधायक बिकाऊ हैं।

अगर आप सभी विधायकों को वह बिकाऊ कहेंगे, तो कौन बेचेगा? मरांडी ने कहा कि मैं आपके साथ रहना चाहता हूं। अगर कोई विधायक अपना दुख व्यक्त करता है, तो आपको उसकी बात सुननी चाहिए।

झारखंड बीजेपी के प्रवक्ता प्रतुल शैदेव ने कहा कि अगर चंपई सोरेन बीजेपी में शामिल होने की इच्छा जाहिर करते हैं तो पार्टी नेतृत्व फैसला लेगा। शदेव ने कहा कि चंपई सोरेन एक बड़े नेता हैं और उन्होंने हेमंत सोरेन की भ्रष्ट पार्टी की छवि बदलने की कोशिश की। हम व्यक्तिगत रूप से उनका सम्मान करते हैं। झामुमो के वरिष्ठ नेता और मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि चंपई सोरेन पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और अगर कोई मुद्दा है तो उसे सुलझा लिया जाएगा।

दरअसल झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन दिल्ली पहुंचे थे। इसे लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

वहीं एक सोशल मीडिया पोस्ट में चंपई सोरेन ने कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में कड़वे अपमान का अनुभव किया। ऐसे में उन्हें वैकल्पिक रास्ता तलाशने के लिए मजबूर होना पड़ा।

चंपई ने पोस्ट में कहा था कि पार्टी विधायकों की बैठक के दौरान उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया था। इससे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंची। चंपई सोरेन ने कहा था कि उनके पास तीन विकल्प हैं। पहला राजनीति से संन्यास लेना, दूसरा अलग संगठन बनाना और तीसरा अगर कोई सहयोगी मिल जाए तो उसे साथ लेकर आगे बढ़ना। आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव तक मेरे लिए सभी विकल्प खुले हैं।

सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने वाले नेक इंसानों को मिल रहा सम्मान

रायपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों की जान बचाने वाले नेक इंसानों को एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने सम्मानित किया है। साथ ही उन्होंने लोगों से घायलों की मदद करने की अपील की है। रायपुर के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग, राजकीय राजमार्ग और अन्य मार्गों में घटित सड़क दुर्घटनाओं में आगे बढ़कर घायलों की जान बचाने वाले नेक इंसानों को एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र और शिल्ड प्रदान कर सम्मानित किया है।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और घायलों को त्वरित उपचार के लिए उच्चतम न्यायालय ने सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने वाले व्यक्तियों को गुड सेमेरिटन मतलब नेक व्यक्ति की संज्ञा देते हुए इन्हें प्रोत्साहित और पुरस्कृत करने निर्देशित किया गया है। इस पर रायपुर एसएसपी ने प्रतिमाह सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद कर जान बचाने वाले गुड सेमेरिटस (नेक इंसान) को प्रशस्ति पत्र एवं शिल्ड देकर सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में 17 अगस्त को सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने वाले चार गुड सेमेरिटस को पुलिस ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

इन्हें किया गया सम्मानित

लिलक धृतलहरे 24 वर्ष, ग्राम मुनगी थाना मंदिर हसौद जिला रायपुर ने 14 जुलाई को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल डायल 112 को फोन कर एम्बुलेंस बुलाकर उपचार अन्य हास्पिटल भेजकर घायल की जान बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। धर्मेंद्र सिंह नेगी 51 वर्ष, थाना खम्हारडीह रायपुर ने 30 जुलाई को शंकर नगर ब्रिज के नीचे सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल डायल 112 को फोन कर एम्बुलेंस बुलाकर उपचार के लिए हास्पिटल भेजकर घायल की जान बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हेमंत देवांगन 21 वर्ष, ग्राम तर्री थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर ने तीन जुलाई को ग्राम तोरला भुरका मोड के पास सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल डायल 112 को फोन कर एम्बुलेंस बुलाकर घायल व्यक्ति को उपचार हेतु हास्पिटल भेजकर जान बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनूप साहू 45 वर्ष ग्राम भेन्ड्री, थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर द्वारा तीन जुलाई को ग्राम तोरला भुरका मोड के पास सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल डायल 112 को फोन कर एम्बुलेंस बुलाकर घायल व्यक्ति को उपचार हेतु हास्पिटल भेजकर जान बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बगोदर से धनबाद जा रहे कंटेनर ने 4 लोगों को रौंदा, महिला की मौत, 3 घायल

बगोदर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बगोदर थाना इलाके के जीटी रोड औरा मोड़ पर यह सड़क दुर्घटना हुई. घटना के बारे में स्थानीय लोगों ने बताया कि जीटी रोड औरा मोड़ के पास बगोदर से धनबाद की ओर जा रहा एक कंटेनर अनियंत्रित हो गया. इसके बाद उसने सड़क पार कर रहे कम से कम 4 लोगों को कुचल दिया.

जीटी रोड पर दुर्घटना में एक महिला समेत 3 लोग घायल

गिरिडीह जिले में हुई इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई. एक अन्य महिला समेत दो बच्चे घायल हो गये हैं. ये सभी लोग सड़क पार कर रहे थे. घटना

के बाद वहां लोगों की भीड़ जुट गयी. स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए औरा स्थित निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया. घायल दोनों बच्चे की स्थिति गंभीर है.

दुर्घटना के बाद लोगों ने जीटी रोड को कर दिया जाम

इधर, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने जीटी रोड को जाम कर दिया. घटना की जानकारी बगोदर थाने को मिली, तो तुरंत पुलिस बल को वहां भेजा गया. घटना की जानकारी ली. दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में लेकर ग्रामीण पुलिस को सौंप दिया गया. मृतक महिला बगोदर थाना क्षेत्र के दामा की रहने वाली बताई जा रही है.

मियावाकी से विकसित किए पांच मिनी फारेस्ट

भरतपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। शहरों में ग्लोबल वार्मिंग और अर्बन हीट आइलैंड से निपटने के लिए मनेंद्रगढ़ वनमण्डल ने मियावाकी पद्धति से पांच मिनी फारेस्ट विकसित किए। वायु प्रदूषण के लिए शहरों में सबसे कारगार रहेगा।

जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) कलेक्टर कार्यालय परिसर में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग द्वारा किया गया। आयोजन में कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मियावाकी पद्धति के माध्यम से परिसर में पौधारोपण कर वन महोत्सव का शुभारंभ किया। उक्त परिसर में 2,500 पौधे 1x1 मीटर के अंतराल में लगाये गये हैं। इसके अलावा शहर के चार और जगह पर मियावाकी पद्धति से रोपण किया गया है। अगले वर्ष ऐसी खाली पड़ी जमीन पर 25 और जगह मिनी फारेस्ट बनाने की योजना है। ये अर्बन हीट आइलैंड और हीट वेव से निपटने में गेमचेंजर साबित हो सकता है।

मियावाकी वृक्षारोपण पद्धति क्या है?

कम समय में सघन शहरी वन तैयार करने की जापानी तकनीक है। स्थानीय जंगली पौधो को 1x1 मीटर की दूरी पर लगाया जाता है। कम दूरी होने के चलते पौधों में प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है और पौधे 10 गुना तेजी से उगते हैं।

मियावकी पौधरोपण के क्या लाभ हैं?

परंपरागत वृक्षारोपण से 30 गुना अधिक कार्बन डाई ऑक्साइड सोखता है। 30 गुना अधिक वायु और ध्वनि प्रदूषण को रोकता है। दो-तीन साल में ही मिनी फारेस्ट बन जाता है। साथ ही अर्बन हीट आइलैंड से मुक्ति मिलती है। वातावरण को ज्यादा ठंडा करता है।

डीएफओ ने मियावाकी पद्धति के बारे में बताया

डीएफओ मनीष कश्यप ने वन महोत्सव के माध्यम से जिले में मियावाकी पद्धति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज बड़े-बड़े मेट्रो सिटी में इस पद्धति के माध्यम से वानिकी को किया जा रहा है। एक-एक मीटर की दूरी पर सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है। जिससे घना वन मिलता है। जिससे हमें शुद्ध हवा मिलती है। मनेंद्रगढ़ शहर में भी इस वर्ष लंबा हीट वेव चला। इसी को ध्यान में रखते हुए इस विशेष रोपण को इस बार वनमहोत्सव में शामिल किया गया।

वनमण्डलाधिकारी मनीष कश्यप ने मियावाकी पद्धति के बारे में बताते हुये कहा कि इस विधि का प्रयोग कर के घरों के आस-पास खाली पड़े स्थान (बैकयार्ड) को छोटे बगानों या जंगलों में बदला जा सकता है। मियावाकी पद्धति के प्रणेता जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी हैं। इसके माध्यम से जिले के छोटे-छोटे स्थानों पर मिनी फॉरेस्ट के रूप में विकसित करना है। जिससे जिले को हीट वेव से बचाया जा सके। इस पद्धति से प्लांटेशन परंपरागत वृक्षारोपण से 10 गुना ज्यादा तेजी से बढ़ते हैं। मनेंद्रगढ़ वनमण्डल में इस वन महोत्सव में पांच मियावाकी पद्धति से रोपण किया गया। भविष्य में शहर के बीच ऐसे सभी खाली पड़े जगहों पर मियावाकी पद्धति से पौधों को लगाया जाएगा। पूर्व में भी डीएफओ मनीष कश्यप के द्वारा सीड बॉल पद्धति से रोपण की शुरुआत की गई थी जो छत्तीसगढ़ में काफी प्रचलित हुई थी।

सीएम और कृषि मंत्री के निर्देश के बाद भी दिखी असंवेदनशीलता

बलरामपुर रामानुजगंज , 19 अगस्त (एजेंसियां)। कौशांबी के पास सड़क हादसे में बलरामपुर रामानुजगंज जिले के तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई थी वहीं 18 लोग घायल हो गए थे। इस हृदय विधायक घटना को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री ने दुख व्यक्त करते हुए घायलों की हर संभव मदद करने के दिशा निर्देश प्रशासन को दिए थे परंतु प्रशासन की असंवेदनशीलता देखने को तब मिली जब प्रशासन के द्वारा एंबुलेंस से घायलों को एक ओर बेहतर इलाज के लिए छत्तीसगढ़ लाने का दावा किया जाता रहा वहीं जब एंबुलेंस में घायलों को बलरामपुर जिला चिकित्सालय शनिवार की रात्रि 10 बजे के करीब पहुंचे तो प्रशासन का एक भी प्रतिनिधि मौके पर नहीं था वही किराया तक एंबुलेंस का प्रशासन की ओर से नहीं दिया गया जिसके बाद पूर्व जिला पंचायत सदस्य धीरज सिंह देव के द्वारा 47 हजार रूप किराया एंबुलेंस का दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बलरामपुर विकासखंड से 21 तीर्थ

यात्रियों का दल उत्तर प्रदेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों में तीर्थ यात्रा में गया था वापस शुक्रवार को सभी आ रहे थे इसी दौरान कौशांबी नेशनल हाईवे में खड़ी टेलर से पिकअप की टक्कर हो गई जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं 18 लोग घायल हो गए घटना पर मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री ने दुख व्यक्त करते हुए घायलों को हर संभव मदद करने का निर्देश जिला प्रशासन को दिया था। शनिवार को ग्राम सुर्रा के गंभीर रूप से घायल दंपति अंकित प्रजापति 38 एवं आरती प्रजापति 34 को एंबुलेंस से लेकर शनिवार को पूर्व जिला पंचायत सदस्य धीरज सिंह देव एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भानु प्रकाश दीक्षित वाड्रफनगर पहुंचे जहां से उन्हें रायपुर के लिए एंबुलेंस से भेजा गया अंकित के गर्दन की हड्डी टूट गई है वही आरती के भी कमर में गंभीर चोट लगा है। वहीं अन्य घायल एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय में शनिवार के रात 10 पहुंचे जिसमे सुर्रा के अजय पाल, राकेश पाल, दिलीप गुप्ता ललिता देवी सहित अन्य लोग थे। वाड्रफनगर में व बलरामपुर जिला चिकित्सालय में प्रशासन की ओर से न कोई प्रतिनिधि पहुंचा नहीं किसी प्रकार की मदद घायलों को मिल सकी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य धीरज सिंह देव ने बताया कि जैसे ही हम लोग कौशांबी में सड़क घटना की जानकारी मिली तो तत्काल हम लोग मौके पर रवाना हुवे।उधर से वापस हम लोगो के साथ एक एंबुलेंस प्रयागराज से घायल दंपति को लेकर वाड्रफनगर तक पहुचा। जहां एंबुलेंस का किराया काफी कम प्रशासन की ओर से दिया जा रहा था जिसके बाद मैन 13 हजार रुपय नगद एंबुलेंस वाले को दिया। जहां से घायल दंपति को बेहतर इलाज के लिए रायपुर भेजा गया।वहीं बलरामपुर जिला चिकित्सालय में तीन एंबुलेंस शनिवार के रात 10 बजे पहुंची थी जिसमें घायल थे मौके पर प्रशासन की ओर से कोई भी प्रतिनिधि नहीं पहुंचा था वही एंबुलेंस का भी किराया के लिए घायलों के स्वजनों के बाद पैसा नहीं था। मुश्किल से 1हजार,2 हजार करके कुछ पैसा एंबुलेंस वाले को दिए थे। जब मैं 10:20 में वहां पहुंचा तो मुझे जानकारी मिली जिसके बाद मैंने एक साथ 47 हजार रुपय एंबुलेंस का दिया एवं जो पैसा घायलों के स्वजनों ने दिया था उसे वापस कराया श्री सिंह देव ने बताया कि घायल के स्वजनों की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह किराया दे सकें।

बंगाल की लड़की से झारखंड में बलात्कार

कोलकाता पुलिस जांच के लिए रांची पहुंची

रांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एक डॉक्टर की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला अभी थमा भी नहीं था कि झारखंड में बंगाल की एक लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आ गया है. इस लड़की से राजधानी रांची के एक होटल में दुष्कर्म किया गया. उसने यहां से लौटने के बाद कोलकाता में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई.

बलात्कार की प्राथमिकी दर्ज करने के बाद कोलकाता पुलिस जांच के लिए झारखंड की राजधानी कोलकाता पहुंची है. लड़की से रांची के स्टेशन रोड स्थित होटल एवीएन प्लाजा में दुष्कर्म हुआ था. विस्तृत समाचार की प्रतीक्षा है.

लोध फॉल घूमने आये बालूमाथ के पर्यटक फंसे, जेटीडीसी के कर्मियों ने बचाई जान

लातेहार, 19 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में लगातार हो रही बारिश की वजह से लातेहार जिले के महुआडांड़ स्थित राज्य का सबसे ऊंचा लोध फॉल इन दिनों उफान पर है. जलप्रपात ने रौद्र रूप धारण कर लिया है. इसी दौरान बालूमाथ के दो पर्यटक यहां घूमने आए और मुश्किलों में घिर गए.

लोध जलप्रपात के बेहद करीब पहुंच गए थे पर्यटक

दोनों पर्यटक लोध जलप्रपात के बेहद करीब पहुंच गए और ऐसी स्थिति में आ गए कि उनके लिए बाहर निकलना मुश्किल था. सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने दोनों युवकों को आगे जाने से रोका, लेकिन उन्होंने उनकी एक न सुनी. आगे बढ़ चले गए. इसी दौरान अचानक जलस्तर बढ़ गया और दोनों युवक झरने के नीचे पानी के तेज बहाव के बीच फंस गए. जान बचाने के लिए दोनों ऊंचे पत्थर पर चढ़ गए.

पत्थर के टीले पर चढ़कर पर्यटकों ने बचाई जान

पत्थर के टीले पर दोनों चढ़ तो गए, लेकिन पानी का बहाव कम होने का नाम नहीं ले रहा था. इसकी जानकारी झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के कर्मियों को मिली, तो फौरन जेटीडीसी के कर्मी मनोज मिंज, दिलीप तिर्की, एडवर्ड तिर्की, अशोक तिर्की मौके पर पहुंचे. काफी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका.

बाहर निकाले जाने के बाद युवकों ने सुरक्षाकर्मियों से कहा- शुक्रिया

बाहर निकाले जाने के बाद दोनों युवकों ने सुरक्षाकर्मियों का धन्यवाद किया. मानसून में सैकड़ों पर्यटक लोध जलप्रपात के खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठाने आते हैं. कई बार ये लोग सुरक्षाकर्मियों की अनदेखी करते हुए अपनी जान जोखीम में डाल लेते हैं. सुरक्षाकर्मियों के द्वारा लगाए गए लाल निशान को पार करते हुए कई पर्यटक नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं.

पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनात हैं कर्मचारी

सुरक्षाकर्मियों का कहना है कि पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वे हर तरह से उनकी मदद करते हैं, लेकिन कई बार पर्यटक उनकी बात नहीं मानकर अपनी जान जोखिम में डाल लेते हैं. हमारी ड्यूटी है कि हम लोगों को सुरक्षा प्रदान करें, लेकिन पर्यटकों को भी इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि वे ऐसा कोई काम न करें, जिससे उनकी जान को खतरा हो.

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने किया सोरेन के भाजपा से जुड़ने का स्वागत, बोले- आप टाइगर हैं

रांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सियासी हलचल के बीच केंद्रीय मंत्री व बिहार के दिग्गज नेता जीतन राम मांझी ने उनका स्वागत किया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि चंपाई दा आप टाइगर थे, टाइगर हैं और टाइगर ही रहेंगें। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन परिवार में आपका स्वागत है। जोहार टाईगर...। मांझी के इस पोस्ट के जरिए उनका एनडीए परिवार में स्वागत तो किया है। इस पोस्ट के बाद अब यह कहा जा रहा है कि जिस बात की घोषणा चंपई सोरेन नहीं कर पा रहे हैं, मांझी ने वह खोलकर रख दिया है।

वहीं बोधगया में स्थित अपने आवास पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने हमने चंपाई सोरेन का व्यक्तिगत स्वागत किया है। वैसे एनडीए में आना एनडीए के बड़े नेताओं पर निर्भर करता है। इसलिए व्यक्तिगत स्वागत किया है कि हमारे साथ में वैसा ही हुआ था। जो आज चंपई दा के साथ हुआ है। लोकतंत्र में इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए। अगर उनको कहा जाता तो निश्चित रूप से स्टेप डॉन कर देते। यह जबरदस्ती उनसे इस्तीफा ले लेना, उनके कार्यक्रम को रद्द कर देना। यह उचित नहीं था। इसलिए हमने उन्हें कहा कि आप साहसी आदमी हैं। आठ जनवरी से जुलाई महीने तक सीएम रहने का काम किया है। इस दौरान उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया था। उनके कार्यों की सराहना होती है। एनडीए में शामिल होने से झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में बहुत बड़ा असर होगा। झारखंड में राजनीति में सक्रिय रूप से साथ रहेंगे और बहुत सीटो पर वहां कब्जा कर लेंगे।

इससे पहले चंपई ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट के जरिए पार्टी नेतृत्व पर अपमानित करने और नया विकल्प अपनाने पर मजबूर करने का आरोप लगाया। विधानसभा चुनाव से पूर्व चंपई का पालाबदल झामुमो के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बता दें कि चंपई कोलकाता के रास्ते दिल्ली पहुंचे। कोलकाता में उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की।

बेमेतरा में खौफनाक वारदात

गांव के चौक पर बुजुर्ग की कुल्हाड़ी से हत्या, जांच में जुटी पुलिस टीम

बेमेतरा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को बेमेतरा में हत्या की वारदात हुई है। बेमेतरा के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम कठिया में 70 वर्षीय बुजुर्ग आशाराम निषाद की आरोपी ने टंगिया से मारकर हत्या कर दी है। थाना से मिली जानकारी अनुसार, मृतक बुजुर्ग आशाराम अपने घर से कुछ दूर गांव के गांधी चौक के पास था।

तभी आरोपी ने पुरानी रंजिश को लेकर बुजुर्ग के ऊपर टंगिया से हमला कर दिया। मौके पर ही बुजुर्ग की मौत हो गई है। पुलिस ने संदेही को हिरासत में ले लिया है। संदेही से पूछताछ जारी है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच में पूर्व से विवाद चला आ रहा था। यही विवाद हत्या का कारण बना है। शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। वहीं गांव में हत्या की वारदात होने के बाद ग्रामीण डरे हुए हैं। गांव में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। आज शाम तक पुलिस ने हत्या का खुलासा किए जाने की बात कही है।

चीन-फिलीपींस के जहाज साउथ चाइना सी में फिर भिड़े

2 महीने में दूसरी बार टक्कर; ड्रैगन बोला- उकसाने वाली हरकत की तो अंजाम भुगतना होगा

बीजिंग, 19 अगस्त (एजेंसियां)। साथ चाइना सी में चीन और फिलीपींस के जहाजों के बीच फिर से टक्कर हुई है। रॉयटर्स के मुताबिक ये घटना सोमवार सुबह लगभग 3 बजकर 24 मिनट पर विवादित सेकेंड थॉमस शोल के पास हुई। चीन के कोस्टगार्ड ने सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा कि चीनी तट रक्षक जहाज 21551 से फिलीपींस के जहाज 4410 को कई बार चेतावनी दी गई मगर उन्होंने इसे नजरअंदाज किया और टक्कर मार दी।

चीनी कोस्टगार्ड के प्रवक्ता गेंग यू ने कहा कि फिलीपींस के जहाज ने बहुत ही गैर जिम्मेदाराना और खतरनाक तरीके से काम किया। उन्होंने कहा कि फिलीपींस का जहाज जियाबिन रीफ (सबीना शोल के) के पास से अवैध रूप से चीनी जल क्षेत्र में घुसा था। गेंग यू ने कहा कि फिलीपींस के जहाज ने सिस्टम को तोड़ा है। अगर वे ऐसे ही उकसाने वाली हरकत करते हैं तो उन्हें इसका अंजाम भुगतना होगा। फिलीपींस ने कहा कि चीनी जहाज उसके इलाके में खतरनाक तरीके से युद्धभ्यास कर रहे थे। इस दौरान फिलीपींस के जहाजों से टक्कर हो गई जिसमें उनके दो जहाजों को नुकसान पहुंचा है। फिलीपींस और चीन के जहाजों की टक्कर पहले भी हो चुकी है। 17 जून को दोनों देशों के जहाज सेकेंड थॉमस शोल के पास भिड़ गए थे। तब भी दोनों पक्षों ने एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराया था। चीन और फिलीपींस के बीच इस इलाके में तनाव लंबे समय से जारी है। पिछले साल 22 अक्टूबर को चीन के एक कोस्ट गार्ड शिप ने फिलीपींस के कोस्ट गार्ड शिप को टक्कर मार दी थी। तब फिलीपींस के कोस्टगार्ड ने आरोप लगाया था कि चीनी कोस्टगार्ड ने विवादित सेकेंड थॉमस शोल में उसके तीन जहाजों पर पानी की बौछार की और उनमें से एक जहाज को टक्कर मार दी, जिससे जहाज के इंजन को गंभीर क्षति पहुंचा। वहीं, सितंबर में बीजिंग ने साउथ चाइना सी में फिलीपींस के मछली पकड़ने वाले जहाजों को रोकने के लिए स्कारबोरो शोल इलाके में फ्लोटिंग बैरियर लगाए थे। हालांकि, बाद में फिलीपींस ने इसे तोड़ दिया था। सेकेंड थॉमस शोल साउथ चाइना शी में स्प्रैटली आइलैंड्स में एक जलमग्न चट्टान है। इस पर 6 देश अपना दावा करते हैं। फिलीपींस का कहना है कि सेकेंड थॉमस शोल उसके समुद्र तट से 200 नॉटिकल मील (लगभग 370 किलोमीटर) और पलावन द्वीप से 140 किमी की दूरी पर स्थित है। यह इलाका उसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्पेशल इकोनॉमिक जोन में पड़ता है।

सेकेंड थॉमस शोल पर दो दशकों से फिलीपींस ने अपने नौसेना का जहाज बीआरपी सिएरा माद्रे तैनात कर रखा है। इस पर फिलीपीनी मरीन की एक छोटी टुकड़ी तैनात है। चीन ने भी इस इलाके में निगरानी के लिए अपनी कई बोट्स और कोस्टगार्ड को तैनात कर रखा है। यही वजह है कि दोनों देशों के जहाज यहां अक्सर टकराते रहते हैं। सेकेंड थॉमस शोल को चीन सबीना शोल कहता है और इस पर दावा जताता है। ये इलाका चीन के हैनान द्वीप से करीब 1000 किमी दूर है। दरअसल, साउथ चाइना शी के करीब 80% इलाके पर अपना दावा जताता रहा है। यह एक ऐसा समुद्री क्षेत्र जहाँ प्राकृतिक तेल और गैस प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

2016 में द हेग स्थित इंटरनेशनल कोर्ट ने फैसला सुनाया कि चीन के दावों का अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कोई कानूनी आधार नहीं है।

हालांकि, बीजिंग इस फैसले को नहीं मानता है और इस इलाके में अपना दबदबा बनाने की कोशिश करता रहा है। चीन ने दक्षिणी चीन सागर में अपने दबदबे को कायम करने के लिए जून में एक नया मैरीटाइम कानून बनाया था। इसके मुताबिक साउथ चाइना शी में घुसपैठ के गंभीर मामलों में चीन आरोपी को 60 दिन तक बिना ट्रायल के हिरासत में रख सकेगा।

यूक्रेन ने 3 दिन में रूस का दूसरा पुल उड़ाया

सेना की सप्लाई लाइन काटी, जेलेंस्की बोले- जहां कब्जा किया, वहां बफर जोन बनाएंगे

कीव, 19 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन ने कुर्स्क में हमला करके एक और अहम पुल को गिरा दिया है। यूक्रेन के वायु सेना कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा वीडियो भी जारी किया। उन्होंने कहा कि इस पुल का बहुत रणनीतिक महत्व है। इसके टूटने के बाद अब रूस की सप्लाई लाइन पर काफी असर पड़ेगा। रूस में ये दूसरा पुल है जिसे यूक्रेन ने तबाह किया है। 2 दिन पहले यूक्रेनी सेना ने कुर्स्क के ग्लुशकोवो में एक और पुल को गिरा दिया था। रॉयटर्स के मुताबिक यह पुल सीम नदी पर बना हुआ था। ये यूक्रेन की सीमा से 15 किमी दूर है।

अभी तक इस बात की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है कि रविवार को जिस पुल पर हमला हुआ, वह वास्तव में कहां हुआ। हालांकि, रूसी टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया कि ज्वानोए गांव में सीम नदी पर बने दूसरे पुल पर हमला हुआ है। रूस की मेश न्यूज के मुताबिक कुर्स्क में 3 पुल थे। अब एक ही पुल सलामत बच गया है।

यूक्रेन ने बेलारूस की सीमा पर भी हजारों सैनिक तैनात कर रखे हैं। ये दावा बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने किया। उन्होंने रविवार को एक इंटरव्यू में कहा कि यूक्रेन ने जुलाई की शुरुआत में बेलारूस की सीमा पर 1 लाख 20 हजार सैनिक तैनात किए थे। उन्होंने बाद में इसमें और इजाफा किया। लुकाशेंको ने कहा कि इसके जवाब में बेलारूस की एक तिहाई सेना यूक्रेन से लगे बॉर्डर पर तैनात कर दी गई है। हालांकि, उन्होंने सैनिकों का स्पष्ट आंकड़ा नहीं बताया। ब्रिटिश अखबार रॉयटर्स ने बताया कि 2022 में बेलारूस के पास 60 हजार सैनिक थे। ऐसे में माना जा रहा है कि बेलारूस के 20 हजार से ज्यादा सैनिक यूक्रेन की सीमा पर तैनात हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि वे कुर्स्क इलाके पर हमला कर रहे हैं, ताकि इसे बफर जोन बना सकें। बफर जोन में दो देशों के बीच में खाली जगह होती है। इस जगह पर किसी का कब्जा नहीं होता। यूक्रेन ने 6 अगस्त को रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला शुरू किया था।

इसके बाद रूस ने कुर्स्क में इमरजेंसी लागू कर दिया था। इसके बाद रूस ने बेलगोरोद में भी इमरजेंसी लागू कर दी। यूक्रेन ने 16 अगस्त तक रूस के 1,150 वर्ग किलोमीटर इलाके पर कब्जा कर लिया।

इजराइल-हमास जंग खत्म हो सकती है

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा- ये युद्ध विराम का आखिरी मौका

वाशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि गाजा जंग रोकने और बंधकों को वापस घर लाने का ये आखिरी मौका है। ब्लिंकन रविवार को इजराइल दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने इजराइली राष्ट्रपति इसाक हेर्जोग से मुलाकात की। 7 अक्टूबर को जंग शुरू होने के बाद से ब्लिंकन अब तक 9 बार मिडिल ईस्ट का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने उन्हें गाजा जंग को पूरी तरह से खत्म करने के लिए भेजा है। ब्लिंकन ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि काम को पूरा कर लिया जाए। हर कोई 'हां' कहे और 'ना' कहने के लिए कोई बहाना न ढूंढे। अब कोई भी ऐसा कदम न उठाए जिससे बातचीत की प्रक्रिया पटरी से उतर जाए। कोई तनाव न हो, कोई उकसावे की कार्रवाई न करे इसका हम ध्यान रखेंगे।

इससे पहले 15 और 16 अगस्त को इजराइल, अमेरिका, कतर और मिस्र के प्रतिनिधियों के बीच सीजफायर को लेकर दोहा में बातचीत हुई थी। इस बातचीत में हमास ने हिस्सा नहीं लिया था। बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि हम सीजफायर डील के बेहद नजदीक हैं। हालांकि हमास ने सीजफायर डील में नई शर्तों को शामिल करने पर विरोध जताया है।

दूसरी तरफ इजराइल लेबनान में भी हमले कर रहा है। रविवार को दक्षिणी लेबनान में इजराइल की तरफ से की गई स्ट्राइक में 10 लोगों की मौत हो गई। इस हमले में 5 अन्य लोग भी घायल हुए हैं। मरने वालों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। हमले में मारे गए सभी लोग सीरियाई नागरिक थे। वहीं हिजबुल्लाह की तरफ से किए गए रॉकेट हमले में 2 इजराइली सैनिक घायल हुए हैं।

इजराइल और हमास के बीच जारी जंग में मरने वाले फिलिस्तीनियों लोगों का आंकड़ा 40 हजार के पार हो गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार 15 अगस्त को इसकी जानकारी दी। गाजा पर इजराइली हमलों में अब तक 90 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

फिलीपींस में मिला मंकीपॉक्स का पहला केस

पहले पाकिस्तान और स्वीडन में भी वायरस मिला था, इस साल 500 से ज्यादा मौत

मनीला, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मंकीपॉक्स वायरस अब अफ्रीका के बाहर भी तेजी से फैलने लगा है। स्वीडन और पाकिस्तान के बाद अब फिलीपींस में भी सोमवार को मंकीपॉक्स का केस मिला है। इस साल फिलीपींस में मिला ये पहला केस है। इससे पहले दिसंबर में भी इस वायरस के केस मिले थे। फिलीपींस के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मरीज अपने देश से कहीं बाहर नहीं गया था। मरीज में कौन सा वैरिएंट मिला है इसका पता नहीं चल पाया है। इससे पहले, पाकिस्तान में शुक्रवार (16 अगस्त) को मंकीपॉक्स के तीन केस मिले थे। तीनों मरीज UAE की यात्रा करके लौटे थे। वहीं, स्वीडन में गुरुवार (15 अगस्त) को मंकीपॉक्स का मामला सामने आया था। अफ्रीका के बाद यह पहला मामला था। रिपोर्ट्स के मुताबिक मरीज में मंकीपॉक्स का क्लेड आई वैरिएंट पाया गया, जो कि एक जानलेवा वैरिएंट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 14 अगस्त को एमपाक्स यानी मंकीपॉक्स को ग्लोबल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है। यह दो साल में दूसरी बार है जब इस बीमारी को हेल्थ इमरजेंसी बताया गया है। WHO की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल विश्व में मंकीपॉक्स से अब तक 537 मौत हो चुकी है। कांगो में इस बीमारी का प्रकोप फैला हुआ है। इसकी चपेट में पड़ोसी देश भी आ रहे हैं।

क्या है मंकीपॉक्स

मंकीपॉक्स चेचक जैसी एक वायरल बीमारी है। आमतौर इस वायरस से संक्रमण के ज्यादा दुष्प्रभाव नहीं होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह घातक हो सकता है। इसके चलते फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं और शरीर पर मवाद से भरे घाव हो जाते हैं। यह वायरस ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस फैमिली का ही मेंबर है, जो चेचक (स्मालपॉक्स) के लिए भी जिम्मेदार है। WHO इसलिए भी चिंतित है क्योंकि मंकीपॉक्स के अलग-अलग प्रकोप में मृत्यु दर अलग-अलग देखी गई है। कई बार तो यह 10% से भी अधिक रही है। यह इसलिए अधिक खतरनाक साबित हो सकता है, क्योंकि यह संक्रामक बीमारी है। इसलिए WHO ने इसे लेकर सबसे उच्च स्तर का अलर्ट जारी किया है। मंकीपॉक्स के क्या लक्षण हैं

किसी व्यक्ति के वायरस के एक्सपोजर में आने के बाद इसके लक्षण सामने आने में कई दिन या कुछ सप्ताह का समय लग सकता है। इसके लक्षण आमतौर पर एक्सपोजर के 3 से 17 दिन बाद दिखने शुरू होते हैं। जब कोई व्यक्ति वायरस के एक्सपोजर में आया और जब इसके लक्षण दिखने शुरू हुए, इस बीच के समय को इनक्यूबेशन पीरियड कहते हैं। मंकीपॉक्स के लक्षण आमतौर पर 2 से 4 सप्ताह तक बने रहते हैं। मंकीपॉक्स का सबसे शुरुआती लक्षण बुखार होता है। फिर बुखार शुरू होने के लगभग 1 से 4 दिन बाद त्वचा पर दाने निकलने शुरू होते हैं।

इसमें निकलने वाले दाने अक्सर पहले चेहरे पर दिखते हैं। इसके बाद हाथ या पैर पर दिखाई देते हैं और फिर शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाते हैं। हालांकि, साल 2022 में शुरू हुए प्रकोप से जुड़े मामलों में दाने अक्सर जननांग क्षेत्र से शुरू होते थे।

कुछ लोगों के दाने मुंह या गले से शुरू हो रहे थे। मंकीपॉक्स के रैश कई चरणों से गुजरते हैं। शुरू में निकले चपटे दाने फफोले में बदल जाते हैं। फिर ये छाले मवाद से भर जाते हैं। उसके बाद पपड़ी बन जाती है और 2 से 4 सप्ताह की अवधि तक सूखकर खत्म हो जाते हैं। ये दाने मुंह, चेहरे, हाथ, पैर, लिंग, योनि या गुदा पर कहीं भी हो सकते हैं। कई बार तो ये गले में भी हो जाते हैं।

जब से मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने शुरू होते हैं, तब से लेकर आपके दाने और पपड़ी ठीक होने तक संक्रमित व्यक्ति इसे फैला सकता है। इसके अलावा लक्षण विकसित होने से पहले भी यह संक्रमित व्यक्ति के जरिए फैल सकता है।

थाईलैंड की सबसे युवा पीएम बनीं पैटोंगटार्न शिनावात्रा

पैटोंगटार्न शिनावात्रा

बैंकॉक,19 अगस्त (एजेंसियां)। पैटोंगटार्न शिनावात्रा के थाईलैंड की नई प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद उनको दुनियाभर से बधाई मिल रही है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर उनको मुबारकबाद देते हुए अपने पोस्ट में कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। पैटोंगटार्न शिनावात्रा के पीएम बनने का असर ना सिर्फ दूसरे देशों के साथ थाईलैंड के रिश्ते पर होगा बल्कि देश की राजनीति में भी कुछ बड़े बदलाव दिख सकते हैं। इसकी वजह लंबे समय बाद शिनावात्रा परिवार से देश का पीएम बनना है।

इंडियन एक्सपर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, थाईलैंड में बीते साल हुए चुनाव में पैंटोंगटार्न की सेंटर-दक्षिणपंथी फेउ थाई पार्टी दूसरे स्थान पर आई थी। प्रगतिशील मूव फॉरवर्ड पार्टी (एमएफपी) ने सबसे अधिक सीटें जीती थीं। पैटोंगटार्न के पिता और पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा गठबंधन कर सत्ता में आ गए थे। अगस्त 2023 में फेउ थाई नेता श्रीथा थाविसिन प्रधानमंत्री बने थे। एक साल से भी कम समय में 14 अगस्त को संवैधानिक अदालत के आदेश के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद देश की संसद ने पैंटोंगटार्न के तौर पर देश की सबसे युवा पीएम को चुना।

न्यूयॉर्क में इंडिया डे परेड में राम मंदिर की झांकी निकली

सोनाक्षी सिन्हा, पंकज त्रिपाठी शामिल हुए; 4 दशकों से हर साल होता है कार्निवल

न्यूयॉर्क, 19 अगस्त (एजेंसियां)।अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में रविवार (18 अगस्त) को इंडिया डे परेड आयोजित की गई। इसमें अयोध्या के राम मंदिर सहित 40 से ज्यादा झांकियां निकली। भारतीय लोग तिरंगा लेकर परेड में ढोल बजाते और नाचते दिखे। सड़कों पर देशभक्ति और धार्मिक गाने भी बजे।

कार्निवल में लकड़ी से बनी राम मंदिर की झांकी ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। 18 फुट लंबी, नौ फुट चौड़ी और आठ फुट ऊंची इस झांकी को भारत में बनाया गया है। इसे परेड में भाग लेने के लिए एयर कार्गो से न्यूयॉर्क भेजा गया था।

सोनाक्षी-पंकज त्रिपाठी भी परेड में शामिल हुए

फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन के अनुसार, परेड में 50 से ज्यादा मार्चिंग ग्रुप और 30 से ज्यादा मार्चिंग बैंड के अलावा

मशहूर हस्तियां भी शामिल हुए। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ग्रैंड मार्शल थीं। खास मेहमानों के तौर पर एक्टर पंकज त्रिपाठी और भाजपा सांसद मनोज तिवारी शामिल हुए। भारत की स्वतंत्रता का जश्न मनाने के लिए न्यूयॉर्क में हर साल इंडिया डे परेड होती है। यह परंपरा चार दशकों से ज्यादा समय चली आ रही है। इस साल 42वीं इंडिया डे परेड मनाई गई है। परेड ने न्यूयॉर्क के मैडिसन एवेन्यू से ईस्ट 38वीं स्ट्रीट से ईस्ट 27वीं स्ट्रीट तक मार्च किया।

समुदाय के निमंत्रण पर इंडिया डे परेड में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क आया हूं। राम मंदिर की झांकी ने आकर्षण बटोर लिया है। राम मंदिर की झांकी दर्शाती है कि भारत की संस्कृति पूरे विश्व को एक परिवार मानती है।'

इंडिया डे परेड में राम मंदिर की झांकी को लेकर काफी विवाद भी हुआ है। भारतीय-अमेरिकी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक ग्रुप ने राम मंदिर झांकी को शामिल करने पर परेड से अपनी झांकी वापस ले ली। कुछ अमेरिकी संगठनों ने न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स और गवर्नर कैथी होचुल को एक चिट्ठी लिखी, जिसमें झांकी को मुस्लिम विरोधी बताया गया था। उन्होंने कहा कि राम मंदिर एक मस्जिद को गिराए जाने का महिमामंडन करती है। मेयर और गवर्नर को लिखे लेटर पर साइन करने वाले समूहों में काउंसिल ऑन अमेरिकन इस्लामिक रिलेशंस, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स भी शामिल हैं। हालांकि, इवेंट ऑर्गेनाइज करने वाले ग्रुप फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन ने कहा कि हिंदुओं के लिए अहम धार्मिक स्थल के ऐतिहासिक उद्घाटन का जश्न मनाने के लिए राम मंदिर की झांकी परेड में शामिल की गई है। एसोसिएशन ने बताया कि न्यूयॉर्क पुलिस और मेयर ने पिछले 20 सालों से परेड में हमारा साथ दिया है।

रूस में सेना भेजकर जेलेंस्की ने कर दी भारी गलती

पुतिन के सामने खुला छोड़ दिया मैदान दांव पर यूक्रेन की सुरक्षा

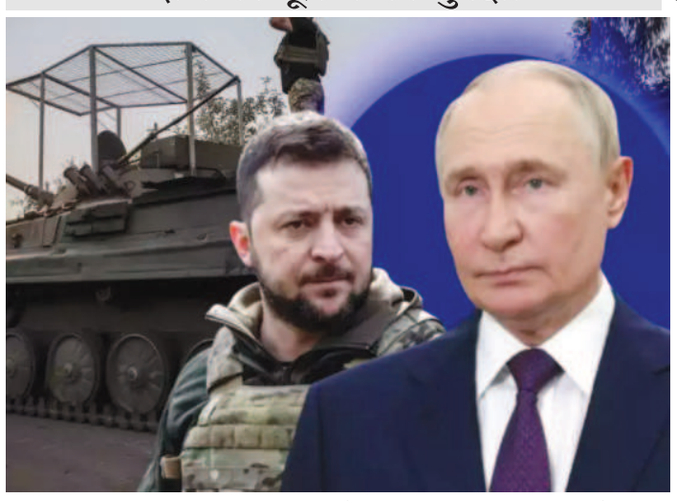

कीव, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच ढाई साल से ज्यादा समय से जारी युद्ध में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने खुद को का मंझा हुआ राजनीतिक खिलाड़ी साबित किया है। एक प्रतिभाशाली नेता जिसने शक्तिशाली दुश्मन के सामने अपने देश की सेना और लोगों को मनोबल बढ़ाए रखा है और वैश्विक समर्थन हासिल करने में सक्षम है। जेलेंस्की ने दो सप्ताह पहले यूक्रेनी बलों को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में भेजकर सभी को चौंका दिया। यूक्रेनी बल रूस के अंदर 30 किमी तक घुस गए हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद रूस की जमीन पर यह सबसे बड़ा हमला है। हालांकि, रक्षा विशेषज्ञ यूक्रेन के इस कदम को जेलेंस्की की बड़ी रणनीतिक भूल बता रहे हैं।

द हिल में प्रकाशित एक लेख में कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के आक्रमण को एक अनुभवी राजनेता के बजाय एक लापरवाह चाल बताया I/e है, जो बहुत मामूली लाभ के लिए प्राथमिक युद्ध के मैदान से महत्वपूर्ण संसाधनों को हटा देता है। हालांकि, इस आक्रमण ने सुर्खियां बटोरी हैं और रूस को कुछ हद तक मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंचाई हैं। लेकिन यह जीत सतही है और युद्ध का रुख बदलने में बहुत कम मदद करती है।

रूस अपनी असफलताओं के बावजूद एक विशाल शस्त्रागार और परमाणु निवारक के साथ एक दुर्जेय सैन्य शक्ति बना हुआ है। विशेषज्ञों ने युद्ध के मुख्य क्षेत्र में सैन्य बलों को हटाना एक बहुत बड़ी रणनीतिक चूक बताया है। रूसी में हमले के लिए तैनात किए गया यूक्रेन का प्रत्येक सैनिक, टैंक और तोपखाना अगर अंग्रिम पंक्ति पर केंद्र होता, तो संभावित रूप से ठोस लाभ प्राप्त कर सकते हैं और कब्जे वाले क्षेत्रों को वापस पा सकते हैं।

इसके बजाय यूक्रेन खुद को एक महंगे और अंततः निरर्थक प्रयास में उलझा हुआ पाता है। यूक्रेन के भविष्य के लिए असली लड़ाई कहीं और यूक्रेनी जमीन के अंदर ही जारी है, जहां रूसी बल बढ़त का दावा कर रहे हैं। जेलेंस्की का एक प्रचार स्टंट पर दांव लगाने का निर्णय एक दुखद गलतफहमी है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। यूक्रेनी बलों ने इस युद्ध में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन रणनीतिक दिशा के बिना साहस आपदा पैदा कर सकता है।

नासा के एस्ट्रोनॉट ने स्पेस से कैमरे में कैद किया बिजली गिरने का नजारा

भारत के ऊपर दिखी अद्भुत नीली रोशनी

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल एरोनॉटिक एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के एस्ट्रोनॉट मैथ्यू डोमिनिक ने स्पेस से तस्वीर साझा करते हुए दिखाया है कि आकाश से भारत कैसा दिखता है, जब बिजली कड़कती है। 17 अगस्त को एक एक्स पोस्ट में अंतरिक्ष यात्री मैथ्यू डोमिनिक ने अंतरिक्ष से ली गई असाधारण तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर दस लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। इस तस्वीर में एक अनोखी बिजली की चमक दिखाई गई है, जो पूरी तरह से पृथ्वी की पृष्ठभूमि पर बनाई गई है। तस्वीर में गहरे अंधेरे में आसमान के बीच चमकदार बिजली दिख रही है। तस्वीर में रोशनी से चमकते कुछ डॉट्स भी दिख रहे हैं जोकि अलग-अलग शहर हैं। एस्ट्रोनॉट मैथ्यू डोमिनिक ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, 'भारत में रात में बिजली चमकती है। मैं रोशनी को एक तस्वीर में कैद करने का प्रयास करते समय बर्स्ट मोड का उपयोग किया और उम्मीद लगाई कि लाइट फ्रेम में टकराए। मुझे बहुत खुशी हुई जब यह बिजली का झटका फ्रेम के बीच में आया। इसे किसी क्रॉप की आवश्यकता नहीं है।

पीएम नरेंद्र मोदी की 'पाकिस्तानी' बहन कमर शेख 30 साल से बांध रहीं हैं राखी

इस्लामाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन का त्योहार आज देश और दुनिया में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। पाकिस्तान में पैदा हुईं एक ऐसी महिला भी हैं, जो बीते तीन दशक से अपने हिन्दुस्तानी भाई को राखी बांध रही हैं। इस महिला का नाम कमर शेख है और उनके हिन्दुस्तानी भाई कोई और नहीं बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी हैं। कमर शेख और नरेंद्र मोदी इस रिश्ते को बीते 30 वर्षों से निभा रहे हैं, जब मोदी राजनीति में बहुत बड़ा नाम नहीं थे।

पाकिस्तानी महिला कमर शेख रक्षा

बंधन मनाने के लिए दिल्ली पहुंची हैं और सोमवार को वह पीएम मोदी को राखी बांधेंगी। यह 30वीं बार होगा जब वह नरेंद्र मोदी की कलाई पर राखी बांधेंगी। इंडिया टुडे को बात करते हुए कमर ने कहा कि वह हर रक्षाबंधन पर अपने हाथों से राखी बनाती हैं। कभी भी बाजार से राखी नहीं खरीदतीं हूं। उन्होंने कहा कि मैं हर साल रक्षाबंधन से पहले एक नहीं बल्कि कई राखियां बनाती हूं और जो राखी मुझे सबसे ज्यादा अच्छी लगती है उसे मैं नरेंद्र मोदी की कलाई पर बांधती हूं।

कमर शेख पाकिस्तान की बेटी और भारत की बहू हैं। पाकिस्तान के कराची में पैदा हुईं कमर शेख की शादी 1981 में मोहसिन शेख से हुई थी। मोहसिन से शादी के बाद वह भारत आ गईं और अहमदाबाद में बस गईं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी

ढाका कॉलेज के हॉस्टल में घुसे कट्टरपंथी

ढाका, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के दावों और सुरक्षा के भरोसे के बावजूद हिंदुओं पर हमले थम नहीं रहे हैं। इस्लामिक कट्टरपंथियों ने ढाका कॉलेज के हिंदा छात्रावास पर हमला कर मंदिर और मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया है। हमले के दौरान छात्रावास के पश्चिमी हिस्से में स्थित हिंदू मंदिर की मूर्तियों को तोड़ दिया गया और कीमती सामान चुरा लिए गए। ढाका में शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले शुरू हो गए थे, जो अभी तक जारी हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार मूकदर्शक बनी हई है। न तो मुकदमा दायर किए जा रहा है और न ही गिरफ्तारी या कोई कार्रवाई हो रही है।

बांग्लादेश में सरकारी नौकरी में कोटा हटाने को लेकर उग्र आंदोलन के बाद 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भाग गई थीं। इसके बाद से ही बांग्लादेश में लक्षित हिंसा में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है।

भजनलाल सरकार ने महिलाओं को दिए एक साथ 2 बड़े तोहफे

रक्षाबंधन पर हो गई बल्ले-बल्ले

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन पर महिलाओं को दो बडे तोहफे दिए है। सरकार ने रक्षाबंधन पर्व पर खोले हनुमानजी मंदिर में संचालित रोपेवे में महिला दर्शनार्थियों को टिकट में 50 प्रतिशत की छूट देने का एलान किया है। साथ ही जेसीटीएसएल की लो-फ्लोर बसों में भी रक्षाबंधन पर महिलाएं निशुल्क यात्रा कर सकेंगी। इससे पहले सरकार ने रोडवेज बसों में फ्री यात्रा का आदेश जारी किया था।

रोप वे में महिलाओं को मिलेगी छूट

रक्षाबंधन पर्व के मौके पर खोले हनुमानजी मंदिर में संचालित रोपेवे में महिला दर्शनार्थियों को टिकट में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। रोपेवे संचालित करने वाले कंपनी की ओर से यह ऑफर दिया गया है।

कंपनी के निदेशक कैलाश खंडेलवाल ने बताया कि यह सुविधा सुबह आठ से रात आठ बजे तक मिलेगी।

जयपुर शहर में चलने वाली जेसीटीएसएल की लो-फ्लोर बसों में रक्षाबंधन पर महिलाओं निशुल्क यात्रा कराई जाएगी। जेसीटीएसएल ने इसके आदेश जारी कर दिए।

शिक्षा विभाग अलर्ट मोड पर, सरकारी और निजी स्कूलों के लिए नई गाइडलाइन जारी

चित्तौड़गढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर के एक विद्यालय में छात्र को चाकू मारने की घटना के बाद अब शिक्षा विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों में विद्यार्थियों को लेकर प्रदेश भर के राजकीय व निजी विद्यालयों के संस्था प्रधानों को गाइडलाइन जारी की है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी के निर्देशानुसार अब स्कूलों में विद्यार्थी धारदार हथियार, चाकू, कैंची, छुरी सहित किसी भी तरह की नुकीली वस्तुएं साथ लेकर नहीं आ सकेंगे। वहीं, स्कूलों में इस संबंध में शिक्षकों की ओर से

विद्यार्थियों को गाइड करने के साथ ही उनके स्कूल बैग की जांच भी की जाएगी। इसके बावजूद किसी विद्यार्थी की ओर से लापरवाही बरतने पर उसके खिलाफ सत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नोटिस बोर्ड पर चस्पा होगी सूचना

निदेशक मोदी के अनुसार अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल में पढने के लिए भेजते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए स्कूल सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए। नई गाइडलाइन को लेकर स्कूल के नोटिस बोर्ड पर सूचना चस्पा करने के साथ ही शिक्षक प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को लगातार इसके बारे में बताएंगे। ताकि, प्रदेशभर के स्कूलों में किसी भी तरह से होने वाले हिंसक घटनाक्रम को रोका जा सके।

अब इन विद्यार्थियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

राजस्थान के सभी स्कूलों में शिक्षकों के साथ-साथ घर पर अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को ऐसी वस्तुओं के खतरों के बारे में जागरूक करें। अभिभावक अपने बच्चों के बैग की नियमित जांच करने के साथ ही उनके व्यवहार में परिवर्तन दिखने पर सजग रहते हुए शिक्षकों से संपर्क बनाए रखें। स्कूल में यदि कोई विद्यार्थी धारदार हथियार या नुकीली वस्तु लेकर आए तो संस्था प्रधान तुरंत उसके अभिभावक के संपर्क कर अवगत करवाएं। आवश्यकता पडने पर उल्लंघन करने वाले विद्यार्थी के विरुद्ध सत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। ऐसे विषय पर अध्यापक – अभिभावक परिषद की बैठक में चर्चा भी की जाएगी। निदेशक ने आदेश में कहा कि शिक्षक रेण्डमली विद्यार्थियों के बैग, डेस्क और व्यक्तिगत वस्तुओं की नियमित जांच करें। साथ ही विद्यार्थियों में अचानक होने वाले व्यवहारगत परिवर्तन पर भी नजर रखते हुए ऐसे विद्यार्थियों के प्रति अतिरिक्त सावधानी रखते हुए संवेदनशील रहें।

एसओजी ने कसा सरगना भूपेंद्र सारण की प्रेमिका पर शिकंजा

फर्जी डिग्री से 4 प्रतियोगी परीक्षा में बैठी

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)।राजस्थान में गत वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में बेरोजगारों के साथ छलावा हुआ... पेपरलीक, फर्जी डिग्री और डमी अभ्यर्थी बैठाने वाले गिरोह जैसी प्रतियोगी परीक्षा...वैसी ही फर्जी डिग्री उपलब्ध करवा देते। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की जांच में खुलासा हुआ कि पेपरलीक करने व फर्जी डिग्री बनाने वाले सरगना भूपेन्द्र सारण की प्रेमिका गत चार वर्षों में चार अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षा में बैठी और चारों में अलग-अलग फर्जी डिग्री लगाई थी।

एसओजी ने इस संबंध में मामला भी दर्ज किया है। एसओजी ने बताया कि प्रियंका बिश्नोई ने वीडीओ की परीक्षा में

गुजरात से बीए की डिग्री लेना बताया, जबकि पीजीडीसीए की बैक डेट में डिग्री ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से बनवाई। एक साथ दो ग्रेजुएशन की डिग्री लेना संभव नहीं है। लाइब्रेरियन की डिग्री उत्तर प्रदेश की शिकोहाबाद यूनिवर्सिटी से ली। पीटीआई भर्ती परीक्षा के लिए डीपीएड की डिग्री ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से ली। एसओजी ने इन डिग्री की जांच की तो फर्जी निकली। पेपरलीक मामले में भूपेन्द्र सारण अभी जेल में बंद है। एसओजी ने आरोपी भूपेन्द्र के आवास पर छापा मारा तब उसके घर से बड़ी संख्या में कई लोगों के नाम की फर्जी डिग्रियां मिली थीं।

पीटीआई में हो गया था चयन

पीटीआई भर्ती के परिणाम में प्रियंका बिश्नोई का चयन हो गया था। शिक्षा विभाग ने प्रियंका के शैक्षणिक दस्तावेज को हरी झंडी दे दी थी। इसके बाद भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों की सूची में प्रियंका नाम शामिल हो गया। लेकिन राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने फाइनल परिणाम तैयार करते समय प्रियंका का नाम पकड़ लिया। इसके बाद बोर्ड ने उसके परिणाम पर रोक लगा दी थी। बोर्ड ने फर्जी डिग्री बांटने के मामले में 12 यूनिवर्सिटी को चिह्नित किया था।

कन्हैयालाल के बेटे ने सरकार से कर डाली बड़ी मांग

उदयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर में चाकूवार के मामले में आरोपी के घर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शनिवार को की गई। इस तरह की कार्रवाई को उचित ठहराते हुए कन्हैयालाल के बेटे ने कहा कि उनके पिता के हत्यारों के घर भी बुलडोजर चलने चाहिए। इसके लिए आरोपियों की संपत्तियों की जांच की जानी चाहिए।

टेलर कन्हैयालाल साहू के बेटे यश ने कहा कि गंभीर अपराध करने वालों के घर बुलडोजर चलाने की सरकार की अच्छी पहल है। मेरे पिता की हत्या के मामले में पकड़े गए आरोपियों के घरों की भी जांच होनी चाहिए। अवैध होने पर उनके घरों पर भी बुलडोजर चलने चाहिए। दो साल पहले पिता की

हत्या के दौरान इस तरह की कार्रवाई के नजरिये से नहीं देखा गया। अब इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। दो साल पहले भले ही ऐसी कार्रवाई नहीं हो पाई, लेकिन अब भी जांच करके कार्रवाई की जानी चाहिए।

गौरतलब है कि चाकू वार की घटना को गंभीर मानते हुए राजस्थान सरकार ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रशासनिक जांच में सामने आया कि आरोपी का मकान वन विभाग की भूमि पर अवैध रूप से बना हुआ है। ऐसे में रात को ही उस पर नोटिस चस्पा कर दिया गया था। सुबह बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शुरू हो गई। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

घटना को लेकर वाम दलों ने कड़ी निंदा करते हुए पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलोन की मांग की। उन्होंने घटना के बाद शहर में तोड़फोड़ व आगजनी की घटना को पुलिस-प्रशासन की असफलता बताया और बुलडोजर चलाने की कार्रवाई को अनुचित बताया। माकपा जिला सचिव राजेश सिंघवी ने कहा कि प्रशासन ने वन भूमि पर मकान बने होने के आधार पर अतिक्रमण बताते हुए बुलडोजर चलाया। अगर इस तर्क से बुलडोजर चलाया है तो हजारों मकान, मॉल, सरकारी कॉलेज और कार्यालय भी इस जद में आते हैं। भाकपा (माले) के राज्य सचिव शंकरलाल चौधरी ने कहा कि भाजपा के इशारे पर जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की है। जिला सचिव सुभाष श्रीमाली ने कहा कि प्रशासन की इस कार्रवाई से जनता में नाराजगी भी है।

गाड़ी पलटने से भाजपा नेता की मौके पर ही मौत

चालक घायल, राजेंद्र राठौड़ से मिलने जा रहे थे

चुरू, 19 अगस्त (एजेंसियां)। साहवा कस्बे में साहवा-भादरा सड़क पर एक गाड़ी पलटने से उसमें सवार भादरा निवासी भाजपा नेता राजीव कस्वां की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में ढीलकी तहसील नोहर निवासी चालक राजकुमार घायल हो गया। भादरा से साहवा आ रही गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे में गाड़ी में सवार भादरा तहसील के गांव उतराधाबास हाल भादरा निवासी राजीव पुत्र प्रताप सिंह कस्वां उम्र 58 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल राजकुमार को

साहवा अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से उसे भादरा रेफर कर दिया गया।

गाड़ी चालक राजकुमार ने बताया कि राजीव कस्वां पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ से मिलने भादरा से साहवा आ रहा थे। साहवा-भादरा सड़क पर साहवा से करीब 4-5 किमी पहले एक कार को बचाने के प्रयास में गाड़ी पलट कर पेड़ से टकरा गई। राजीव कस्वां गाड़ी से बाहर गिर गए और सिर में गम्भीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार राजीव कस्वां भादरा के पूर्व प्रधान प्रतापसिंह कस्वां के बेटे व पूर्व मंत्री ज्ञानसिंह कस्वां के भतीजे थे। स्वयं भी गत विधानसभा चुनाव में भादरा विधान सभा क्षेत्र से भाजपा की टिकट के दावेदार थे। प्रतापसिंह कस्वां के राजीव कस्वां व संजीव कस्वां दो बेटे थे। दोनों भाईयों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई है। राजीव की मौत साहवा के पास हुई। वहीं संजीव की मौत आज से 30 साल पहले 31 दिसम्बर 1996 में हो चुकी है।

डॉक्टर के चेंबर में घुसकर चाकू मारने का प्रयास

सुरक्षा गार्डों ने बीच-बचाव कर डॉक्टर की जान बचाई

बीकानेर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर से जघन्य कांड का आक्रोश पूरे देश में फैल रहा है। इसी बीच बीकानेर के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ पर हमला हो गया। हालांकि गनीमत ये रही कि सुरक्षा गार्डों ने बीच-बचाव कर डॉक्टर की जान बचाई है।

बीकानेर के सदर थाना इलाके के सार्दुलगंज के आयुष्मान हार्ट केयर सेंटर में डॉ.बीएल स्वामी के चेंबर में दो हमलावर घुसे और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले के बाद वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों ने डॉक्टर को हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। इस हमले में डॉक्टर स्वामी के गंभीर चोटें आई है। इस संबंध में डॉ. बीएल स्वामी ने सदर पुलिस थाने में दो आरोपियों दो युवकों के खिलाफ जानलेवा हमला करने का मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने विभिन्न संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच महेंद्र सिंह उपनिरीक्षक कों सौंपी है।

घटनाक्रम डॉक्टर की जुबानी

डॉक्टर बीएल स्वामी ने बताया कि वे रोजाना की तरह ही अपने केबिन में बैठकर मरीजों का चेकअप कर रहे थे। इस दौरान दो व्यक्ति मेरे चेंबर में जबरदस्ती घुस आए और मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। टेबल पर रखा सामान फेंक दिया।

इस दौरान एक व्यक्ति ने अपनी जेब से चाकू निकाला और पीड़ित डॉक्टर स्वामी से कहा कि आज तुझे जिंदा नहीं छोड़ेंगे। इस बीच शोर सुनकर अस्पताल के सुरक्षा गार्ड वहां पहुंचे और बीच-बचाव कर डॉक्टर स्वामी को इन दो युवकों के चंगुल से छुड़ाया। इस घटना कों लेकर बीकानेर के डॉक्टर्स में भारी आक्रोश है।

बॉयफ्रेंड पर डोरे डाल रही थी बहन

समझाने पर भी नहीं मानी तो एक वार में ही कर दिया काम तमाम

केकड़ी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के केकड़ी में एक युवती के मर्डर मिस्ट्री का हैरतंगेज खुलासा हुआ है. 15 अगस्त की शाम को हुए इस वारदात मृत युवती की चचेरी बहन ने अंजाम दिया था. अगले दिन शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और महज 3 घंटे में ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया. आरोपी युवती से पूछताछ के बाद पुलिस ने जो खुलासा किया, उससे हर कोई हैरान है. दरअसल मामला प्रेम प्रसंग का निकला है. एक ही युवक से यह दोनों प्रेम करने लगी थी.

आरोपी युवती मृत युवती को अपने प्रेमी से दूर रहने की हिदायत दे रहीं थी, बावजूद इसके, जब वह नहीं मानी तो आरोपी युवती ने अंतिम फैसला कर लिया. पुलिस की पूछताछ में आरोपी युवती ने बताया कि मृत युवती उसकी चचेरी बहन थी, लेकिन वह उसके प्रेमी पर डोरे डाल रही थी. मौका देखकर फोन पर बात करती थी और उसके नजदीक आने की कोशिश कर रही थी. इस बात को लेकर दोनों में पहले भी कई बार कहासुनी हुई. इसके बाद भी वह नहीं मान रही थी. यही नहीं, घर में काम काज को लेकर भी वह उसे ताने दे रही थी. इसी दौरान 15 अगस्त की शाम को वह दोनों भैंस चराने के लिए खेत में गईं थीं.

एक वार में ही कर दिया काम तमाम

इसी दौरान फिर उन दोनों के बीच प्रेमी को लेकर बहस हो गई. इस दौरान उसने भैंस हांकने वाले डंडे से अपनी चचेरी के बहन के सिर पर वार कर दिया. एक ही वार इतना सटीक लगा कि वह धड़ाम से जमीन पर गिरी और उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद वह भैंसों को लेकर घर लौटी पर चुपचाप अपने काम में लग गई. थोड़ी देर बाद लोगों को घटना की जानकारी हुई. इसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया. सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को पहले ही अंदेशा हो गया था, लेकिन पुलिस ने भी शव के पोस्टमार्टम का इंतजार किया.

ऐसे हुआ वारदात का खुलासा

इसके बाद जब पुलिस ने पूछताछ शुरू की तो महज 3 घंटे के अंदर ही पूरा मामला खुल कर सामने आ गया.पुलिस के मुताबिक मृत युवती के साथ आखिरी वक्त पर आरोपी युवती ही थी. इसलिए पहला शक भी उसी पर हुआ. इस शक के आधार पर पुलिस ने युवती से अलग अलग तरीके से पूछताछ की. पहले ने आरोपी युवती ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन वह ज्यादा देर तक सवालों को झेल नहीं पायी और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया. इस खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपी युवती को अरेस्ट कर जेल भेज दिया है.

डीजल से भरा टैंकर पलटा, ड्रम-बाल्टी लेकर आए ग्रामीणों ने मचाई लूट

बाड़मेर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा में डीजल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गया। टैंकर पलटने से डीजल का रिसाव शुरू हो गया है। ऐसे में ड्रम, बाल्टी-डिब्बे लेकर आए ग्रामीणों ने खूब लूट मचाई। हादसा बाड़मेर-जोधपुर नेशनल हाइवे पर आज सुबह हुआ। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को डीजल भरने से रोका।

जानकारी के मुताबिक बालोतरा क्षेत्र में पचपदरा थाना क्षेत्र में सुबह करीब 10 बजे हादसा हुआ। बाड़मेर-जोधपुर हाईवे पर कल्याणपुर के पास डीजल से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा उस वक्त हुआ जब टैंकर जोधपुर से गुजरात की ओर जा रहा था। हालांकि, चालक बाल-बाल बच गया।

डीजल लूटने की मची होड़

हादसे के बाद टैंकर से डीजल का रिसाव देख ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हाथों में कैन, ड्रम, बाल्टी और डिब्बे लेकर आए ग्रामीण डीजल भरने लगे। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची तो ग्रामीण भाग छूटे। हालांकि, तब तक बहुत से ग्रामीण बर्तनों में डीजल भरकर ले जा चुके थे।

हादसे के बाद हाइवे पर लगा जाम

हादसे के बाद हाइवे पर जाम लग गया। एक तो सड़क पर टैंकर पलटा हुआ था तो दूसरी ओर ग्रामीण डीजल लूटने में व्यस्त थे। ऐसे में पुलिस को हाइवे से जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने क्रेन की मदद से टैंकर को हटवाकर

5 हजार नहीं दिए तो शराबी बेटे ने मां के सामने पिता को उतारा मौत के घाट

बांसवाड़ा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के सदर थाना क्षेत्र के सुभाष नगर सामरिया गांव में एक पुत्र ने पिता की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना की जानकारी पर पुलिस के आला अधिकारियों ने मौका देखा। साथ ही शव को एमजी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया है। थानाधिकारी ने बताया कि संघर्ष में घायल हुए आरोपी को डिटेन कर अस्पताल में भर्ती करवाया है।

50 वर्षीय केपसन अपने घर के अहाते में बैठा था। तभी उसका 26 वर्षीय पुत्र दिलीप आया और पिता से 5 हजार रुपए की मांग की। पिता ने इनकार कर दिया। इसके बाद बाप-बेटे में विवाद होने लगा। बताया जा रहा है कि दिलीप ने शराब पी रखी थी। उसने पिता को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद दोनों के बीच जमकर हाथापाई हुई। दिलीप ने पास में पड़ा लकड़ी का मोटा डंडा उठाकर पिता के सिर में दे मारा।

इससे केपसन जमीन पर गिर पड़ा और उसके सिर से खून निकलने लगा। आरोपी की मां बीच-बचाव करने के लिए पहुंची थी तो बेटे ने उसे धक्का देकर गिरा दिया, इस पर वह चिल्लाने लगी। ऐसे में कुछ ही दूर खड़े हरी पुत्र नटू और दलीचंद पुत्र कांति मौके पर पहुंचे। दोनों ने केपसन को संभाला और अन्य परिजनों की मदद से अस्पताल लेकर आए। यहां पर डॉक्टर ने केपसन को मृत घोषित कर दिया। यहां से घटना की जानकारी बांसवाड़ा के सदर थाना पुलिस को दी गई।

मेरी आखों के सामने मार डाला

मृतक की पत्नी केसर ने बताया कि वह घर के अंदर काम कर रही थी। तभी उसका बेटा दिलीप आया और पिता से झगड़ा करने लगा। केसर ने कहा कि मेरे सामने ही पिता को पीट-पीट कर मार डाला। इसके बाद मौके से भाग गया। दिलीप गुजरात में नौकरी करता है।

पांच बच्चों का पिता था केपसन

केपसन के एक अन्य बेटे विकास ने बताया कि वह 3 भाई और 2 बहन हैं। सबसे बड़ा दिलीप था, उसकी पत्नी इस समय मायके में है और बच्चे घर ही हैं।

आरोपी को डिटेन कर चिकित्सालय में भर्ती करवाया है। पिता के साथ संघर्ष के दौरान उसे भी चोटें लगीं। परिजनों ने शाम 7 बजे रिपोर्ट दी। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

रक्षाबंधन पर भावुक हुए केटीआर

कविता के साथ खड़े रहने की ली शपथ

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जब पूरा देश रक्षाबंधन मना रहा था, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव अपनी बहन और एमएलसी के कविता के बारे में भावुक होकर एक भावुक संदेश साझा कर रहे थे, जो इस समय जेल में हैं। दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित मामलों के सिलसिले में उन्हें तिहाड़ जेल में रखा गया है। एक्स पर एक पोस्ट में, रामा राव ने इस साल अपनी बहन के साथ त्योहार न मना पाने का दर्द व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि हो सकता है कि आप आज राखी न बांध पाएं, लेकिन मैं हर मुश्किल समय में आपके साथ रहूंगा। उन्होंने कविता द्वारा राखी बांधने की कुछ पुरानी तस्वीरें और एक अन्य तस्वीर शेयर की, जब कविता को उनके घर से गिरफ्तार किया गया था।

उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि 155 दिनों से जेल में बंद कविता को सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा। कविता की जमानत याचिकाएं मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थीं। इस बीच, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने तेलंगाना भवन में आयोजित रक्षा बंधन समारोह में भाग लिया, जहां बड़ी संख्या में महिला नेताओं और आम लोगों ने उन्हें राखी बांधी। वे करीब दो घंटे तक धैर्यपूर्वक बैठे रहे और महिलाओं के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, जिन्होंने अपना प्यार और स्नेह व्यक्त किया।

बच्चों ने सीएम रेवंत रेड्डी को राखी बांधी

परिजनों ने निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए सीएम का आभार व्यक्त किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार के सहयोग से श्रवण दोष के लिए सर्जरी कराने वाले कई बच्चों ने आज (सोमवार) राखी बांधकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त किया। 5 वर्ष तक के बच्चों में श्रवण दोष की समस्या को सर्जरी के माध्यम से हल किया जा सकता है। सीएम का पदभार संभालने के बाद से ही सीएम रेवंत रेड्डी श्रवण दोष से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कोटी स्थित प्रसिद्ध ईएनटी अस्पताल ने बड़ी संख्या में कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी करना शुरू कर दिया है। सरकार महंगी सर्जरी कराने वाले बच्चों को भी सहायता प्रदान कर रही है और एलओसी तथा सीएमआरएफ के माध्यम से श्रवण यंत्र उपलब्ध करा रही है। उपचार के बाद निःशुल्क श्रवण यंत्र के साथ-साथ एक वर्ष के लिए एवीटी (ऑडिशन वर्बल थेरेपी) भी प्रदान की जा रही है। ईएनटी अस्पताल के अधीक्षक आनंद आचार्य और डॉ. डीके वीना के साथ सर्जरी करवाने वाले बच्चे सचिवालय आए और राखी बांधकर सीएम रेवंत रेड्डी का आभार जताया। परिवार के सदस्यों ने भी अपने बच्चों की मदद के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

हैदराबाद में जॉब मेला आयोजित

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम के मलकपेट विधायक शनिवार को हैदराबाद में नौकरी मेले का आयोजन कर रहे हैं। नये और अनुभवी दोनों अभ्यर्थी इस मेले में भाग लेने के पात्र हैं। यह मेला शनिवार को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक ग्रैंड इंपीरियल फंक्शन हॉल, चादरघाट, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। कंपनियां विभिन्न पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को नौकरियों की पेशकश करेंगी, जिनमें आईटी, आईटीईएस, गैर-आईटी, नर्सिंग, ई-कॉमर्स, खुदरा, अकुशल श्रम, बैंकिंग, फार्मा, विनिर्माण, व्यवसाय, रियल एस्टेट, बीपीओ, डेटा प्रविष्टि आदि शामिल हैं। 10वीं कक्षा, इंटरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, बी.टेक, एम.टेक, या बी.एससी जैसी योग्यता रखने वाले इच्छुक उम्मीदवार भर्ती अभियान के लिए पात्र हैं।

भारी बारिश के बाद हैदराबाद एयरपोर्ट की छत से टपका पानी

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश के कारण सोमवार को हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) के एक टर्मिनल में पानी का रिसाव हो गया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में यात्री टर्मिनल से गुजरते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि छत से पानी फर्श पर टपक रहा है। यह फुटेज खराब मौसम की स्थिति के दौरान बुनियादी ढांचे की लचीलेपन को लेकर चिंता जताता है। सोमवार को दोपहर 1 बजे हैदराबाद में भारी बारिश हुई, जो कम से कम 50 मिनट तक चली। लगभग 35.2 मिमी बारिश हुई, जिसमें से 17 मिमी बारिश 10 मिनट में हुई, जिसके बाद एक स्थान पर टर्मिनल में पानी घुस गया। इस स्थिति के कारण बुनियादी ढांचे और तत्काल मरम्मत की आवश्यकता और भविष्य के लिए बेहतर तैयारी पर चर्चा हुई।

ऑनलाइन सामने आए घटना के वीडियो के जवाब में, हैदराबाद हवाई अड्डे के अधिकारियों ने टर्मिनल भवन में रिसाव की बात स्वीकार की। आरजीआई हैदराबाद एयरपोर्ट के अधिकारियों की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हमने तुरंत छत का निरीक्षण किया और छत पर किसी भी तरह का रिसाव, चोकिंग, पानी का ठहराव नहीं था। हमारी टीम तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रही है कि टर्मिनल में यह रिसाव दोबारा न हो। इसमें कहा गया है कि टीम मौसम की स्थिति पर नज़र रख रही है और मूसलाधार बारिश के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस संबंध में हुई किसी भी असुविधा के लिए हम खेद व्यक्त करते हैं।

किसानों के प्रदर्शन पर हरीश राव ने की सरकार की आलोचना

ऋण माफी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे किसान

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक टी हरीश राव ने सोमवार को आदिलाबाद जिले में ऋण माफी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों की गिरफ्तारी पर कांग्रेस पर हमला बोला। सिद्दीपेट विधायक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस जनता के शासन की आड़ में निरंकुश हो रही है। राव ने कहा कि बीआरएस किसानों की गिरफ्तारी और उन्हें पहले से हिरासत में लिए जाने की कड़ी निंदा करता है। विधायक ने कहा कि किसानों को कर्जमाफी नहीं मिलने के कारण कलेक्ट्रेट, कृषि कार्यालय और बैंकों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। यह स्थिति पूरे तेलंगाना में व्याप्त है।

तेलंगाना के पूर्व वित्त मंत्री ने मुद्दे का समाधान न करने और किसानों को धमकाने के लिए सरकार की आलोचना भी की। सिद्दीपेट विधायक ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के लिए अभिशाप बन गई है। कांग्रेस शासक यह भूल गए हैं कि इतिहास में ऐसा कोई राज्य नहीं है जो किसानों के रोने पर उबर पाया हो। बीआरएस की मांग दोहराते हुए राव ने कहा कि हम एक बार फिर सरकार से मांग कर रहे हैं कि वह अपनी आंखें खोले और सभी किसानों का कर्ज माफ करे तथा चिंतित किसानों को आश्वासन प्रदान करे। उन्होंने कहा कि हम सरकार को चेतावनी दे रहे हैं कि आदिलाबाद समेत अन्य जिलों में किसानों के खिलाफ दर्ज मामले तुरंत वापस लिए जाएं, अन्यथा बीआरएस पार्टी किसानों की गिरफ्तारी के खिलाफ आंदोलन की घोषणा करेगी।

नवाह्निका सालाकटला ब्रह्मोत्सव कार्यक्रम की तैयारियां तेज

3 अक्टूबर को होगा अंकुरार्पण, 4 अक्टूबर से नौ दिवसीय धार्मिक उत्सव

तिरुमाला, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला में हर दिन एक त्यौहार का दिन होता है और यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि टीटीडी पूरे साल में 450 से ज़्यादा त्यौहार मनाता है। विभिन्न त्यौहारों में सबसे महत्वपूर्ण है नवाह्निका सलाकटला ब्रह्मोत्सव जो सिर्फ़ डेढ़ महीने दूर है। यह नौ दिवसीय धार्मिक उत्सव 4 से 12 अक्टूबर तक तिरुमाला में मनाया जाएगा, जिसमें 3 अक्टूबर को अंकुरार्पण होगा। हर दिन (4 अक्टूबर को छोड़कर) सुबह 8 से 10 बजे के बीच और शाम को 7 से 9 बजे के बीच वाहन सेवा होगी। 4 अक्टूबर को सायं 05:45 बजे से सायं 6 बजे तक ध्वजारोहणम्, रात्रि 9 बजे से रात्रि 11 बजे तक पेद्दा शेष वाहनम्, 5 अक्टूबर को 8 पूर्वाह्न से 10 पूर्वाह्न चिन्ना शेष 1 अपराह्न से 3 अपराह्न: स्नेपनम 7 अपराह्न से 9 अपराह्न हंसा, 6 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से 10 बजे तक सिम्हा, दोपहर 1 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्नैपनम, शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक मुथ्यापु पांडिरी, 7 अक्टूबर को सोमवार प्रातः 8 बजे से प्रातः 10 बजे तक कल्पवृक्ष, दोपहर 1 बजे से अपराह्न 3 बजे तक स्नैपनम, 7 अपराह्न से रात्रि 9 बजे तक सर्व भूपला, 8 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे से प्रातः 10 बजे तक मोहिनी अवतारम्, सायं 6:30 बजे से रात्रि 11:30 बजे तक गरुड़ वाहनम्, 9 अक्टूबर को सुबह 8 से 10 बजे तक हनुमंत, सायं 4 बजे से 5 तक स्वर्ण रथ, 7 बजे से रात 9 बजे तक गज वाहनम, 10 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे से प्रातः 10 बजे तक सूर्यप्रभा, सायं 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक चन्द्रप्रभा, 11 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से रथोत्सवम्, सायं 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक अस्व वाहनम्, 12 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे से प्रातः 9 बजे तक चक्र स्नानम्, रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक ध्वजावारोहणम् होगा। वार्षिक ब्रह्मोत्सव के दौरान दूसरे, तीसरे और चौथे दिन रंगनायकुला मंडपम में श्री मलयप्पा स्वामी, श्रीदेवी और भूदेवी के उत्सव देवताओं के लिए स्नेपना तिरुमंजनम का प्रदर्शन किया जाएगा।

16 वर्षीय प्रीतम ने की माउंट किलिमंजारो पर चढ़ाई

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली पब्लिक स्कूल के 16 वर्षीय छात्र प्रीतम गोली ने माउंट किलिमंजारो पर सफलतापूर्वक चढ़ने वाले हैदराबाद के सबसे कम उम्र के पर्वतारोहियों में से एक बनकर इतिहास रच दिया है। महत्वाकांक्षी युवा पर्वतारोही 8 दिनों के अभियान के बाद 17 जुलाई, 2024 को शिखर पर पहुंचे, जिसमें उनकी शारीरिक सहनशक्ति और मानसिक लचीलेपन का परीक्षण किया गया। प्रीतम, जो अभी 12वीं कक्षा में है, ने 12 जुलाई को 4 पर्वतारोहियों के एक समूह के साथ अपनी यात्रा शुरू की, जिसका मार्गदर्शन अनुभवी पर्वतारोही सत्यरूप सिद्धांत ने किया। चढ़ाई के दौरान समूह को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन प्रीतम के दृढ़ संकल्प और दृढ़ता ने उसे शिखर तक पहुंचाया।

प्रीतम ने बताया कि किलिमंजारो की चोटी पर चढ़ने की मेरी इच्छा का एक मुख्य कारण यह था कि एवरेस्ट बेस कैंप खत्म करने के बाद मैं संतुष्ट नहीं था। मैं और अधिक करना चाहता था और अधिक चढ़ना चाहता था और अधिक हासिल करना चाहता था। शिखर पर चढ़ने का दिन खास तौर पर बहुत कठिन था, जिसकी शुरूआत सुबह 3 बजे से ही हो गई थी और मौसम बहुत ठंडा था। शिखर पर पहुंचने से ठीक पहले, मुझे बहुत तेज सिरदर्द होने लगा, जो मुझे पता है कि ऊंचाई के कारण आम बात है, इसलिए मैं आगे बढ़ता रहा। जब मैं शिखर पर पहुंचा तो मुझे जादुई एहसास हुआ, क्योंकि चढ़ाई के दौरान मुझे जो भी समस्याएं थीं, वे गायब हो गईं।

शिखर पर, प्रीथम ने गर्व से भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, एनसीसी ध्वज और अपने स्कूल का झंडा फहराया, एक ऐसा क्षण जिसे वह दुनिया के सबसे बेहतरीन एहसासों में से एक बताते हैं।

सूचना विभाग में फोटोग्राफरों को मिला विशेष पुरस्कार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के तत्वावधान में सोमवार को ग्रीन पार्क होटल में विश्व फोटोग्राफी दिवस समारोह आयोजित किया गया। सूचना विभाग में फोटोग्राफर के रूप में कार्यरत प्रचार सहायकों, विभिन्न पदों पर कार्यरत अतिरिक्त पीआरओ चिंताला श्रीनिवास, एवीएस अधिकारी नागराज शर्मा, प्रसाद, राज्यपाल कार्यालय में कार्यरत लक्ष्मीनारायण और प्रचार सहायक किशोर को भी विशेष पुरस्कार दिए गए।

इस मौके पर राज्य सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के विशेष आयुक्त हनुमंत राव ने कहा कि यह बेहद सराहनीय है कि सूचना विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और सरकार का नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि सभी अधिकारी प्रत्येक कार्यक्रम में एक दिन पहले से ही कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रतिबद्ध हैं। कमिश्नर ने पुरस्कार पाने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया।

तेलंगाना के वारंगल की सांसद डॉ. कडियम काव्या और विधायक, स्टेशन घनपुर कडियम श्रीहरि ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में जीएम, एससीआर अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और अपने क्षेत्र में विभिन्न रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

मदनूर में दस रुपए सिक्के को लेकर व्यापारी व ग्राहक परेशान

मदनूर, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल में दस रुपए के सिक्के नहीं चलने का अफवाह जनता में इस तरह से फैली हुई है कि सालों से व्यापारी और ग्राहक दस रुपए का सिक्का नहीं ले रहे हैं। व्यापारी कहते हैं कि दस रुपए का सिक्का बैंक में चलता और ग्राहक कहते हैं कि हमें दस रुपए का सिक्का मत दीजिए। वहीं इस पर प्रशासनिक अधिकारी विविध बैंकों ने व्यापारियों के साथ लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान बिल्कुल ना दें। दरअसल, मंडनूर बाजार में सालों से दस रुपए के सिक्के के चलन में समस्या आ रही है दस रुपए का सिक्का ग्राहक लेने से व्यापारी से मना कर रहे है। किसी ने अफवाह फैलाई कि दस रुपए का सिक्का नहीं चलता, जिसको लेकर व्यापारी भी त्रस्त है।

एक और प्रोजेक्ट एमईआईएल की झोली में

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विवादों और असफलताओं के बावजूद, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) राज्य में एक और महत्वपूर्ण परियोजना हासिल करने के लिए तैयार है, वह भी मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र से जुड़ी हुई। कांग्रेस सरकार ने कथित तौर पर 4350 करोड़ रुपये की नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई योजना को एमईआईएल को सौंपने का सैद्धांतिक रूप से फैसला किया है। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए कंपनी को चुनने के कदम से कई लोगों की भौहें तन गई हैं।

बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी होने के बावजूद, एमईआईएल सार्वजनिक धारणा के मामले में रडार पर रहा है। भले ही सरकार ने हुए नुकसान की गंभीरता को कम करके आंका हो, लेकिन निर्माण के एक सप्ताह के भीतर ही सनकीशाला सेवन कुआं की रिटेनर दीवार के ढहने को एक बड़ा झटका माना गया क्योंकि इसके कार्यान्वयन को तत्परता से लिया गया था। एमईआईएल द्वारा कार्यान्वित की जा रही सनकीशाला सेवन कुआं परियोजना, हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) की 215 करोड़ रुपये की कृष्णा पेयजल आपूर्ति परियोजना (केडब्ल्यूएसपी) का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य हैदराबाद की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करना है। मार्च 2024 तक पूरी होने वाली इस परियोजना में रिटेनर दीवार के ढहने के कारण काफी देरी होने की संभावना है।

सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि रिटेनर दीवार गिरने से सरकार को कुछ भी नुकसान नहीं है, लेकिन परियोजना के पूरा होने में देरी से निश्चित रूप से श्रम लागत में वृद्धि होगी। सरकार ने कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने और इंटेक वेल के निर्माण की न्यायिक जांच की मांगों को नजरअंदाज कर दिया था। घटना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई के लिए बीआरएस की ओर से बढ़ते दबाव के चलते सतर्कता और प्रवर्तन विभाग ने जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है।

फोन टैपिंग मामले में भुजंगा राव को अंतरिम जमानत

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने फोन टैपिंग मामले में गिरफ्तार पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भुजंगा राव को अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने सोमवार को आदेश जारी करते हुए भुजंगा राव को हृदय संबंधी बीमारी के इलाज के लिए 15 दिन की जमानत अवधि की अनुमति दी। उन्होंने दावा किया कि वह काफी लंबे समय से हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं।

राव की याचिका के बाद, अदालत ने चिकित्सा और मानवीय आधार पर जमानत मंजूर की, उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जटिलता को स्वीकार करते हुए, जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की भी आवश्यकता हो सकती है। अदालत ने आगे निर्देश दिया कि राव को इस अवधि के दौरान हैदराबाद नहीं छोड़ना चाहिए। भुजंगा राव, जो 23 मार्च को अपनी गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक रिमांड पर थे, पर वर्तमान मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सहित राजनेताओं, साथ ही उद्योगपतियों और निजी व्यक्तियों के फोन टैप करने की साजिश में शामिल होने का आरोप है।

रक्षा बंधन का आध्यात्मिक रहस्य : 18 अगस्त 2024

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारिस ईश्वरीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद के हिमायतनगर की शाखा पर रक्षा बंधन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सुरपल्ली नन्दा, न्यायाधीश, तेलंगाना हाईकोर्ट, डॉ.पी.के. जैन, सह-निदेशक, एआरसीआई, गड्डम श्रीनिवास यादव, अध्यक्ष हैंडवि ग्रुप ऑफ कॉलेज, ब्रह्माकुमारी बी के अंजली बहनजी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ इस पवित्र पर्व का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर बी.के. अंजली बहनजी ने रक्षा बंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी रक्षा बंधन क्यों मनाते हैं, इसे हम सही मायने में समझ नहीं पाये है, केवल एक धागा बांधना, खर्ची देना यह सब नहीं है परंतु रक्षा बंधन का वास्तविक अर्थ हमें अपनी स्वयं की रक्षा करना अर्थात हमें अपने अंदर के विकारों से, नकारात्मकता से स्वयं की रक्षा करना, यही वास्तव में रक्षा बंधन है। ब्रह्माकुमारीस संस्था में सर्वप्रथम स्वयं पर ध्यान दिया जाता है अर्थात मैं एक शुद्ध एवं पवित्र आत्मा हूं, स्वयं में अच्छे संस्कारों की आदत डालने से ही परिवर्तन हो सकता है। यदि हम संयम एवं नियम के साथ जीवन जिये तो जीवन स्वर्ग बन जाएगा।

राखी बांधते समय यही स्मरण रहें कि स्वयं भगवान हमारी रक्षा कर रहे हैं और उनका वरदहस्त हम पर सदा रहें, इसी शुभ भावना के साथ राखी बांधे, यही वास्तव में रक्षा बंधन हैं। इस अवसर पर आप सभी को आज अपनी सभी कमी-कमजोरियों को यही पर छोड़कर जाना है। हमें अपने मन को विकारों से मुक्त करेंगे, इन विकारों से स्वयं की रक्षा करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी रोज मेडिटेशन करेंगे और अपने जीवन से नकारात्मकता को भगाएंगे।

इस अवसर पर गड्डम श्रीनिवास रेड्डी ने सभी को रक्षा बंधन की बधाई दी। श्री रेड्डी ने कहा कि शांति क्या है? इसके लिए हमें निरंतर अभ्यास कर मन में अनुभव करना होगा। कर्म को सही निष्ठा एवं लगन के साथ करने से ही जीवन में उन्नति होती है। एआरसीआई प्रयोगशाला के सह-निदेशक डॉ.पी.के. जैन ने सभी को रक्षा बंधन की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन एक पवित्र प्रेम का प्रतीक है। यह पर्व आपस में सभी को जोड़ता है। रक्षा बंधन पापनाशक एवं विषय विकारों से मुक्ति दिलाने वाला पर्व है।

ब्रह्माकुमारीज ने राजभवन में राज्यपाल को राखी बांधी

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राखी पूर्णिमा के शांतिपूर्ण और भावपूर्ण समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज हैदराबाद स्थित राजभवन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की बहनों, राजभवन की महिला कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों से राखी का पवित्र धागा प्राप्त किया। आध्यात्मिक महत्व से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में राज्यपाल और राजभवन परिवार के बीच आपसी सम्मान और पवित्र बंधन की झलक देखने को मिली।

आध्यात्मिक संस्था में हम किस प्रकार से एक संयमित जीवन जिये, अपने आपको अनुशासित कैसे करें आदि सिखाया जाता है। वर्तमान समय में बच्चों पर अभिभावकों का ध्यान बहुत कम जाता है, बच्चों में नैतिक मूल्यों एवं अच्छे संस्कारों की नींव भरने का कर्त्तव्य अभिभावकों का है। उन्हें बच्चो को समय देना होगा। बच्चों को चरित्रवान बनाने की ओर ध्यान देना होगा।

सरकार किसानों का दो लाख का ऋण माफ करने के लिए प्रतिबद्ध : उत्तम

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन उत्तम कुमार रेड्डी ने आज जलसौधा में एक प्रेस वार्ता की और दोहराया कि यह सरकार तेलंगाना में हर किसान परिवार के लिए 2 लाख रुपये की ऋण माफी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बीआरएस पार्टी के झूठे प्रचार की निंदा की जो किसान समुदाय में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास दस्तावेज पूरे थे, उन सभी के लिए 2 लाख रुपये की ऋण माफी की गई है। जिन किसानों के पास दस्तावेज पूरे नहीं हैं या उपलब्ध नहीं हैं, उनके लिए सरकार जल्द ही ऋण माफी करेगी। इस उद्देश्य से, सभी मंडल कृषि अधिकारी उन किसानों से आवेदन प्राप्त करेंगे, जिन्हें अभी तक ऋण माफी का भुगतान नहीं मिला है।

परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की।

प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से जनसमस्याओं के समाधान का प्रयास : दसारी वेणु

आसिफाबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अपर समाहर्ता (राजस्व) दसारी वेणु ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारी समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं। सोमवार को आसिफाबाद, कागज नगर राजस्व मंडल के अधिकारियों ने लोकेश्वर राव और कसाबोयना सुरेश के साथ जिला केंद्र में एकीकृत जिला समाहरणालय भवन के बैठक हॉल में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए।

चिंतला मनेपल्ली मंडल बाबासागर गांव के कोबरागड़े गंथीदास ने एक आवेदन प्रस्तुत कर कहा कि उन्होंने तेलंगाना ग्रामीण बैंक-रवींद्र नगर शाखा से फसल ऋण लिया था और उनका नाम ऋण माफी सूची में नहीं था। रेबेना मंडल गोलेटी गांव की कोंडागुरला सावित्री ने एक आवेदन प्रस्तुत कर अनुरोध किया कि पूरे क्षेत्र के साथ पट्टा पास बुक में सुधार किया जाए कि गांव के बाहरी इलाके में उनके नाम पर पट्टा भूमि है और नए पट्टा पास बुक में कम क्षेत्र दर्ज किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल में आरसीबी टीम के साथ खेलना चाहते हैं रिंकू सिंह

केकेआर के फैंस में मचा हड़कंप

मुंबई, ल19 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल-2025 के लिए इस बार मेगा ऑक्शन की तैयारी है। ऐसे में बड़ी संख्या में टीमों में बदलाव देखने को मिलना तय है। कई बड़े स्टार खिलाड़ियों को भी टीमें चाहकर भी रिटेन नहीं कर सकेंगी। क्योंकि बीसीसीआई के मानकों के अनुसार ही खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकेगा। इस बीच कोलकाता नाइट राइडर्स के फैंस की धड़कन बढ़ गई है, क्योंकि टीम के स्टार खिलाड़ी रिंकू सिंह ने एक ऐसा बयान दिया है जो इन फैंस को कतई पसंद नहीं आएगा।

दरअसल रिंकू सिंह से एक सवाल किया गया था कि अगर उन्हें इस बार केकेआर ने रिटेन नहीं किया तो वो कौन सी टीम के लिए खेलना चाहेंगे। इस सवाल के जवाब में रिंकू सिंह ने फौरन कहा कि वो आरसीबी के लिए खेलना चाहते हैं क्योंकि उस टीम में विराट कोहली हैं। अब केकेआर की टीम प्रबंधन पर सभी की नजरें होंगी कि वो रिंकू सिंह के लिए क्या फैसला लेते हैं। लेकिन तब तक के लिए रिंकू सिंह ने फैंस की धड़कन बढ़ा दी है। आखिर रिंकू सिंह आईपीएल में विराट कोहली की ही टीम में क्यों खेलना चाहते हैं, इसे जानने के लिए वीडियो देखें।

17 छक्कों के दम पर ठोके 201 रन, टीम को बनाया चैंपियन

आईपीएल में 50 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने वाले सैम करन ने ढाया कहर

लंदन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के द हंड्रेड टूर्नामेंट को ओवल इनविंसिबल्स ने 17 रनों से जीत लिया है. खिताबी जंग में इस टीम ने साउदर्न ब्रेव को हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए ओवल ने 100 गेंदों में 147 रन बनाए, जवाब में साउदर्न ब्रेव की टीम 130 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. ओवल इनविंसिबल्स को ये टूर्नामेंट जिताने में ऑलराउंडर सैम करन का बड़ा हाथ रहा. बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने गेंद और बल्ले से कहर ढाते हुए अपनी टीम को चैंपियन बनाया. आइए आपको बताते हैं कि सैम करन ने द हंड्रेड में गेंद और बल्ले से कैसा प्रदर्शन किया?

सैम करन का प्रदर्शन

सैम करन ने द हंड्रेड में ओवल इनविंसिबल्स के लिए 6 पारियों में 201 रन बनाए. उनका बैटिंग औसत 40.20 रहा. मिडिल ऑर्डर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी के लिहाज से ये कमाल प्रदर्शन है. सैम करन की बड़ी बात ये है कि इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट में 17 छक्के लगाए और उनके बल्ले से 7 चौके निकले. मतलब सैम करन ने गेंदबाजों पर लंबे-लंबे शॉट्स खेले. यही वजह है कि उनका स्ट्राइक रेट लगभग 165 का रहा.

सैम करन की गेंदबाजी तो और धारदार रही. बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 9 मैचों में 17 विकेट अपने नाम किए. वो एडम जंपा के बाद टीम के बेस्ट गेंदबाज रहे. जंपा ने उनसे 2 विकेट ज्यादा 19 शिकार किए. लेकिन सैम करन को गेंद और बल्ले से कमाल योगदान की वजह से प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया. सैम करन को उनकी इसी काबिलियत की वजह से आईपीएल में भी काफी रकम मिलती है. पंजाब किंग्स उन्हें हर सीजन में 18.5 करोड़ रुपये दे रही है. वो आईपीएल में अबतक कुल 55 करोड़ रुपये कमा चुके हैं.

जेम्स विंस रहे टॉप बल्लेबाज

द हंड्रेड में सबसे ज्यादा रन जेम्स विंस के बल्ले से निकले. साउदर्न ब्रेव के इस बल्लेबाज ने 10 मैचों में 424 रन बनाए. उनके बल्ले से 4 अर्धशतक निकले, हालांकि उनका ये प्रदर्शन अपनी टीम को फाइनल में हार से नहीं बचा पाया. गेंदबाजी में एडम जंपा ने सबसे ज्यादा 19 विकेट हासिल किए.

19 विकेट साउदर्न ब्रेव के तेज गेंदबाज टिमाल मिल्स ने भी लिए लेकिन उनका इकॉनमी रेट जंपा से काफी ज्यादा रहा और उन्होंने एक मैच भी ज्यादा खेला.

द हंड्रेड के फाइनल में चमका विराट कोहली का 'सिपाही'

गेंद और बल्ले से कमाल कर टीम को जिताई ट्रॉफी

लंदन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड की टी20 लीग द हंड्रेड 2024 का सीजन खत्म हो चुका है. फाइनल में ओवल इन्विंसिबल्स ने साउदर्न ब्रेव को हराकर लगातार दूसरी बार टाइटल अपने नाम किया. 2023 में भी ओवल ने ही ये खिताब जीता था. फाइनल में ओवल की टीम ने साउदर्न ब्रेव को 17 रनों से मात दी. ओवल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 147 रन बनाए थे, इसके जवाब में साउदर्न ब्रेव 130 रन ही बना सकी. इस जीत में आईपीएल में विराट कोहली के साथी खिलाड़ी का अहम योगदान रहा. आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले इस खिलाड़ी ने द हंड्रेड के फाइनल में गेंद और बल्ले दोनों से धमाका किया. वहीं प्रीति जिंटा की टीम पंजाब किंग्स

के एक प्लेयर का भी जलवा देखने को मिला.

फाइनल में दमदार प्रदर्शन

द हंड्रेड के फाइनल मुकाबले में साउदर्न ब्रेव के कप्तान जेम्स विंस ने टॉस जीतकर ओवल की टीम को बल्लेबाजी का न्योता दिया था. इसके बाद डेविड मलान और आईपीएल 2024 में आरसीबी के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले विल जैक्स ओपनिंग के लिए आए. मलान तो 11 गेंद में 7 रन बनाकर सस्ते में चलते बने लेकिन विराट के 'सिपाही' ने बल्ले से अपना दम दिखाया. जैक्स ने 22 गेंद में 168 की स्ट्राइक रेट से 37 रन बनाए. उनके अलावा प्रीति जिंटा की टीम के लिए कप्तानी कर चुके सैम करन ने भी शानदार बल्लेबाजी की. उन्होंने 20 गेंद में 25 रन की पारी खेली. इसके बाद लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे, जिससे ओवल की टीम परेशानी में आ गई. हालांकि, अंत में टॉम करन ने 11 गेंद में 24 रन बनाकर टीम के स्कोर को 147 तक पहुंचा दिया.

इसे चेज करने उतरी साउदर्न ब्रेव की टीम ने अच्छी शुरुआत की थी. पहले विकेट के लिए 58 रन की पार्टनरशिप की, लेकिन इसके बाद विकेट गंवाना शुरू कर दिया. साउदर्न ब्रेव की टीम ने शानदार ओपनिंग के बाद महज 42 रन बनाने में 6 विकेट गंवा दिए. ओवल की ओर साकिब महमूद ने 20 गेंद में केवल 17 रन दिए और 3 विकेट लेकर कहर बरपा दिया. वहीं बल्ले से कमाल करने वाले जैक्स ने गेंद से भी कारनामा किया. उन्होंने 10 गेंद फेंकी, जिसमें 17 रन देकर 1 विकेट चटकाए. एडम जैम्पा ने भी 2 विकेट लेकर महत्वपूर्ण योगदान दिया. इससे उनके बल्लेबाजी की कमर टूट गई और टीम 148 के लक्ष्य को चेज नहीं कर सकी.

ये रहे जीत के हीरो

ओवल इन्विंसिबल्स की इस खिताबी जीत में दो खिलाड़ियों की अहम योगदान रहा. सैम करन ने पूरे टूर्नामेंट में गेंद और बल्ले से धमाका किया. इसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का सबसे वैल्यूएबल खिलाड़ी चुना गया. उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 201 रन बनाने के साथ-साथ 17 विकेट भी अपने नाम किए. वहीं फाइनल में मुकाबले में 3 विकेट चटकाकर साउदर्न ब्रेव की कमर तोड़ने वाले साकिब महमूद को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

अपने ही जाल में ना फंस जाए पाकिस्तान

टेस्ट सीरीज जीतने के लिए तेज गेंदबाजों की मदद वाली पिच तैयार करने का फैसला किया है

इस्लामाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज में आमने-सामने आने वाली हैं. 21 अगस्त से इस सीरीज की शुरुआत हो रही है, जो पाकिस्तान में ही खेली जाएगी.आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के तहत खेली जाने वाली ये सीरीज दोनों टीमों के लिए काफी अहम रहने वाली है. ऐसे में पाकिस्तान ने इस सीरीज को जीतने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है. लेकिन पाकिस्तान का ये फैसला उन पर भी भारी पड़ सकता है.

टेस्ट सीरीज जीतने के लिए पाकिस्तान कर रहा ये काम

दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट 21 और 25 अगस्त के बीच रावलपिंडी खेला जाएगा. रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में सपाट बल्लेबाजी के अनुकूल ट्रैक पर खेले गए अपने पिछले दो टेस्ट मैचों को जीतने में नाकाम रहने के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कथित तौर पर इस सीरीज के लिए तेज गेंदबाजों की मदद वाली हरी पिच तैयार करने का फैसला किया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक,

पाकिस्तान टीम ने क्यूरेटर से बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऐसी पिच तैयार करने को कहा है जो तेज गेंदबाजों के लिए काफी मददगार हो.

लेकिन हरी पिच पर पाकिस्तान के बल्लेबाजों के लिए भी रन बनाना आसान नहीं रहने वाला है. एशिया में आमतौर पर स्पिनर्स की मदद वाली पिच होगी है. ऐसे में पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भी हरी पिच पर खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है. वह अपने पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पूरी तरह फ्लॉप रही थी, जहां हरी पिचों का ही इस्तेमाल होता है. ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तानी बल्लेबाज रन बनाने के लिए जूझते हुए नजर आए थे.

बिना स्पिनर के उतरेगी पाकिस्तान की टीम

पाकिस्तान ने सीरीज से पहले स्पिनर अबरार अहमद को टीम से रिलीज कर दिया गया है. ऐसे में अब पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने वाले पहले टेस्ट में बगैर किसी स्पेशलिस्ट स्पिनर के उतरेगा. सितंबर 1995 के बाद ये दूसरा मौका होगा जब पाकिस्तान घरेलू टेस्ट में स्पेशलिस्ट स्पिनर के बिना खेलेगा. माना जा रहा है कि पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण में चार तेज गेंदबाज शामिल होंगे. शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और मीर हमजा का चयन पक्का है, जबकि चौथा तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद या मोहम्मद अली में से कोई एक हो सकता है.

विनेश फोगाट को गोल्ड मेडल के साथ मिले 16 करोड़ रुपये?

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक-2024 में कुश्ती की स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बाद अयोग्य घोषित की गईं भारत की स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट शनिवार को भारत वापस लौटीं। फाइनल में पहुंचने के बाद भी मेडल से चूकने वाली इस स्टार खिलाड़ी का एयरपोर्ट से लेकर गांव तक जोरदार स्वागत किया गया। अपने भव्य स्वागत से विनेश फोगाट पूरे रास्ते भावुक होती रहीं। विनेश फोगाट के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में हरियाणा के लोग दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे थे। विनेश फोगाट के स्वागत में उमड़ी भीड़ का उत्साह इसी बात से लगाया जा सकता है कि विनेश फोगाट को दिल्ली एयरपोर्ट से अपने घर तक पहुंचने में 13 घंटे का समय लगा।

गांव में मिला गोल्ड मेडल

विनेश फोगाट का गांव में भी जोरदार तरीके से स्वागत हुआ। इस दौरान गांव के बुजुर्गों ने भव्य समारोह को आयोजित कर विनेश फोगाट को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। विनेश फोगाट इस सम्मान को पाकर बहुत खुश नजर आईं। अपने बयान में उन्होंने कहा कि ये उनके लिए गर्व की बात है। इस समारोह में गोल्ड मेडल के अलावा विनेश फोगाट पर खूब इनाम की बारिश हुई। आसपास के गांव वालों ने भी विनेश फोगाट को नकद राशि के साथ सम्मानित किया।

इनाम में मिले 16 करोड़ रुपये

विनेश फोगाट फ्रांस से शनिवार को भारत लौटीं थीं। देर रात वह अपने गांव बलाली पहुंचीं, जहां अगले दिन उनसे स्वागत के लिए समारोह का आयोजन किया गया था। इसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए थे और विनेश पर इनामों की बारिश कर दी थी। इन बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें विभिन्न संगठनों की ओर से विनेश फोगाट को इनामी राशि दिए जाने का दावा किया जा रहा है। इस पोस्ट के अनुसार विनेश फोगाट को अंतरराष्ट्रीय जाट महासभा, हरियाणा व्यापार संगठन और पंजाब जाट एसोसिएशन की ओर से 2-2 करोड़ रुपये बतौर इनाम के रूप में दिए गए हैं। पोस्ट में दावा किया गया है कि विनेश फोगाट को इनाम के तौर पर कुल 16.30 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है।

पति सोमवीर राठी ने बताई सच्चाई

विनेश फोगाट के पति सोमवीर राठी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बात की सच्चाई बताई। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 'निम्नलिखित संस्था, व्यापारी, कंपनी और पार्टियों की ओर से विनेश फोगाट को किसी भी तरह की कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई है। आप सभी हमारे शुभचिंतक लोग हैं, कृपया झूठी खबरें न फैलाएं। इससे हमारा नुकसान तो होगा ही। सामाजिक मूल्यों का भी नुकसान होगा। ये सस्ती लोकप्रियता पाने का साधन मात्र है।'

चयन नीति में बदलाव से नाखुश मनु के कोच जसपाल

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली युवा निशानेबाज मनु भाकर के कोच जसपाल राणा ने राष्ट्रीय महासंघ की लगातार बदलती ओलंपिक चयन नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इससे होनहार प्रतिभाओं को नुकसान हुआ है और अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो आगे भी ऐसा होता रहेगा। एशियाई खेल 2006 में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले राणा ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की अपनी नीतियों में अंतिम समय में बदलाव करने की प्रवृत्ति की आलोचना की। राणा ने शुक्रवार को पीटीआई से बात करते हुए कहा- (महासंघ की) चयन नीति हर छह महीने में बदलती है। मैंने खेल मंत्री से मुलाकात करके इस पर उनसे बात की। उन्हें निर्णय लेने दें... वे जो भी निर्णय लेते हैं, सही या गलत, हम उस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं, और फिर उस पर कायम रहो। आप इसके बाद निशानेबाजों के प्रदर्शन में अंतर देखेंगे।

टोक्यो ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी सौरभ चौधरी और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज जीतू राय जैसे कई प्रतिभाशाली निशानेबाज कुछ ही वर्षों में फीके पड़ गए, जबकि वे सबसे प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक थे। राणा ने कहा- सौरभ चौधरी कहां हैं, जीतू राय कहां हैं? क्या कोई उनके बारे में बात करता है? नहीं। क्या हम (10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज) अर्जुन बाबुता के बारे में बात कर रहे हैं, जो पेरिस में चौथे स्थान पर रहे थे। वह मामूली अंतर से पदक से चूक गए थे। क्या कोई उनकी सुध ले रहा है।

एनआरएआई ने रियो ओलंपिक के बाद टोक्यो ओलंपिक में भी पदक नहीं जीतने के बाद 2021 में अपने चयन मानदंडों में संशोधन किया। उसने कोटा हासिल करने वाले निशानेबाजों को मिलने वाले बोनस अंकों में भारी कटौती की और लंबे अंतराल के बाद टीम के चयन के लिए ट्रायल्स की शुरुआत की।

सीएम मान ने कांस्य पदक जीतने वाले हॉकी खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले पंजाब के हॉकी खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। मान ने इस मौके पर कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि राज्य और देश के लिए गौरव बढ़ाने वाले इन सभी माटी के लाल को सम्मानित किया जा रहा है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस में कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराया था। टीम ने इससे पहले टोक्यो ओलंपिक 2020 में भी कांस्य पदक जीता था। मान ने भारतीय टीम में शामिल पंजाब के आठ हॉकी खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये से सम्मानित किया। उन्होंने ओलंपिक में भाग लेने वाले राज्य के 11 अन्य खिलाड़ियों को भी 15-15 लाख रुपये से पुरस्कृत किया।

मान ने कहा कि उन्होंने भारतीय टीम का हर हॉकी मैच देखा और इन खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने सभी को गौरवान्वित महसूस कराया है। उन्होंने कहा कि पदक जीतना हर देशवासी के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने जिम्मेदारी के साथ टीम का नेतृत्व करने के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह की सराहना की। मान ने कहा कि भारतीय हॉकी अपने पुराने गौरव को हासिल करते हुए पुनरुद्धार की राह पर है। उन्होंने नवंबर में पंजाब के मोहाली में चार देशों का हॉकी टूर्नामेंट आयोजित करने का विचार रखा और कहा कि वह इस संबंध में भारतीय हॉकी अधिकारियों से बात करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरे मन से काम कर रही है और इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ खेड़ा वतन पंजाब दियां का तीसरा सत्र 28 अगस्त से शुरू होगा, जो राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा। मान ने कहा कि राज्य सरकार माहिलपुर क्षेत्र में फुटबॉल, संगरूर में मुक्केबाजी, जालंधर में हॉकी, लुधियाना में एथलेटिक्स और अन्य खेल क्लस्टर विकसित करेगी, जिससे खेलों को बढ़ावा मिल सके। मान ने कहा कि पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार और नौकरियां देने के अलावा, राज्य उन्हें पहले से दी गई नौकरियों में पदोन्नति देने की व्यवहार्यता भी तलाशेगा।

मैच रद्द होने से भड़के फुटबॉल प्रेमी, सॉल्टलेक स्टेडियम के बाहर हंगामा, कोलकाता पुलिस का लाठीचार्ज

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच साल्टलेक में होने वाले डूरंड कप फुटबाल टूर्नामेंट के मैच शनिवार को रद्द कर दिया गया। इसके बावजूद समर्थकों ने स्टेडियम के बाहर पहुंचकर हंगामा किया जिसपर पुलिस ने उन्हें शांत करने के लिए लाठीचार्ज किया। दरअसल, स्थानीय अस्पताल में डॉक्टर से हुए दुष्कर्म और हत्या के बाद शहर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के चलते पुलिस अधिकारियों और आयोजकों ने मैच को रद्द करने का फैसला किया था। डूरंड कप कमेटी की ओर से कहा गया कि ग्रुप ए में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के विवेकानंद युवा भारती स्टेडियम में 18 अगस्त को होने वाले मैच को रद्द किया गया है। मैच रद्द होने के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक मिल गया। एक अंक की मदद से मोहन बागान ग्रुप ए से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। विधाननगर कमिश्नरेट का दावा है कि समर्थकों के विरोध जुलूस में बड़े शोर-शराबे का खतरा हो सकता था, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में इनके समर्थक पहुंचे और विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और समर्थकों को हिरासत में लिया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच होने वाला डूरंड कप मैच रद्द नहीं किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा - ईस्ट बंगाल और मोहन बागान के बीच सीजन का पहला डर्बी मैच होना था और इस मैच को देखने आए समर्थकों को गिरफ्तार करने के लिए जितने पुलिसकर्मी यहां तैनात किए गए है.

इगा स्वियातेक ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइल में बनाई जगह

सिनसिनाटी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महिलाओं में नंबर एक पोलैंड की इगा स्वियातेक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। स्वियातेक ने 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा पर 6-4, 3-6, 7-5 से जीत के साथ अपना विजय अभियान 15 मैच तक पहुंचाया। उनका अगला मुकाबला अरिना सबालेंका से होगा, जिन्होंने लुडमिला सैमसोनोवा को 6-3, 6-2 से हराया।

महिला वर्ग के अन्य मैचों में जेसिका पेगुला ने लैला फर्नांडीज को 6-2, 6-7, 7-6 से हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला पाउला बडोसा

से होगा। बडोसा ने अनास्तासिया पावलुचेनकोवा को 6-3, 6-2 से हराया।

पुरुष एकल वर्ग में सिनर ने आंद्रे रुबलेव को 4-6, 7-5, 6-4 से हराकर पिछले सप्ताह मोंट्रियल के क्वार्टर फाइनल में मिली हार का बदला चुकता किया। वह ओपन युग में इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर का अगला मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। पूर्व चैंपियन ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को 3-6, 7-6, 7-5 से हराया। ज्वेरेव ने सिनर के खिलाफ लगातार चार जीत हासिल की है। फ्रांसिस टियाफो ने ह्यूबर्ट हर्काज के पिंडली की चोट के कारण दूसरे सेट से हट जाने के बाद लगातार दूसरे वर्ष सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई।

सभी सुरक्षा संबंधी रजिस्टर और रिकॉर्ड बनाए रखने के निर्देश

दमरे महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयलु ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानि सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग आइटम और सुरक्षा से संबंधित स्टेशन परिसंपत्तियों आदि जैसी सुरक्षा से संबंधित वस्तुओं की उपलब्धता और कार्यप्रणाली पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षेत्र निरीक्षण तेज करें। उन्होंने क्षेत्र कर्मचारियों को प्रावधानों के अनुसार सभी सुरक्षा संबंधी रजिस्टर और रिकॉर्ड बनाए रखने और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित कार्य प्रथाओं का पालन करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अग्निशामक यंत्र और स्मोक डिटेक्टर आदि जैसी सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता पर चर्चा की।

महाप्रबंधक ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों में दिए जाने वाले रिफ्रेशर कोर्स मॉड्यूल पर आगे चर्चा की और समय-समय पर प्रशिक्षण मॉड्यूल को अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफ्रेशर पर विशेष रूप से लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और स्टेशन मास्टर आदि को अच्छी तरह से प्रशिक्षित करने पर ध्यान देने की भी सलाह दी। इससे ट्रेन संचालन में अधिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। श्री जैन ने ट्रेनों की समयबद्धता पर आगे चर्चा की। उन्होंने सभी डीआरएम को सभी यात्री/एक्सप्रेस ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार करने और ट्रेनों को समय पर चलाने के प्रयास करने के लिए क्षेत्र के सभी अधिकारियों के सुझाव/विचार आमंत्रित करते हुए समयबद्धता पर कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। श्री जैन ने चालक दल के काम के घंटों पर चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को चालक दल के सदस्यों को दिए जाने वाले उचित आराम की सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने जोन में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निष्पादन के दौरान आने वाली समस्याओं को हल करने का निर्देश दिया।

सीएम रेवंत रेड्डी को सीतक्का ने बांधी राखी

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी, राज्य मंत्री सीथक्का, सांसद काव्या और कांग्रेस पार्टी की अन्य महिला नेताओं के साथ रक्षाबंधन मनाया और उनकी कलाई पर राखी बांधी। पिछले दिनों की तरह, सीथक्का ने जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री के आवास पर जाकर राखी बांधी और मिठाई खिलाई। बदले में मुख्यमंत्री ने उन्हें आशीर्वाद दिया। सीथक्का, जिनका वास्तविक नाम दानसारी अनुसूया है, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री हैं।

इस अवसर पर वारंगल के सांसद के. काव्या, विधायक पर्णिका रेड्डी और एम. रागामयी, तेलंगाना महिला सहकारी विकास निगम की अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष शारदा नेरेल्ला और तेलंगाना आर्य वैश्य निगम की अध्यक्ष भी उपस्थित थीं। इस बीच, रेवंत रेड्डी ने एक्स पर एक पोस्ट में बहन सीथक्का के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में बताते हुए कहा कि यह राखी की पूर्णिमा की तरह ही शानदार है। उन्होंने कामना की कि यह त्यौहार सीथक्का और तेलंगाना की हर लड़की के जीवन में पूर्णिमा की तरह खुशियां लेकर आए। सीथक्का ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि मैं भगवान का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे आप जैसा भाई दिया। आप जैसा भाई पाकर मैं इस क्रूर दुनिया में सुरक्षित महसूस करती हूं। मैं हमेशा आपके लिए प्यार, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना करती हूं।

नायुडू ने 15 औद्योगिक परियोजनाओं का उद्घाटन किया

तिरुपति, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने उद्योगपतियों से उत्पाद और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। यह कहते हुए कि आंध्र प्रदेश बेहतर कनेक्टिविटी के साथ अधिक लॉजिस्टिक्स लागत प्रभावी है, मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को एपी में निवेश करने और श्री सिटी को सर्वश्रेष्ठ आर्थिक क्षेत्र और सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचा क्षेत्र बनाने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने 1,570 करोड़ रुपये के कुल निवेश वाली 15 औद्योगिक परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिसमें 8,480 नौकरियां पैदा होने की संभावना है। उन्होंने 2,740 नौकरियों की क्षमता वाली 900 करोड़ रुपये की सात नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इसके अलावा, आज पांच कंपनियों ने 1,213 करोड़ रुपये के निवेश और 4,060 नौकरियों के सृजन का वादा करते हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। गोलमेज सम्मेलन में, सीईओ ने विधानसभा चुनावों में उनकी शानदार जीत पर उन्हें बधाई दी और उनके नेतृत्व में उद्योग-अनुकूल नीतियों के कार्यान्वयन में विश्वास व्यक्त करते हुए उनके नए कार्यकाल के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया। जवाब में, मुख्यमंत्री ने कहा, "नौकरी सृजन और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सीईओ के साथ बातचीत करना हमेशा खुशी की बात होती है। औद्योगिक सफलता को आगे बढ़ाकर, वे सरकार को कल्याणकारी योजनाएं चलाने में मदद करते हुए अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं, जिससे राज्य के समग्र विकास में योगदान मिलता है।" चंद्रबाबू नायडू ने जोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश का लक्ष्य उत्पाद-परिपूर्ण विनिर्माण में अग्रणी बनना, शून्य गरीबी सुनिश्चित करना और वैश्विक स्तर पर तेलुगु उद्यमियों को बढ़ावा देना है। उन्होंने उद्योग के हितधारकों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में भाग लेने के लिए कहा है।

युवा किसान को बताया गया सरकारी कर्मचारी

निज़ामाबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना हुई जब जिले के मकलूर मंडल के माधापुर गांव में एक युवा किसान को इस आधार पर फसल ऋण माफी से वंचित कर दिया गया कि वह एक सरकारी कर्मचारी है। बैंक से 1.92 लाख रुपये का ऋण लेने वाले रोड्डा सुमन को कृषि अधिकारियों ने बताया कि वह फसल ऋण माफी का लाभ नहीं उठा सकते, क्योंकि किसान सूचना दस्तावेज में उनकी पहचान सरकारी कर्मचारी के रूप में की गई है। सुमन ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि वह कोई सरकारी कर्मचारी नहीं है और पिछले कुछ सालों से खेती कर रहा है। अधिकारियों ने उनसे कहा कि वे उनका नाम लाभार्थी सूची में शामिल नहीं करेंगे, क्योंकि उनकी पहचान सरकारी कर्मचारी के रूप में की गई है। सुमन ने गुस्से में आकर अधिकारियों से कहा कि उन्हें उस विभाग में भेज दें, जिसमें वे काम करते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि या तो आप मुझे कर्ज माफी की रकम दिलवा दें या फिर मुझे सरकारी नौकरी दे दें।

सड़क दुर्घटनाओं में 3 की मौत

मंचेरियल, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में सोमवार सुबह दो अलग-अलग घटनाओं में 3 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना में, सोमवार की सुबह कासिपेट मंडल के सोमागुडेम गांव में एनएच 363 पर दूध ले जा रही एक वैन के पलट जाने से 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। कासिपेट के उपनिरीक्षक वी प्रवीण कुमार ने बताया कि वैन के चालक नवनंदुला मल्लेश (22) और दिहाड़ी मजदूर बैरिनेनी भद्र (17) दोनों ही मंडमरी मंडल के उरु मंडमरी गांव के निवासी थे, जब वैन गांव के बाहरी इलाके में एक पुलिया से टकरा गई, जिससे दोनों की तत्काल मौत हो गई और शंकर घायल हो गया।

शंकर को करीमनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे के समय तीनों लोग वैन में दूध भरकर मंडमरी से बेलमपल्ली ले जा रहे थे। इस बीच, रामकृष्णपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बोक्कलगुट्टा के बाहरी इलाके में गांधारी वनम में एनएच 363 पर एक कार और लॉरी की टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि आसिफाबाद मंडल के अडा गांव के 41 वर्षीय ठेकेदार मेकला चंद्रशेखर को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनके परिवार के सदस्यों को मामूली चोटें आईं। घायलों को मंचेरियल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के समय वे अडा गांव जा रहे थे।

तेलंगाना में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षाबंधन का त्यौहार सोमवार को पूरे तेलंगाना में पारंपरिक उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनें भाई-बहन के बंधन को दर्शाते हुए त्योहार के दौरान अपने भाइयों को 'राखी' बांधती हैं। पिछले कुछ दिनों से हैदराबाद और राज्य के अन्य स्थानों पर राखी बेचने वाली दुकानों और मिठाई की दुकानों में खूब कारोबार हो रहा है।

बस में महिला ने दिया बच्ची को जन्म

टीजीएसआरटीसी महिला कंडक्टर ने की मदद

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गदवाल-वानापर्थी मार्ग पर टीजीएसआरटीसी बस में यात्रा करते समय एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने पर एक महिला कंडक्टर और एक नर्स की मदद से एक बच्ची को जन्म दिया। सोमवार की सुबह गदवाल की एक गर्भवती महिला संध्या रक्षाबंधन के अवसर पर अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए पल्ले वेलुगु बस से वानापर्थी जा रही थी। जैसे ही बस नचहल्ली पहुंची, उसे अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। महिला कंडक्टर जी. भारती ने तुरंत ड्राइवर को सूचित किया और बस को रुकवाया। उसी बस में यात्रा कर रही एक नर्स के साथ कंडक्टर गर्भवती महिला को बचाने के लिए दौड़ी। महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। बाद में, मां और बच्ची को एम्बुलेंस की मदद से स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने प्रबंधन की ओर से महिला कंडक्टर की समय पर प्रतिक्रिया के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार और नर्स की मदद की वजह से मां और बच्चा सुरक्षित हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि आरटीसी कर्मचारी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाते हुए सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में सेवा की भावना दिखाते हैं।

श्रीलंकाई मंत्री ने की केटीआर से मुलाकात

बीआरएस शासन के दौरान तेलंगाना की प्रगति की प्रशंसा

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीलंका के वाणिज्य एवं पर्यावरण मंत्री सदाशिवम वियालेंदिरन ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद से राज्य द्वारा हासिल किए गए तीव्र विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने श्रीलंकाई संसद में तेलंगाना की प्रगति का उल्लेख किया था तथा मात्र 10 वर्षों में राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का उल्लेख किया था।

बैठक के दौरान सदाशिवम ने हैदराबाद के केबल ब्रिज के आसपास के विकास की तुलना सिंगापुर से की और तेलंगाना को निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनाने में आईटी और उद्योग मंत्री के रूप में रामा राव की भूमिका की प्रशंसा की।

उन्होंने टिप्पणी की कि जबकि बेरोजगारी वैश्विक स्तर पर बढ़ती चिंता का विषय है, बीआरएस शासन के तहत हैदराबाद को अवसरों के केंद्र में बदलना सभी के लिए प्रेरणा है।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद को आईटी, विनिर्माण और फार्मा क्षेत्रों का निवास होने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है, जो इसे विकास में अग्रणी बनाता है। उन्होंने किसी भी देश के लिए आर्थिक इंजन के रूप में हैदराबाद जैसे शहरों के महत्व और उनके विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकारों की जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने तमिलनाडु के एक पुलिस अधिकारी के साथ अपनी बातचीत को भी याद किया, जिसने उन्हें बताया कि तेलंगाना के पुलिस को देश में सबसे अधिक वेतन पैकेज मिलता है।

श्रीलंकाई मंत्री को उनके शब्दों के लिए धन्यवाद देते हुए, रामा राव ने पिछले एक दशक में लंबे संघर्ष और यात्रा के बाद तेलंगाना के गठन पर विचार किया। उन्होंने बताया कि हैदराबाद में उत्पन्न धन को बीआरएस शासन के तहत विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से कमजोर वर्गों में पुनर्वितरित किया गया है। उन्होंने हरित आवरण में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि और हरिताहारम कार्यक्रम के कार्यान्वयन का भी उल्लेख किया, जो दुनिया के इतिहास में सबसे बड़े वनीकरण प्रयासों में से एक है।

इस दौरान राज्यसभा सदस्य वद्दीराजू रविचंद्र, बीआरएस नेता दासोजू श्रवण, जजल सुरेंद्र और अन्य उपस्थित थे।

कोलकाता कांड

जारी रहा जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के विरोध में तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों में जूनियर डॉक्टरों द्वारा वैकल्पिक ड्यूटी और बाह्य रोगी चिकित्सा सेवाओं का बहिष्कार सोमवार को भी जारी रहा। आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं सामान्य रूप से तथा पूरी क्षमता के साथ जारी रही जबकि जूनियर डॉक्टरों ने अपना प्रदर्शन जारी रखा, वहीं वरिष्ठ डॉक्टर और सरकारी शिक्षण अस्पतालों में अध्यापन संकाय, जिनका प्रतिनिधित्व तेलंगाना सरकारी डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजीडीए) और तेलंगाना शिक्षण सरकारी डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीटीजीडीए) कर रहे हैं, सोमवार से काले बैज पहनकर अपने सामान्य वैकल्पिक और बाह्य रोगी कर्तव्यों पर रिपोर्ट करते देखे गए।

जूनियर डॉक्टरों ने कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय मंत्रालय सरकारी मेडिकल अस्पतालों में केंद्रीय संरक्षण अधिनियम को लागू करने का आदेश तुरंत जारी करे। टीजेयूडीए के सदस्यों ने तेलंगाना महिला आयोग से भी मुलाकात की और अस्पतालों में महिला स्वास्थ्य कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इन प्रस्तावों में अलग और निर्दिष्ट विश्राम कक्ष, परिसर में पुलिस की मौजूदगी, सीसीटीवी कवरेज, सुरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन, लगातार सुरक्षा जांच, उत्पीड़न विरोधी समितियां आदि शामिल हैं।

2 तस्करों से 1.07 किलोग्राम गांजा जब्त

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आबकारी विभाग की टीम ने आबकारी स्टेशन धूलपेट की टीम के साथ मिलकर गांजा रखने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। टीम ने उनके पास से 1.07 किलोग्राम गांजा, एक मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। सूचना मिलने पर आबकारी अधीक्षक एन.अंजीरेड्डी के नेतृत्व में एसटीएफ की टीम ने लोढ़ा भवन में वाहनों की जांच की और धूलपेट के नवीन सिंह और गौतम सिंह को पकड़ा। दोनों व्यक्ति ओडिशा के मलकानगिरी से प्रतिबंधित पदार्थ खरीदकर हैदराबाद में बेच रहे थे।

श्रीकृष्णाष्टमी के शुभावसर पर
गीता फाउण्डेशन 18वें वार्षिकोत्सव के संबंध में
18 अध्याय से जुडे भगवद्गीता पठन प्रतियोगिताएं
निःशुल्क 10,000 भगवद्गीता पुस्तकों का वितरण
कुल रु.10,000/-- मूल्य का नकद पुरस्कार
रजिस्ट्रेशन निःशुल्क
इस प्रतियोगिताओं में भाग लेनेवाले ऐसे छात्र-छात्राएं या वयस्क अर्हताप्राप्त है, जिन्हें 18 अध्याय के श्लोक पूरी तरह कंठस्थ हैं।
छात्र-छात्राओं के लिए: पहला पुरस्कार रु.2,500/- दूसरा पुरस्कार रु.1,500/- तीसरा पुरस्कारः रु.1,000/-
वयस्कों के लिए: पहला पुरस्कार रु.2,500/- दूसरा पुरस्कार रु.1,500/- तीसरा पुरस्कारः रु.1,000/-
सूचनाः न्याय निर्णायकों द्वारा, किसी भी अध्याय के किसी भी श्लोक के पूछे जानेपर, तत्संबंधित उत्तर देने की क्षमता होनी चाहिए।
रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथिः 20-08-2024
नियम शर्तें --
भगवद्गीता प्रतियोगिताओं में भाग लेनेवाले व्यक्तियों को, अनिवार्य तौर पर रजिस्ट्रेशन करना चाहिए। जिसमें पहले रजिस्ट्रेशन करनेवाले ही इस प्रतियोगिता में भाग लेने के योग्य है। इसके विजेताओं को प्रमुखों द्वारा तत्संबंधित उचित पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसमें न्यायनिर्णायकों का ही अंतिम निर्णय होगा। इस कार्यक्रम के आयोजक के पास, तत्संबंधित कार्यक्रम को लंबित करने/निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रहेगा।
ध्यान दें कि,प्रतियोगिताएं आयोजित करने की तिथि, रजिस्ट्रेशन नंबर की सूचना,आपको केवल ई-मेल द्वारा ही दी जायेगी।
गीता फाउण्डेशन का 18 वां वार्षिकोत्सव एवं गीता पारायण गुरुवार, दि. 29 अगस्त को, स्थानः रविन्द्र भारती, हैदराबाद पर आयोजित किया जायेगा, जिसमें सभी सादर आमंत्रित हैं।
यह अनुरोध है कि, इस आध्यात्मिक कार्यक्रम के लिए, दानदाताओं द्वारा समुचित सहायता व सहयोग प्रदान कर, छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करें।
GPay / Phone Pay No. 9160607662
Account Details : Name : GEETHA FOUNDATION A/c. No. : 921010046516515 Bank : Axis Bank, Amberpet Branch IFSC : UTIB0001808
पुरस्कारों का वितरण कार्यक्रम दि.29-08-2024
आयोजक गीता फाउण्डेशन
यह, सभी के घर में रहना अनिवार्य
9160607662, 9121570700
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

विश्व फोटोग्राफी दिवस प्रदर्शनी का आयोजन

42 बेहतरीन तस्वीरें की गई प्रदर्शित

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाते हुए हैदराबाद फोटोग्राफी केंद्र (एचसीपी) ने तेलंगाना सरकार और भारतीय फोटो महोत्सव (आईपीएफ) के सहयोग से माधापुर स्थित राज्य कला गैलरी में विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। वाईएटी एंड सी विभाग की प्रधान सचिव, आईएएस, वाणी प्रसाद और राज्य कला गैलरी की निदेशक, आईएएस, डॉ. लक्ष्मी कोर्रा द्वारा उद्घाटन किए गए इस कार्यक्रम में हैदराबाद के पेशेवर और शौकिया दोनों फोटोग्राफरों की कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी।

इस खुली प्रदर्शनी में 500 से ज्यादा प्रस्तुतियों में से चुनी गई 42 बेहतरीन तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शित कलाकारों में कंदुकुरी रमेश बाबू, जीतेंद्र गोविंदानी, श्रीराम रेड्डी, किशोर कृष्णमूर्ति और डी रविंदर रेड्डी जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं, जो शहर में समकालीन फोटोग्राफी पर एक विविध और समृद्ध परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं। फोटोग्राफ़ी के लोकतंत्रीकरण पर प्रकाश डालते हुए कि आईपीएफ के निदेशक, एक्विन मैथ्यूज ने कहा कि स्मार्टफोन रखने वाला कोई भी व्यक्ति फोटोग्राफ़र बन सकता है, चाहे वह पेशेवर हो या नहीं। हम कॉलेज के छात्रों सहित जाने-माने और शौकिया फोटोग्राफरों द्वारा ली गई शानदार तस्वीरों के इस संग्रह को पेश करने के लिए उत्साहित हैं। यह प्लेटफॉर्म उन सभी के लिए खुला है जो अपनी फोटोग्राफिक प्रतिभा दिखाने के लिए उत्सुक हैं और हम इसे विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर एक वार्षिक परंपरा बनाने की योजना बना रहे हैं।

कर्जमाफी को लेकर होगा प्रजावाणी का आयोजन : कलेक्टर पाटिल

कोत्तागुडेम, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल ने बताया कि फसल ऋण से संबंधित शिकायतों को लेकर जिले के सभी मंडलों में 10 दिवसीय प्रजावाणी का आयोजन किया जाएगा।

प्रजावाणी 20 से 30 अगस्त तक आयोजित की जाएगी जिन किसानों ने 12 दिसंबर, 2018 के बाद बैंकों से फसल ऋण लिया है और ऋण माफ नहीं हुए हैं, उन्हें अपनी शिकायतें अपने संबंधित मंडलों के कृषि अधिकारियों को सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक लिखित रूप में प्रस्तुत करनी होंगी।

आमंत्रण : श्रीकृष्णाष्टमी
गीता फाउण्डेशन 18वें वार्षिकोत्सव के शुभावसर पर गुरुवार दि.29 अगस्त को, रविन्द्र भारती, मेन हाल में, प्रातः 9.00 बजे, महिला मण्डली द्वारा श्री विष्णु सहस्त्रनाम पारायण तथा 10.00 बजे, गीता पारायण का आयोजन, गीताचार्य श्री विश्वेश्वर के नेतृत्व में, जनरल बाजार, श्री गीता भवन, सिकंदराबाद द्वारा होगा।

गीताचार्य
श्री टी. विश्वेश्वर
जनरल बाजार, श्री गीता भवन, सिकंदराबाद सेल:9290444203
बैलूर योगेश प्रभू
चेयरमैन गीता फाउण्डेशन
सेलः 9676727779
पी. बडेसाब
प्रमुख सचिव, गीता फाउण्डेशन
सेलः 9160607662
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.